RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 April, 2017

अंक–10 (मासिक) वर्ष–12 अप्रैल 2017 मूल्य 30/–

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

महिला विशेषांक

मातृरुपेण संस्थिता

।।शक्तिरुपेण संस्थिता।।

मातुश्री ललिता बाहेती
भावपूर्ण श्रद्धांजलि

श्री माहेश्वरी मेलापक

अन्तर्राष्ट्रीय वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक-8
से जुड़े सैकड़ों रिश्ते

प्रति मंगलवार देखें
SMT NEWS
WHATSAPP VIDEO BULLETIN

Scaling New Heights of Perfection

BANK SURPASSES ₹ 3300 CRORE BUSINESS

AVAIL INTERNET BANKING FACILITY ABSOLUTELY FREE

It's easy, secure and available 24/7 wherever you may be IN THE WORLD

BOARD OF DIRECTORS

RAMESH KUMAR BUNG, Sr. Vice-Chairman | PURSHOTAMDAS MANDHANA, Chairman | RAMPAL ATTAL, Vice-Chairman

DIRECTORS

BRIJGOPAL ASAWA | CHAINSUKH KABRA | KAMALNARAYAN RATHI | KRISHNA CHANDRA BUNG | LAXMINARAYAN RATHI

NANDKISHORE HEDA | OMPRAKASH JAKHOTIYA | Smt. PUSHPA BOOB | RAMPRAKASH BHANDARI | SRIGOPAL BUNG

SRIKANTH INANI | SRINIVAS ASAWA | CA KISHAN GOPAL MANIYAR | CS SUMAN HEDA (PROFESSIONAL DIRECTORS) | UMESH CHAND ASAWA, M.D. & CEO

SALIENT FEATURES

- IMPS – Merchant Payment Service – for online payment of Electricity, Telephone bills and booking flight, bus and hotel bookings.
- Direct RTGS / NEFT Facility.
- RuPay Debit Card facility – Access to more than two lakh ATMs of NFS Member Bank's and merchant establishments in the country.
- Point of Sale Services (POS).
- Inward remittance facility from abroad through Western Union Money Transfer.
- e-Tax payment - Income Tax, Service Tax, Excise, VAT etc., and e-Seva facility at select branches.
- Bancassurance for Life Insurance solutions.
- Mutual Fund Business in tie-up with Reliance Capital Asset Management Co. Ltd.
- Acceptance of NR(E) Deposits.
- Foreign Exchange transactions under AD Category-II.
- Basic Savings Bank Deposit Accounts (under "Financial Inclusion").
- Tax Savings Deposit under Section 80C of Income Tax Act.
- Missed Call Service & Statement of Account through e-mail facility.
- CCC - "Customer Contact Centre" - One Stop Hub help-line desk.
- Loans & Advances to Traders, Businessmen, SSIs, Personal Loans, Consumer Loans, Professional Loans, Educational Loans, Housing Loans, Gold Loans & Loans against NSCs, KVPs etc.

* Conditions apply

FUTURE PLANS

- Introducing VISA Debit Card Facility, e-Lobby and to increase the network of branches.
- *RBI accorded permission for opening of 8 more branches in the states of Telangana, Andhra Pradesh, Gujarat & Rajasthan.*
- *Expansion of Branch Network.*

महेश बैंक MAHESH BANK మహేశ్ బ్యాంక్

A.P. MAHESH CO-OP. URBAN BANK LTD.

ESTD. 1978

(Multi-State Scheduled Bank)

H.O. : 5-3-989, 3rd Floor, Sherza Estate, N.S. Road, Osmangunj, Hyderabad - 500 095 (T.S.) INDIA

Tel.: +91 40 2461 5296, 2461 5299, 2343 7100 – 103 / 2343 7105, Fax : +91 40 2461 6427

43 BRANCH Network | NET Banking | RTGS / NEFT Facility | Point of Sale Services | Mutual Fund Services | Easy Credit for Trade & Industry | FOREIGN EXCHANGE FACILITY | Life Insurance Services | 100% CBS BRANCHES Anywhere Banking

E-mail: info@apmaheshbank.com Website: www.apmaheshbank.com

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-10 ▸▸ अप्रैल, 2017 ▸▸ वर्ष-12

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
सविता काबरा (मुम्बई)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय- 90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Bank A/c Detail-
Sri Maheshwari Times
PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर
समस्त मातृशक्ति को
श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार का नमन्

श्रद्धांजलि

'माँ' भी कभी मरती हैं?

माँ क्या है और ईश्वर से भी पहले माँ का महत्व क्यों माना जाता है? इन्हीं अनुत्तरित प्रश्नों के उत्तर दे रही है प्रख्यात हास्य कवि स्वर्गीय पं. ओम व्यास 'ओम' की माँ को समर्पित यह कविता। यह उनके काव्य साहित्य की अनमोल निधि है।

मेरी आत्मा इस बात को स्वीकार नहीं करती है,
कि - दुनिया में 'माँ' भी कभी मरती है
जो लोग 'माँ' के शरीर समापन को अंत मानते हैं
वो शायद इस बात को नहीं जानते हैं
कि 'माँ' परिवार के मोतियों की माला का धागा है
जब परिवार बेचैन हुआ
'माँ' का चिन्ता भाव ... रातभर जागा है
'माँ' से परिवार का बगीचा हराभरा है
'माँ' शरीर है तो मानिए ममत्व खुद धरा है
धरती माँ सब कुछ तो सहन करती है
क्या पता? लोग क्यों कहते हैं... कि 'माँ' मरती है
धरती की तरह 'माँ' का भी तो मन है
अरे! धरती अनादि है यानि सनातन है
'माँ' और धरती में अंतर नहीं जरा है
'माँ' सदियों से है... क्योंकि 'माँ' एक परम्परा है
परम्परा नहीं होती तो त्यौहार से 'माँ' बड़ी नहीं होती
मिठाई बनाती बहू-बेटी के साथ चौके में आकर खड़ी नहीं होती
भूजिया, खीर यानि पकवान सी होती है 'माँ'
सदियों से परम्परा का अनवरत् बहाव यानि
भगवान सी होती है 'माँ'
इसलिए मेरी आत्मा डरती है और स्वीकार नहीं करती हैं
कि - 'माँ' भी कभी मरती है.....

नमस्तस्ये....नमस्तस्ये....

महिलाओं को समर्पित यह अंक कुछ अस्थिर मनोभावों के बीच गढ़ा जा रहा है। मन दुःख और वेदना से भरा है, क्योंकि मेरी मातुश्री ललिता देवी इसी माह अल्प रुग्णता के बाद प्रभु श्री चरणों में विलीन हो गई। उनके शारीरिक अवसान ने मुझे पुत्र रूप में तो गहन पीड़ा दी है, लेकिन एक संपादक के रूप में मेरे मस्तिष्क में उनका समाज को समर्पित व्यक्तित्व और महिलाओं के उत्थान के लिए कुछ करने की उत्कंठा के चलचित्र आ जा रहे हैं। माँ के रूप में उन्होंने हम बच्चों को जो सीख और शिक्षा दी, वे हर नजरिये से हमें योग्य नागरिक बनाने में सक्षम है। समाज और खासकर समाज की महिलाओं के लिए उन्होंने जिस लगन और समर्पण से काम किया उसे शहर में महिला संगठन की मजबूती के रूप में देखा जा सकता है। उन्हें साकार अपने बीच न पाने की रिक्तता जीवन पर्यन्त महसूस होगी।

यह अंक समाज की ऐसी ही समर्पित और उद्यमशील महिलाओं को समर्पित है। इस अंक में आप समाज में विभिन्न माध्यमों में सक्रिय प्रतिभाओं से परिचित होंगे, जिन्होंने कुछ प्रेरणीय किया है, जिनसे अन्य महिलाएं भी प्रेरित होकर आगे बढ़ने के लिए कृतसंकल्पित हो सकती हैं। अंक में हमने उन महिलाओं को भी आगे लाने का प्रयास किया है, जिन्होंने अपने परिवार को आर्थिक रूप से संपन्न बनाने के लिए उद्यम शुरू किया। उनका मददगार बना समाज। आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र से आर्थिक मदद लेकर उन्होंने अपना स्वयं का नया व्यापार-उद्योग खड़ा किया। इन पर कवरेज के वक्त मन में एक ही भाव था कि जब महिला ठान लेती है, तो उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। यही बात समाज की अन्य महिलाओं के लिए भी है, ताकि वे बिना किसी भय और आशंका के अपने आप को आगे बढ़ने के लिए तैयार करे। कहते हैं कृतित्व से ही सौभाग्य का निर्माण होता है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार के लिए खुशी का क्षण भी है कि शहर की ही एक बेटी कल्पना गगडाणी अ.भा. श्री माहेश्वरी महिला संगठन की सरताज बनी हैं। वे अपना पद संभालने का समारोह अपनी जन्मभूमि में करना चाहती हैं। उज्जैन में होने वाले इस समारोह से इस अंचल की महिलाओं को भी गौरव महसूस होगा। वे संगठन को आगे बढ़ाने और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ज्यादा ताकत से जुटेंगी।

अमरिका में समाज के चुनावों में भी सर्वानुमति का प्रस्फूटन हो गया है। महासभा के चुनाव की तरह वहां भी सर्वानुमति से पदाधिकारियों का चयन किया गया है। यह समाज में आई नई जागरुकता का पर्याय है। निश्चित तौर से वैचारिक एकात्मता से ही आगे बढ़ने की ताकत दोगुना हो जाती है, संगठन कई विकारों से बच जाता है। नए पदाधिकारियों को श्री माहेश्वरी टाईम्स की ओर से बधाई।

यह अंक आपके हाथ में जब होगा, तब हम चैत्र नवरात्र की शक्ति आराधना में लीन होंगे। मातृ शक्ति के इन संयोगों के बीच अंक में पठनीय एवं ज्ञानवर्धक आलेख, स्थायी स्तंभ और अन्य सामग्री भी समाहित की गई है। यह अंक आपको कैसा लगा, अपनी प्रतिक्रिया से अवश्य अवगत कराएँ।

जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

संस्कारों के साथ चले आधुनिक शिक्षा

विश्व वंद्य हमारी संस्कृति में महिलाओं का स्थान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। वेद, पुराण, उपनिषद, इतिहास और आज वर्तमान में भी अनेक नारिया हैं जो गौरव का विषय बनी हुई हैं। मैत्रेयी, सीता, द्रौपदी, लक्ष्मीबाई, चैन्नम्मा, सानिया मिर्जा आदि ने भारतीय परंपरा और संस्कृति को सजाया संवारा है।

''यत्र नार्यस्तु पूज्यते रमणते तत्र देवता।''

नारी परिवार का महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग है। जो अत्यंत सुनियोजित एवं व्यवस्थित तरीके से सभी जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए अपनी संतान की बेहतर परवरिश करते हुए एक होनहार नागरिक का सृजन कर सकती है। पहले नारी अधिक शिक्षित नहीं होती थी किंतु फिर भी वह बच्चे की सही मार्गदर्शक होती थीं। उन्हें उचित-अनुचित, न्याय-अन्याय, विवेक-अविवेक में अंतर करना सिखाती थी। किंतु वर्तमान समय में शिक्षा अर्थात उच्च शिक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता का साधन बन गयी है। वह पुरुष को प्रतिद्वंद्वी मानती है।

आज लड़कियाँ शारीरिक श्रम अर्थात घर के काम को करना नहीं चाहती, खाना बनाना अच्छा नहीं लगता है। यह कटू सत्य है कि वर्तमान शिक्षा में सामंजस्य और व्यावहारिक सोच नहीं है। इसी से पारिवारिक क्लेश और विघटन (तलाक) हो रहे हैं और विघटित परिवार की संतति विक्षिप्त मानसिकता एवं विकलांग सोच वाली हो सकती है। वह दिग्भ्रमित होकर जुर्म और अपराध का रास्ता चुन सकती है।

एक बेटी ही माँ, पत्नी और बहन के रूप में परिवार समाज और राष्ट्र की तस्वीर बना सकती है। वह अतीत की उपलब्धियों, अनुभवों का भंडार ही नहीं वर्तमान की निर्मात्री भी है और भविष्य की रूपरेखा तथा तस्वीर भी। अतः सही अर्थों में शिक्षा के संयम, सहनशीलता, त्याग आदि हमारी संस्कृति के अनुकूल अर्थकारी होने के साथ व्यावहारिक होना आधुनिक युग की आवश्यकता है।

पुरातन के साथ नवीन मूल्यों को जोड़ने का प्रयत्न हमारी बहनें कर भी रही हैं। आज के इस ई कॉमर्स और कम्प्यूटर युग में चंदा कोचर, इंदिरा नूई जैसे अनेक नाम हैं। जिनका मानना है-

''मेरी झलक एक शीशे के टुकड़े में नहीं,
मेरी तस्वीर दीवार पर टंगी चंद तस्वीरों में नहीं।''

हमारी बहनों की सकारात्मक सोच इन्हें जीवन की सर्वोच्च ऊँचाई पर ले गई हैं। इनकी पहचान की कोई सीमा नहीं हैं यह सच भी है।

''जब मशाल जल जाये तम का राज रहता नहीं,
प्रयत्न ज्योत जगमगा जाये, स्वप्न कोई बिखरता नहीं।''

दोहरा दायित्व घर और बाहर निभाते हुए भी यदि प्रयत्न की दिशा सही हो, तो स्वप्न जरूर साकार होते हैं अतः मैं तो सभी महिलाओं से यही अपील करती हूं कि अपनी बेटियों व बहुओं को उच्च शिक्षा अवश्य दिलाऐं क्योंकि यह समय की मांग है। लेकिन इसके साथ अपने संस्कारों की शिक्षा से भी उन्हें जरूर दें।

सविता काबरा (मुम्बई)
अतिथि सम्पादक

मुम्बई निवासी सविता काबरा की पहचान समाज में एक प्रबुद्ध चिंतक के रूप में है। आपका जन्म निंबी (राज.) निवासी श्री रामपाल-श्रीमती कमलादेवी कांकानी के यहाँ हुआ। आपका विवाह खंडेला निवासी दिलीप-प्रेमनारायण काबरा के यहां हुआ। वर्तमान में आप अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की सुलेखा समिति की राष्ट्रीय संयोजिका की जिम्मेदारी निभा रही हैं। बचपन से ही श्रीमती काबरा की साहित्य के प्रति विशेष रुचि रही। इसी ने उन्हें एक प्रखर चिंतक बना दिया। एमए तक शिक्षा ग्रहण की। अपनी कॉलेज की शिक्षा के दौरान वाद-विवाद प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर कई बार पुरस्कृत हुईं। इसके साथ ही अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा छात्रसंघ आदि में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। शिक्षा व अन्य गतिविधि सभी में उनका समान योगदान रहा, जिससे वे यूनिवर्सिटी की सर्वश्रेष्ठ छात्रा बनी रहीं। रेडियो स्टेशन विविध भारती के हवा महल कार्यक्रम में वक्ता के रूप में भी आमंत्रित की गईं। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की 'श्रीमती माहेश्वरी' प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। कॉलेज के दिनों से मंच संचालन की जो शुरुआत हुई वह महिला संगठन के द्वारा आज भी सतत् जारी है। स्वरचित काव्य पाठ भी प्रस्तुत किया। समाजसेवा के अंतर्गत लायंस क्लब ऑफ सेवन बंगला, राजस्थानी मंडल लोखंडवाल की सदस्या व अंधेरी बांद्रा क्षेत्रीय महिला समिति की संयोजिका तथा अध्यक्ष रहीं है। पारिवारिक रूप से संयुक्त परिवार का भी वे आदर्श स्थापित कर रही है।

श्री धरजल माताजी

राजस्थान के पोकरण में स्थित माताजी का मंदिर सभी समुदायों के लिए श्रद्धा और भक्ति का प्रमुख केन्द्र है। सालभर यात्रियों का आवागमन यहां होता है। चैत्र और शारदीय नवरात्र में विशेष आयोजन होते हैं। कुलदेवी श्रृंखला में इस बार धरजल माताजी के दर्शन कीजिए-

धरजल माताजी नावंधर खांप में गांधी, धीरन, धीरानी आदि की कुलदेवी है।

राजस्थान के पोकरण में शहर के बीचोंबीच गांधी मोहल्ला में धरजल माताजी का भव्य मंदिर स्थित है। मंदिर का जीर्णोद्धार 50 वर्ष पूर्व किया गया है। यहाँ पर कुलदेवी की प्रतिमा लगभग 100 वर्ष पुरानी है। यहाँ माताजी की अखण्ड ज्योत के साथ प्रतिदिन दोनों समय आरती होती है। साल की दोनों नवरात्रि में नौ दिनों तक भव्य कार्यक्रमों का आयोजन होता है। अष्टमी को हवन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें सम्पूर्ण भारतवर्ष के नावंधर परिवार के लोग सम्मिलित होते हैं। मंदिर में फलों द्वारा विशेष शृंगार एवं विद्युत्त सज्जा की जाती है। यहाँ सालभर नावंधर परिवार के लोग भारतवर्ष से आते रहते हैं।

सर्वसुविधाएं उपलब्ध-

धरजल माता मंदिर का सार्वजनिक ट्रस्ट है जो पूरे भारत के नावंधर परिवारों द्वारा संचालित होता है। मंदिर प्रांगण में रहने एवं खाना बनाने की बर्तनों सहित पूर्ण व्यवस्था है। मंदिर की व्यवस्था में श्री शंकर गांधी, कोषाध्यक्ष श्री जुगल गांधी एवं गांधी परिवार पोकरण का विशेष सहयोग रहता है।

अन्य तीर्थ-

इसके पास ही नावंधर समाज का सुधलाई तालाब है जहाँ शिवजी का मंदिर स्थित है। तालाब पर मोर एवं पक्षियों को दाना डाला जाता है। सुबह सैकड़ों की संख्या में मोर आकर नाचा करते हैं। पोकरण से मात्र 6 कि.मी. की दूरी पर बाबा रामदेवजी का तीर्थ स्थल है।

कैसे पहुंचे-

पोकरण जोधपुर-जैसलमेर लाइन पर जोधपुर से 160 कि.मी. की दूरी पर हर समय बस सेवा उपलब्ध रहती है ट्रेन भी इस लाइन पर उपलब्ध है।

भूतड़ा बने नार्थ अमेरिका महासभा अध्यक्ष

भारत की तरह हुआ सर्वसम्मति से चयन, माहेश्वरी बने ट्रस्ट अध्यक्ष

मिशिगन (यूएसए). अमेरिका में माहेश्वरी समाज की सेवा की पताका फहरा रही समाज की शीर्ष संस्था नार्थ अमेरिका माहेश्वरी महासभा (एमएमएनए) के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से संगठन की नेशनल कमेटी (एनईसी) के नये प्रेसिडेंट मिशिगन के विकास भूतड़ा सर्वानुमति से चुने गये। बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज अध्यक्ष मिशिगन के ही श्याम माहेश्वरी चुने गए।

नॉर्थ अमेरिका की माहेश्वरी महासभा की नेशनल एक्जीक्यूटिव कमेटी (एनईसी) के नए प्रेसिडेंट श्री भूतड़ा सर्वानुमति से वर्ष 2017 से 2020 तक चार साल के लिए चुने गए हैं। यूएसए और कनाडा में एनईसी के विभिन्न क्षेत्रीय चैप्टर्स के प्रतिनिधियों में से 9 सदस्यों की एक नई टीम का भी चयन किया गया। चुनाव की गाइड लाइंस और बायलाज के मुताबिक एमएमएनए की लीडरशिप टीम का चयन एमएमएनए के लाइफ मेंबर ही कर सकते हैं। एमएमएनए के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के चेयरमैन के पद पर दो साल के लिए श्याम माहेश्वरी (मिशिगन) चुने गए हैं। बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की 10 सदस्यीय टीम बायलाज और ओवरऑल गवर्नेंस की देखरेख करती है।

नई लीडरशिप टीम में ये शामिल

एमएमएनए की एनईसी टीम मेंबर में जितेंद्र मुछाल, मुकुल राठी, लता माहेश्वरी, अभिलाषा राठी, आशीष डागा, विजयश्री चौधरी, बलदेव भोजवानी, राजेश राठी और अरुण मूंदड़ा शामिल हैं। एमएमएनए की बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की टीम में सुषमा पलौड़, सुरेश देवपुरा, गिरधर हेड़ा, राजेश काबरा, विनोद माहेश्वरी, घनश्याम हेड़ा, देव माहेश्वरी, घनश्याम बिरला और पी.जे. राठी शामिल हैं।

आईएमआरसी 2018 में सम्भव

एमएमएनए हर दो वर्ष में होने वाले महत्वपूर्ण इंटरनेशनल माहेश्वरी राजस्थानी कन्वेंशन (आईएमआरसी) को आर्गेनाइज करेगा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय और समाज के सदस्यों द्वारा इस कन्वेंशन में भारी संख्या में शिरकत की जाती है। उम्मीद की जाती है कि भविष्य में अगला आईएमआरसी कन्वेंशन 2018 के उत्तरार्द्ध में आयोजित किया जाएगा।

क्या रहेगा संगठन का "विजन"

एमएमएनए अपने 4 वर्षीय विजन 2020 की हाईलाइट को रेखांकित करते हुए श्री भूतड़ा ने पहले से जारी महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम (सखी), यूथ (रेज) मैट्रीमोनियल मैच मेकिंग और एजुकेशन सपोर्ट के संकल्प को दोहराया। साथ में यह भी कहा कि एमएमएनए द्वारा समाज के सीनियर सिटीजन को सपोर्ट प्रदान करने के लिए नए प्रयास किए जा रहे हैं। समाजजनों में व्यापार और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए भी यह प्रयास शुरू किए जा रहे हैं। इसी के साथ एक डिजिटल इनिशिएटिव भी लांच किया जा रहा है ताकि एमएमएनए के सदस्य प्लांड इनिशिएटिव का सक्षमता से इम्प्लिमेंटेशन कर सकें। एमएमएनए नॉर्थ अमेरिका में जहां-जहां विभिन्न क्षेत्रीय चैप्टर्स काम कर रहे हैं, वहां की लोकल कम्यूनिटी में समाजसेवा की गतिविधियाँ को भी बढ़ावा देगा।

सत्संग शिविर का आयोजन

हरदा. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी मांगलिक भवन में वृंदावन धाम प्रियाकांतजू मंदिर के संस्थापक श्री देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज के सत्संग का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने धर्म, भारतीय सभ्यता और संस्कृति को सहेजने तथा आगे बढ़ाने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा श्रेष्ठ कर्म ही इंसान का कर्त्तव्य है, यही उसका धर्म भी है। माता-पिता एवं गुरुजन और पूरे परिवार की यह नैतिक जिम्मेदरी है कि आने वाली पीढ़ी में संस्कार रूपी अच्छे बीज डालें। तभी सभ्य शिक्षित तथा संस्कारी समाज तैयार होगा। श्री ठाकुरजी ने प्रवचन के मध्य होली के भजन भी सुनाये। जिस पर सभी अपनी जगह-जगह पर खड़े होकर दोनों हाथों से तालियाँ बजाकर थिरके। उक्त जानकारी गिरिराज तोतला अध्यक्ष माहेश्वरी युवा संगठन हरदा ने दी।

नारी सशक्तिकरण पर कार्यशाला

सूरत. सुश्रिता महिला विकास समिति के अंतर्गत माहेश्वरी महिला मंडल (मेन) सूरत द्वारा गत 20 फरवरी को महिला सशक्तिकरण पर एक सेमिनार नीलेश मटारिया के संयोजन में आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं को उनके अंदर की पावर बताकर किस प्रकार अंदर की नकारात्मकता को निकालकर सकारात्मक सोच से परिवार के सदस्यों को मोटीवेट कर सकती हैं एवं सकारात्मक सोच से होने वाले फायदे भी बताए गए। उक्त जानकारी अध्यक्ष वीणा तोषनीवाल और सचिव अंजना सिंगी ने दी।

> "केवल संदेश ही जीवन नहीं होता है। हमारा जीवन दूसरों के लिए एक प्रेरणा-संदेश (आदर्श) होना चाहिए"

''उज्जैन की बेटी'' लेंगी शीर्ष पद की उज्जैन में शपथ

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के नवीन सत्र की प्रथम कार्यसमिति की बैठक ४-९ अप्रैल को होगी

उज्जैन. माहेश्वरी समाज के शीर्ष महिला संगठन अभा माहेश्वरी महिला संगठन के नवीन सत्र की शुरुआत भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन से होगी। यहीं पर अध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी शपथ लेगी और उसके साथ ही इस नवीन सत्र की अपनी कार्ययोजना को भी अंतिम रूप देगी।

उज्जैन की बेटी प्रोफेसर कल्पना गगडानी अभा माहेश्वरी महिला संगठन की आगामी सत्र की सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। अपने उज्जैन शहर से विशेष लगाव के कारण उन्होंने अपने इस सत्र की शुरुआत एवं पदग्रहण समारोह के लिये भगवान महाकालेश्वर के आशीर्वाद को विशेष महत्व दिया है। तय कार्यक्रम के अनुसार आगामी ८ अप्रैल को संगठन अपने नवीन सत्र की प्रथम बैठक की शुरुआत भगवान महाकालेश्वर के अभिषेक व पूजन के साथ करेगा। इसके पश्चात भव्य शोभायात्रा निकलेगी।

मां शिप्रा की भी करेंगे भव्य आरती

शोभायात्रा के बाद सभी शिप्रा तट पहुंचेंगे और वहां मां शिप्रा की भव्य आरती की जाएगी। इस अवसर पर ज्वलंत राष्ट्रीय समस्याओं के साथ ही शिप्रा के महात्म्य आदि को लेकर पोस्टर तथा भजन गायन आदि का आयोजन भी होगा। इनका लक्ष्य प्रमुख रूप से राष्ट्रीय समस्याओं एवं शिप्रा के महत्व को लेकर जनजागरण करना है। इस अवसर पर अतिथि के रूप में एडीजी पुलिस वी. मधुकुमार, कलेकटर संकेत भोंडवे, अंबेडकर पीठ के आचार्य डॉ. शैलेंद्र पाराशर उपस्थित होंगे।

योजनाओं की प्रस्तुति के साथ सत्र की शुरुआत

महिला संगठन के नवीन सत्र की शुरुआत श्री महाकालेश्वर भक्त निवास पर आयोजित प्रथम कार्यकारी मंडल बैठक में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण के साथ ही नवीन योजनाओं की प्रस्तुति से होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री पारस जैन रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद चिंतामणि मालवीय उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन की नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रोफेसर कल्पना गगडानी करेंगी। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में अभा माहेश्वरी महासभा सभापति श्यामसुंदर सोनी, पूर्व सभापति रामपाल सोनी, रामावतार जाजू, प्रो. रामराजेश मिश्र व पूर्व विधायक शिवा कोटवाणी उपस्थित रहेंगे। समिति सदस्याएँ संगठन की समस्त योजनाओं की मंच की संगीतमयी प्रस्तुति देंगी। इसके पश्चात विचार-विमर्श से इन योजनाओं को मूर्तरूप दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का हुआ आयोजन

बेमेतरा. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इसमें डॉ. टॉवरी, डॉ. मयूर राठी, बेरला के रोहित भट्ट, नीतू कोठारी, स्मिता लाखोटिया आदि अतिथि थे। आशा गिलड़ा, प्रमिला राठी, वर्षा लाखोटिया, अनीता मोहता ने अतिथियों का स्वागत किया। महिलाओं में आज की बड़ी समस्या ब्रेस्ट कैंसर, यूटरस कैंसर, सरवाइल कैंसर बढ़ते जा रहे हैं। उनके कारण व बचाव कैसे किया जाए, इसकी जानकारी दी गई। पेंटिंग मास्टर स्मिता लाखोटिया का अखिल भारतीय स्तर पेंटिंग स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मान प्रमाण-पत्र देकर किया गया। इप्सिता चांडक द्वारा मंच संचालन किया गया। कार्यक्रम में चंद्रकांता राठी, धापू डांगरा, सरस्वती मूंदड़ा, संध्या मूंदड़ा, छाया राठी, इंदू राठी, भावना राठी, सपना राठी, मंजू राठी, दीपिका राठी आदि मौजूद थीं।

> "किसी को हरा देना बेहद आसान है, लेकिन किसी को जीतना बेहद मुश्किल"

> "जो लोग दूसरों को अपनी खुशियों में शामिल करते है, खुशियाँ सबसे पहले उनके अपने दरवाजें पर दस्तक देती है।"

मध्य राजस्थान सभा की बैठक सम्पन्न

कुचामनसिटी. मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल की बैठक गत 19 मार्च को सरला बिड़ला कल्याण मंडपम में गोपाललाल काबरा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें अध्यक्ष गोपाललाल काबरा, मंत्री रंगनाथ काबरा, उपाध्यक्ष रमेश तापड़िया एवं भंवरलाल बजाज, संगठन मंत्री ताराचंद मूंदड़ा, संयुक्तमंत्री सुनील जैथलिया एवं बिहारीलाल चांडक, सहमंत्री रामरतन छापरवाल के अतिरिक्त महासभा के संयुक्त मंत्री पश्चिमांचल श्यामसुंदर मंत्री, अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल, महिला संगठन प्रदेशाध्यक्षा सुनीता रांदड़ मंचासीन थे। नागौर जिले के चुनाव अप्रैल में, अजमेर जिले के 30 अप्रैल को, टोंक जिले के 15 मई से पूर्व एवं प्रदेश के चुनाव 15 जून तक कराने का सर्वानुमति से निर्णय लिया गया।

राजस्थान महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

जोधपुर. राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की सत्र 2016-19 की प्रथम पदाधिकारी तथा कार्यकारिणी की बैठक गत दिनों एक होटल में आयोजित हुई। महामंत्री डॉ नीलम मूंदड़ा ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष उर्मिला तापड़िया ने की। इस अवसर पर आगामी कार्यक्रम तथा समाज की गतिविधियों को सुचारु रूप से सम्पन्न करने हेतु संगठन की 11 समितियों का गठन किया गया। चंद्रा बूब जोधपुर, गायत्री सोनी ओसिया, संजीवनी गट्टानी जोधपुर, मनीषा मूंदड़ा जोधपुर, स्वाति जैसलमेरिया जोधपुर, सुधा डागरा बाड़मेर, विमला मंत्री पाली, सपना बजाज जालोर, राधा लाहोटी पाली, गीता माच्छर जोधपुर व पुष्पा चांडक जैसलमेर को संयोजक की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। प्रदेशाध्यक्ष श्री तापड़िया ने आने वाले समय में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की 3 दिवसीय बैठक जोधपुर में आयोजित करने की जानकारी दी। महिला दिवस के उपलक्ष्य में समाज की चार महिलाओं को विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ महिला संगठन की प्रथम बैठक सम्पन्न

जगदलपुर. छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यसमिति बैठक अभनपुर महिला मंडल के आतिथ्य में गत 12 फरवरी को सम्पन्न हुई। ज्योति राठी व शीतल राठी ने स्वागत गीत तथा स्थानीय अध्यक्ष सुनीता राठी ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन दिया। प्रदेशाध्यक्ष आशा डोडिया ने महिलाओं को आत्मनिर्भर करने व अर्थ संग्रहण के लिए कार्य करने की शुरुआत पर विचार व्यक्त किया। महामंत्री शशि गट्टानी, निवृतमान अध्यक्ष पुष्पा राठी, कार्यसमिति सदस्य उषा मोहता, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा ज्योति राठी आदि ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। प्रचार मंत्री रूपा मूंदड़ा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि नेत्र दान महादान को एक अभियान के रूप में चलाना इस सत्र का विशेष काम रहेगा।

सरलादेवी बनी वार्ड सदस्या

वरोरा. स्थानीय नगरपालिका के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी के रूप में माहेश्वरी महिला मंडल वरोरा की पूर्व अध्यक्षा सरलादेवी-श्यामसुंदर तेला ने वार्ड सदस्या के पद पर विजयश्री प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों व समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

फोफलिया आयडियल स्कूल का शुभारंभ

सोलापुर. समाजसेवी ब्रिजमोहन फोफलिया द्वारा गत 11 जनवनरी को नेहरू नगर स्थित आयडियल स्कूल प्रांगण में ''ब्रिजमोहन फोफलिया आयडियल इंग्लिश मीडियम स्कूल'' का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ महाराष्ट्र के सहकार मंत्री सुभाष देशमुख के हाथों हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंदाम चह्वान ने की। कार्यक्रम का संचालक मुख्याध्यापक सचिन मोहन चह्वान ने किया। इस अवसर पर सायं 7 से 9 बजे तक स्नेह भोज का आयोजन भी हुआ। यह स्कूल डिजिटल क्लास रूप, सीसीटीवी कैमरों, योगा क्लास, बस सुविधा व हार्स राइडिंग आदि कई अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। उल्लेखनीय है कि श्री फोफलिया ने 18 वर्षों पूर्व वृद्धाश्रम की नींव भी रखी थी। इसके साथ स्वयं के खर्च से वे सामूहिक विवाहों का आयोजन कर अभी तक 638 वैवाहिक गठबंधन सम्पन्न करवा चुके हैं।

माँ की स्मृति में फर्नीचर भेंट

भौंरासा. शासकीय कन्या उ.मा.वि भौंरासा में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेंद्र यादव अध्यक्ष प्रतिनिधि नगर पंचायत भौंरासा व उपाध्यक्ष जीनसिंह ठाकुर आदि थे। संस्था प्राचार्य सुधीरकुमार सोमानी ने इस अवसर पर अपनी माता स्व. श्रीमती रजनी सोमानी की स्मृति में छात्राओं के लिए 25 सेट फर्नीचर भेंट किए।

> बदलाव का सही अर्थ अपनी ऊर्जा को पुराने संसाधनों से जूझने की अपेक्षा नये स्त्रोत्रों को विकसित करने में है

आरओ वाटर प्लांट लोकार्पित

भीलवाड़ा. आरकेआरसी माहेश्वरी युवा संगठन के द्वारा माहेश्वरी भवन में एक आरओ वाटर प्लांट व चीलर लगाया गया। इसका लोकार्पण कार्यक्रम 13 मार्च को पूर्व सभापति रामपाल सोनी व अभा युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार काल्या के द्वारा किया गया। संरक्षक राजेंद्र पोरवाल व अध्यक्ष दिनेश काबरा ने बताया कि युवा संगठन द्वारा हर वर्ष कैलेंडर व दीपावली पर मिठाई निर्माण आदि से बची हुई राशि से यह खरीदा गया। साथ ही 25 कैन व 25 जार भी भेंट किए गए। इस अवसर पर अर.एल. नौलखा, देवकरण गग्गड़, राधेश्याम सोमानी, कैलाश कोठारी, राधेश्याम चेचानी, केदार जाखेटिया आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। आभार मंत्री सुन्द डाड व संरक्षक राजेन्द्र पोरवाल ने माना। बताया जाता है कि लोकार्पण कार्यक्रम युवा संगठन का होते हुए भी यहाँ के जिला व नगर युवा संगठन अध्यक्ष का नाम निमंत्रण पत्र में नहीं था व उन्हें कार्यक्रम की सूचना एक दिन पूर्व ही मिली। अतः वे नाराज हो गये। अंतिम समय में श्री काल्या के मनाने पर ही वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

देहदान संकल्प के लिये परवाल सम्मानित

जयपुर. जिला माहेश्वरी सभा के स्थापना दिवस पर अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी ने अभा माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयुक्त मंत्री एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम परवाल को देहदान का संकल्प लिये जाने पर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि श्री परवाल पूर्व में नेत्रदान हेतु भी संकल्प कर चुके हैं। उन्होंने अपनी माताजी एवं छोटे भाई की मृत्यु पर भी नेत्रदान करवाया था।

गट्टानी बने कोषाध्यक्ष

उदयपुर. बाहुबली कॉलोनी विकास समिति के चुनाव में रोशनलाल गट्टानी को कोषाध्यक्ष चुना गया। वे इस पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

अभा भूतड़ा समिति ने मनाया 32वाँ समारोह

जोधपुर. अखिल भारतीय भूतड़ा समिति द्वारा प्रतिभाशाली भूतड़ा विद्यार्थियों तथा वरिष्ठ भूतड़ा बंधुओं का सम्मान समारोह गत 25 दिसंबर को श्री डूंगरिया महादेव मंदिर, सुरसागर रोड में आयोजित किया गया। इसमें 75 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष तथा 70 वर्ष से अधिक की महिलाओं को सम्मानित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए समिति सचिव सुरेश भूतड़ा ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष देवकिशन भूतड़ा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत महादेव मंदिर में अभिषेक के साथ हुई। मुख्य अतिथि बृजगोपाल भूतड़ा (जयपुर) तथा विशेष अतिथि मोहनलाल भूतड़ा (जोधपुर), अशोक भूतड़ा (औरंगाबाद), शंकरलाल भूतड़ा (सूरत) थे। समारोह में महिलाओं की एक मिनट, मिमिक्री, मेहंदी, मिस व मिसेस भूतड़ा प्रतियोगिता का आयोजन राजेंद्र भूतड़ा, नीलम भूतड़ा, श्रीमती आनंद भूतड़ा व टीम द्वारा किया गया। पुरुषों व बच्चों की भी विभिन्न स्पर्धाएँ करवाई गईं। मंचासीन अतिथियों द्वारा कुलदेवी खीवंज मातेश्वरी व श्री मोहनलाल मोदी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद समिति द्वारा मंचासीन अतिथियों का शॉल-श्रीफल व स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभावान विद्यार्थियों का प्रमाण-पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। समिति द्वारा वृद्धजनों के सम्मान के अंतर्गत शिवरतन, गोपीकिशन, शंकरलाल भूतड़ा सहित पुत्री जन्म पर माता-पिता तथा स्पर्धाओं के प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेताओं को स्मृति चिह्न से आनंद सोहन भूतड़ा की ओर से सम्मानित किया गया। सुबह व शाम को प्रसादी का आयोजन भी किया गया। संयोजक की जिम्मेदारी रमेश, मुकेश भूतड़ा व टीम ने निभाई।

> "दुनिया को आपके काम से मतलब है कम करने के तरीके से नहीं"

स्लोगन स्पर्धा में लाहोटी विजेता

नौखा. भारत सरकार की कैशलेस पेमेंट की अवधारणा के अंतर्गत भारतीयों डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिये नईदिल्ली नगर परिषद द्वारा स्लोग स्पर्धा आयोजित की गई। इसमें देशभर से ऑनलाइन प्रविष्टियां आमंत्रित की गईं। इसमें नौखा के राधेश्याम लाहोटी द्वारा लिखे गए स्लोग 'डिजिटल भुगतान-उभरते हुए भारत की पहचान' ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

> "जो रुककर फैसले लेता है, वो हमेशा जीत में रहता है।"

जगन्नाथपुरी में भी बनेगा सेवा सदन का भवन

पुष्कर. अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन (पुष्कर) की प्रबंधकारिणी की बैठक गत 5 मार्च को अध्यक्ष जुगलकिशोर बिड़ला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें समस्त पदाधिकारियों सहित प्रबंधकारिणी समिति सदस्यगणों, मार्गदर्शकों विशेष आमंत्रित सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही। बैठक में प्रथम बार आये मनोनीत सदस्यों का दुपट्टा ओढ़ाकर पदाधिकारियों द्वारा अभिनंदन किया गया। श्री बिड़ला ने विभिन्न भवनों की व्यवस्था के साथ ही केंद्रीय कार्यालय तथा नासिक भवन के निर्माण की शीघ्र शुरुआत की जानकारी दी। मंत्री कैलाश सोनी (जयपुर) के आग्रह पर मदन राठी (कटक) ने जगन्नाथपुरी में सेवा सदन की भवन निर्माण योजनान्तर्गत देखी गई जमीन की विस्तृत जानकारी सदन को देते हुए जमीन क्रय हेतु सदन से अनुरोध किया। सभी सदस्यों ने इस योजना हेतु करतल ध्वनि से स्वीकृति प्रदान की और जगन्नाथपुरी में माहेश्वरी समाज के एक भवन निर्माण की आधारशीला शीघ्र रखी जाने की स्वीकृति प्रदान की।

गट्टानी की स्वास्थ्य पर वार्ता

उदयपुर. सीनियर सिटीजन केयर चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गत 26 फरवरी को विज्ञान समिति में आयोजित सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुरलीधर गट्टानी ने अपक्वार सेवन से होने वाले लाभ पर अपनी वार्ता प्रस्तुत की। इसमें कई वरिष्ठजनों ने भाग लिया।

पंचायत बोर्ड के चुनाव सम्पन्न

ब्यावर. श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड के दो वर्ष के लिए चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी लालचंद मूंदड़ा व सुनील हरकुट ने बताया कि अध्यक्ष सत्यनारायण हेड़ा, उपाध्यक्ष-विष्णु गोपाल हेड़ा, मंत्री दिलीपकुमार जाजू, उपमंत्री सत्यनरायण तापड़िया, कोषाध्यक्ष सुरेश लोहिया व प्रबंध कारिणी सदस्य चुने गये।

महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

हैदाराबाद. राजस्थानी महिला संगठन असमियां बाजार के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें सुमन लोया अध्यक्ष, संगीता बियाणी मंत्री, संगीता मालाणी कोषाध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष सुधा लाहोटी, सहमंत्री किरण राठी, सहकोषाध्यक्ष भाग्यश्री भट्टड़ व परामर्शदाता उमा तोतला चुनी गईं।

पंचम माहेश्वरी सामूहिक विवाहोत्सव सम्पन्न

जलगाँव. श्री जलगाँव माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति जलगाँव जिला माहेश्वरी सभा एवं श्री साईं सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट पालधी द्वारा पंचम माहेश्वरी सामूहिक विवाहोत्सव गत 9 फरवरी को मणियार ग्राउंड रिंग रोड में आयोजित किया गया। इसमें 10 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर करीब 3500-4000 समाजजन उपस्थित थे। विशेष अतिथि नितिन लड्ढा महापौर जलगांव, मधुसूदन गांधी अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा, मनीष मालपानी संगमनेर तथ अरविंद लाठी अध्यक्ष ईस्ट खांदेश एजुकेशन सोसायटी जलगांव थे। इसमें संस्थापक अध्यक्ष बालकृष्ण बेहेड़े, अध्यक्ष श्यामसुदंर झँवर, सचिव सूरजमल सोमाणी, जिला सभा अध्यक्ष मनीष झँवर, साईं सेवा चेरिटेबल प्रकल्प प्रमुख डॉ. जगदीश लड्ढा, सहप्रकल्प प्रमुख प्रमोद झँवर, जगदीश जोखटे, प्रबंधक वासुदेव बेहेड़े, सुनील झँवर सहित समस्त सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

बारीपदा. श्री सत्यनारायण मंदिर बारीपदा में मयूरभंज जिला माहेश्वरी सभा का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ। इसमें सभापति नरसिंगदास भट्टड़, उपसभापति बजरंगलाल लढ़ा, सचिव बाबूलाल करनाणी, सहसचिव मनोजकुमार भट्टड़, कोषाध्यक्ष रमेश करनाणी, संगठन मंत्री ओमप्रकाश पेड़ीवाल, अखिल भारतीय कार्यकारिणी मंडल सदस्य कमलकिशोर करनाणी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य माणकलाल भट्टड़, जयकिशन भट्टड़ कादम्बरी, केदारनाथ सारड़ा उदला, मांगीलाल लढ़ा, लालचंद भट्टड़ चुने गए।

शीतल जल सेवा में योगदान

जोधपुर. स्थानीय कचहरी परिसर राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में गत 7-8 वर्षों से आम जन के लिए ठंडे जल की सेवा पूरे वर्ष कैलाशचंद्र भूतड़ा व जितेंद्रकुमार बाहेती द्वारा निःस्वार्थ भाव से संचालित की जा रही है। इस पेयजल की सुविधा में प्रतिदिन ठंडे पानी के निजी कैम्पर प्रयोग में लिये जाते हैं। इसमें सरकार का किसी प्रकार का सहयोग नहीं रहता है।

> जो लोग दूसरों को अपनी खुशियों में शामिल करते हैं, खुशियाँ सबसे पहले उनके अपने दरवाजें पर दस्तक देती हैं।

विश्व महिला दिवस का हुआ आयोजन

जयपुर. पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन एवं जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के भैरोसिंह शेखावत हॉल में विश्व महिला दिवस समारोह मनाया गया। प्रादेशिक महिला संगठन की अध्यक्ष सविता पटवारी ने बताया कि इस अवसर पर जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रीय संगठनों की महिलाओं ने हास्यमय नाटक एवं सुंदर नृत्य नाटिकाएँ प्रस्तुत की। श्रेष्ठ लेखों हेतु 7 महिलाओं को प्रादेशिक स्तर पर पुरस्कृत किया गया। प्रादेशिक संगठन की मंत्री सुमन राठी के अनुसार महिला दिवस के अवसर पर 2 सशक्त महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन की उपाध्यक्ष सविता राठी ने किया।

साबू को मानवीय सेवा सम्मान

इंदौर. इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 323जी 1 द्वारा अपने शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत गत 11 मार्च को रवींद्र नाट्यगृह में इंदौर शहर की ख्याति प्राप्त निःस्वार्थ सेवा विभूतियों का सम्मान किया गया। लायंस के इस मानवीय सेवा सम्मान में इंदौर के मेयर, कमिश्नर एवं पद्मश्री जैसे ख्याति प्राप्त लोगों के साथ माहेश्वरी समाज के विगत कई वर्षों से गरीब व असहाय मरीजों की सेवा में संलग्न समाजसेवी राधेश्याम साबू को भी सम्मानित किया गया।

बूब बने पश्चिमी राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष

जोधपुर. चुनाव अधिकारी सुभाष भंडारी एवं उनकी टीम द्वारा पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न करवाए गए। इसमें जेएम बूब को प्रदेशाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। अध्यक्ष श्री बूब द्वारा अपनी कार्यसमिति में सीताराम राठी तथा सुभाष भंडारी को उपाध्यक्ष, भगवानदास राठी को मंत्री, रमेश डांगरा को संयुक्त मंत्री, नंदकिशोर जैथलिया व अनिलकुमार राठी को सहमंत्री, चंद्रप्रकाश सारडा को संगठन मंत्री, मुरलीधर सोनी को अर्थमंत्री चयनित किया गया।

प्रोफेशनल थीम पर मनाया महिला दिवस

हैदराबाद. राजस्थानी महिला संगठन असमियां बाजार द्वारा महिला दिवस मनाया गया। संगठन अध्यक्ष सुमन लोया, मंत्री संगीता बियाणी व परामर्शदाता उमा तोतला ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संयोजक श्वेता बजाज व सुनीता तापड़िया थीं। कार्यक्रम की प्रोफेशनल थीम रखी गई। जिसमें महिलाएं डॉक्टर, वकील, जज, मास्टर शेफ, सैनिक, सुषमा स्वराज, ज्योतिष, आयुर्वेद डॉक्टर, उषा उत्तप, लता मंगेशकर, हिंदी टीचर आदि किरदारों के रूप में शामिल हुईं। महिलाओं के सिर पर ताज रखकर सम्मानित किया गया।

मानधणे को महाराष्ट्र नारी रत्न सम्मान

मालेगाँव (वाशिम). विश्व महिला दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी युवा मंच की स्थानीय शाखा द्वारा ख्यात समाजसेवी ममता श्याम मानधणे को 'महाराष्ट्र नारी रत्न 2017' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रकल्प प्रमुख आनंद गट्टानी ने डॉ. मानधणे के सेवाकार्यों पर प्रकाश डाला। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष अभिषेक मूंदड़ा, आनंद गट्टानी, कृष्णा जाजू, सौरभ डागा, संदीप जाजू, महेश मालपाणी, डॉ. श्याम मानधणे, किशन मानधणे, बसंताबाई मानधणे, मिथिलेश मानधणे आदि मौजूद थे।

माहेश्वरी बने सचिव

उदयपुर. एमडीएम स्कूल एजुकेशन सोसायटी के त्रिवार्षिक चुनाव में दिलीप माहेश्वरी (गट्टानी) सचिव निर्वाचित किये गये। डॉ. शैलेंद्र सोमानी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। ट्रस्टी डॉ. रमेश सोमानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

"समय की एक बड़ी खोज यह है कि इंसान अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाकर अपने भविष्य को सुनहरा बना सकता है।"

आत्मनिर्भरता के लिए बांटी सिलाई मशीनें

हैदराबाद. माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के महिला विभाग ने जरूरतमंद महिलाओं को बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में यशोदादेवी नारायणदास असावा परिवार चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से तीन सिलाई मशीनें बांटी। अध्यक्ष शकुंतला नावंदर व मंत्री संतोष भंडारी ने बताया कि महिलाओं के स्वालंबन के लिए हर माह ऐसे आयोजन किए जाते हैं। पुष्पा बूब, सावित्री दरक, पद्मा बजाज, गीता मालपाणी, प्रेमलता तापड़िया, शोभा तोषनीवाल, उमा सोमानी, सुशीला बजाज, डॉ. शोभा, निर्मला बजाज, अनुराधा नावंदर आदि सदस्याएं मौजूद थीं।

माहेश्वरी मंडल के चुनाव सम्पन्न

राठ (हमीरपुर). जिला माहेश्वरी मंडल राठ के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। अध्यक्ष सुरेंद्रसिंह जांवधिया, मंत्री कुंजबिहारी चांडक, कोषाध्यक्ष-रोहित जांवधिया, संगठन मंत्री ध्रुव माहेश्वरी, उपमंत्री नीलेश माहेश्वरी मनोनीत किए गए।

मातृशक्ति का किया सम्मान

उज्जैन. श्री माहश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृ शक्ति का सम्मान किया गया। संस्था अध्यक्ष पुष्पा मंत्री एवं सचिव संगीता भूतड़ा ने बताया कि जब से महिला मंडल संस्था की स्थापना हुई तभी से तेजूदेवी तोषनीवाल, ललिता बाहेती, सुधा बाहेती ने महिला मंडल को सुचारु रूप से चलाने के लिये लगभग 35 वर्ष तक अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। महिला मंडल द्वारा ऐसी वरिष्ठ समाजसेवी महिलाओं का उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिये महिला दिवस पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर हेमलता गाँधी, संतोष सोडानी, लीला लोया, शांता मंडोवरा, शोभा मूंदड़ा, मनीषा राठी, आरती राठी, शांता सोडानी, रुखमणि भूतड़ा, मनोरमा मंडोवरा, कला पलौड़, रेखा मंत्री, सुभद्रा भूतड़ा, उषा सोडानी आदि मौजूद थीं।

सिकची की 11वीं पुस्तक प्रकाशित

चेन्नई. डॉ. शरद रामदेव सिकची पिछले 25 वर्षों से चेन्नई में सावकारपेठ ऐलीफेंट गेट के पास मेडिकल प्रैक्टिस करते हैं। वो जनरल फीजिशियन व पेट संबंधी बीमारियों के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने भारत की पहली स्वास्थ्य दर्शिका, चेन्नई की पहली मेडिकल टूरिज्म गाइड व डायबिटीज, हार्ट, कैंसर व पेट संबंधी बीमारियाँ, शाकाहार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर किताब लिखी है। उन्हें 2003 में भूतपूर्व केंद्रीय मंत्री द्वारा राजस्थान गौरव पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया है। साथ ही साथ अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में पुदुचेरी के राज्यपाल कटारियाजी ने उन्हें सम्मानित किया है। हाल ही में उन्हें टेम्पा लिम्ब्रा एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस उनकी 11वीं पुस्तक शीघ्र ही प्रकाशित हो रही है।

एड्स पीड़ित की सहायता की

सूरत. गत 8 मार्च महिला दिवस के उपलक्ष्य में सुगंधा समिति ग्रामीण विकास के अंतर्गत सूरत से 40 किमी दूर अम्बोली गांव में एड्स पीड़ित लड़कियों के लिए आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। इसी संस्था द्वारा गत 6 मार्च को फाग उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें 50 वर्ष उम्र वाली कार्यकारिणी की सभी सदस्याओं ने प्रस्तुति दी।

धूत स्मारक व्याख्यान का हुआ आयोजन

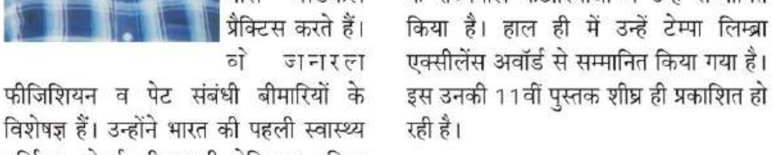

काचीगुड़ा. कोत्तूर सीतैय्या सभागृह में राजस्थानी स्थानक संघ द्वारा 31वें श्रीरामकृष्ण धूत स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसे अनिल बोकिल, ओमप्रकाश अग्रवाल, डॉ. रामदेव भूतड़ा, प्रदीप चांडक आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक विनोदकुमार बंग और आभार प्रदर्शन मंत्री प्रदीप चांडक ने माना। कार्यक्रम में आरजीए के कोषाध्यक्ष नंदकिशोर बाहेती, डॉ. आरएम साबू, सोहनलाल कड़ेल, सुरेश गुप्ता, हरिनारायण राठी, नंदगोपाल भट्टड़, मुरलीधर पलौड़, श्यामसुंदर मूंदड़ा आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

"ऐ बुरे वक्त जरा तेज चल..
देख उस मोड़ को
वहां से तू बदलने वाला है।"

फ्रेंड्स ग्रुप की बैठक सम्पन्न

इंदौर. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप की दूसरी साधारण सभा फाग उत्सव एवं हास्य कवि सम्मेलन के आयोजित हुई। संस्था अध्यक्ष नारायणदास श्यामा माहेश्वरी, सचिव दिनेश विनीता जेठलिया और पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने ग्रुप के सभी सदस्यों का चंदन का तिलक एवं गुलाल लगाकर स्वागत किया। प्रचार मंत्री सम्पतकुमार राधा साबू ने बताया कि माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप में 145 सदस्यों को आईना किताब व कैलेंडर वितरित किया। हास्य कवि सम्मेलन के सूत्रधार कवि श्यामसुंदर पलोड़ थे। कार्यक्रम के संयोजक प्रकाश शकुंतला धूत एवं रामचंद आनंदी काकानी थे। सुरेश जमना राठी, गोविंद उषा राठी, जगदीश-प्रमिला भूतड़ा, ओमप्रकाश शशि सोमानी, रमेशचंद्र सावित्री राठी, सुरेश-गीता मंडोवरा आदि उपस्थित थे। आभार सचिव दिनेश-विनीता जेठलिया ने माना।

पूर्व उप्र सभा की बैठक सम्पन्न

लखनऊ. पूर्वी उप्र माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल एवं कार्यसमिति की बैठक अविनाश सुखानी के निवास पर सम्पन्न हुई। इसमें स्थानीय चुनाव होने के कारण बहराइच, गोंडा, प्रयागपुर, बस्ती आदि स्थलों से कार्यकारी मंडल के सदस्य उपस्थित न हो सके। शेष स्थानों से माहेश्वरी बंधु उपस्थित थे। इसमें कार्यकारी मंडल में सदस्यों, पदाधिकारियों की सदस्यता शुल्क का पुनः निर्धारण किया गया। विदेश यात्रा के संबंध में यह निर्णय लिया गया कि तीन-चार दिन का कार्यक्रम नेपाल भ्रमण तथा पशुपतिनाथ के दर्शन हेतु रखा जाय। माहेश्वरी मंडल प्रयाग इलाहबाद के प्रयास से उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायाधीश विवेक बिड़ला का पूर्व उप्र माहेश्वरी सभा द्वारा सम्मान किया गया।

छग युवा संगठन की बैठक सम्पन्न

बालोद. छत्तीसगढ़ माहेश्वरी युवा संगठन की प्रदेशस्तरीय बैठक बालोद में आयोजित की गई। इसमें प्रदेशभर के युवाओं ने नई उड़ान के लिए संकल्प लिया। प्रदेशाध्यक्ष्ज्ञ राजेश मंत्री ने नई उड़ान के शीर्षक को समझाया। कार्यक्रम में मोहनलाल राठी, उपसभापति अभा माहेश्वरी सभा, विट्ठलदास भूतड़ा, अध्यक्ष माहेश्वरी सभा, पुरुषोत्तम राठी, योगेश चांडक, वल्लभ लाहोटी, अजय राठी, सुरेश मूंदड़ा, राकेश झँवर, विजय राठी, स्वराज लड्ढा आदि युवा साथी मौजूद थे। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के उत्पत्तिकर्ता भगवान महेश की वंदना की लांचिग की गई। महेश जल सेवा की भी लांचिग की गई। इसमें हर स्थानीय संगठन अपने-अपने शहरों व गांवों में महेश जल सेवा शुरुआत करेगा। कार्यक्रम में टॉक शो 'जीत जनून' को मुंबई के मशहूर ट्रेनर जेपी काबरा ने संबोधित किया।

अडाजन सभा के चुनाव सम्पन्न

सूरत. जिला माहेश्वरी सभा के अंतर्गत अडासन रांडे माहेश्वरी सभा के चुनाव निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष रामसहाय सोनी एवं सचिव पद पर सुनील माहेश्वरी निर्वाचित हुए। इसके साथ ही संरक्षक भेरूलाल झँवर, उपाध्यक्ष जानकीलाल मंडोवरा व ओमप्रकाश देवपुरा, सह-सचिव सुनील जागेटिया, संगठन मंत्री कैलाश धूत एवं कोषाध्यक्ष नरेंद्र राठी चुने गये।

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव का अभिनंदन

हैदराबाद. बशीरबाग स्थित जाखोटिया निवास पर हाल के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर आयोजित विशेष पूजा में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव मुरलीधर राव भी शामिल हुए। उनका अभिनंदन रमेशकुमार बंग, ओमप्रकाश जाखोटिया, लता जाखोटिया, नंदकिशोर हेड़ा, रामप्रकाश भंडारी, बृजगोपाल असावा, गोविंद राठी, कमलकिशोर हरकुट, नटवर डागा आदि ने किया।

बाहेती ने अपने विद्यालय को दी भेंट

हुरड़ा. सूरत निवासी व वर्तमान भीलवाड़ा में निवासरत महेश बाहेती ने 70 पंखे और 50 पानी की 20 लीटर वाली कैन आदि सामग्री नवोदय विद्यालय हुरडा को प्राचार्य की उपस्थिति में भेंट की। उल्लेखनीय है कि श्री बाहेती इस स्कूल के पूर्व छात्र हैं। पूर्व छात्र मानवेंद्र कुमावत, धर्मेश वैष्णव, आदि मौजूद थे।

भूतड़ा व लाहोटी का अभिनंदन

कुचमान सिटी. मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा सरला बिड़ला कल्याण मंडपम में आयोजित होली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह में समाज के विशिष्ट लोगों का अभिनंदन किया। प्रदेश मंत्री रंगनाथ काबरा ने बताया कि भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, जयपुर नगर निगम के मेयर अशोक लाहोटी, माहेश्वरी महासभा के संयुक्त मंत्री पश्चिमांचल श्यामसुंदर मंत्री, अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के मंत्री भगवान बंग एवं कुचामन नपा चेयरमैन राधेश्याम गट्टाणी का पुष्पाहार, शॉल, साफा और अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया। कुचामन माहेश्वरी सभा को भी सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। प्रदेशाध्यक्ष गोपाललाल काबरा सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

मरूधरा संस्थान के चुनाव सम्पन्न

भीलवाड़ा. मरूधरा माहेश्वरी संस्थान द्वारा होली स्नेह मिलन कार्यक्रम रखा गया। इसके साथ-साथ अगले दो वर्षों के लिए अध्यक्ष का चुनाव भी हुआ। इसमें चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश काकाणी ने नंदकिशोर झँवर को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। वर्तमान अध्यक्ष गजानंद बजाज, सचिव राकेश काबरा, कोषाध्यक्ष महेश जाजू आदि ने माला पहनाकर गुलाल लगाकर बधाइयां दीं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष नंदकिशोर झँवर ने संस्थान के विकास के लिए सर्वप्रथम भवन बनने पर जोर दिया। महिला मंडल की ओर से अध्यक्ष रेणु राठी, सचिव आशा बिहानी सहित कई सदस्याएँ मौजूद थीं।

घोंसलों का निःशुल्क वितरण किया

भीलवाड़ा. संकटग्रस्त गौरेया सहित अन्य प्रजातियों की चिड़ियाओं की संख्या बढ़ाने व संरक्षण प्रदान करने को ध्यान में रखते हुए भीलवाड़ा कलेक्टर महावीरप्रसाद शर्मा के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर पीपुल फॉर एनीमल्स व आकृति कला संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में चिड़ियाओं के घोंसलों का निःशुल्क वितरण किया गया। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण, बिजली के खुले तारों, बड़े पेड़ों व खुले घरों की कमी व ध्वनि व वायु प्रदूषण के चलते घरेलू चिड़िया, गौरेया की संख्या मात्र 15 प्रतिशत रह गई है। दूसरी प्रजातियों की चिड़ियाओं की संख्या भी काफी कम हुई है। आकृति कला संस्थान सचिव कैलाश पालिया, रमा पचीसिया, दीपिका पाराशर, पीएफए के गुमानसिंह पीपाड़ा, विद्यासागर सुराणा आदि मौजूद थे।

पीजी सेंटर में मानधना

हैदराबाद. बद्रुका कॉलेज पोस्ट ग्रेजुएट सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम स्पेशल 2 के 17 को महेश बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधना ने संबोधित किया। इस अवसर पर उपस्थित बद्रुका एजुकेशनल सोसायटी के महानिदेशक प्रो. गंगाधर, सचिव डॉ. जीएस रावत एवं अन्य उपस्थित थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया

तिल्दानेवरा. माहेश्वरी समाज एवं माहेश्वरी मंडल तिल्दानेवरा द्वारा गत 26 फरवरी को सांस्कृतिक भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाई वितरण शिविर का आयोजन हुआ। इसमें विशेष रूप से डॉ. रमेश भट्टर (बिसालपुर जिलाध्यक्ष), द्वारिका गांधी (अध्यक्ष माहेश्वरी समाज नेवरा), कैलाश गांधी (अध्यक्ष युवा संगठन), कपिल भट्टड़ (सचिव) एवं पूरी टीम का विशेष योगदान रहा। शिविर में कुल 1050 मरीजों का इलाज कर दवा वितरित की गई। कुल 210 लोगों की रक्त जांच की गई, 21 लोगों की ऑडियो मेट्री द्वारा कान की जांच की गई। शिविर में निःशुल्क हियरिंग केयर सेंटर रायपुर की सुषमा साहू द्वारा की गई। शिविर का उद्घाटन डॉ. एम.एल. राठी एवं डॉ. अशोक भट्टर के कर कमलों से सम्पन्न हुआ।

फ्रेंड्स ग्रुप की कार्यकारिणी ने ली शपथ

इंदौर. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप के चतुर्थ सत्र का शपथ विधि समारोह गत दिनों सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि राजेंद्रकुमार-राजकुमारी ईनानी (बागली) अध्यक्ष पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा एवं कल्याणमल-शांता मंत्री अध्यक्ष इंदौर जिला माहेश्वरी समाज थे। श्री इनानी ने नवनियुक्त अध्यक्ष नारायणदास-श्यामा माहेश्वरी एवं सचिव दिनेश-विनीता जेठलिया के नेतृत्व में पदाधिकारी दंपतियों को पद की शपथ दिलाई। इसके पश्चात कल्याणमल मंत्री ने कार्यकारिणी सदस्य दंपत्ति को शपथ दिलाई। निवर्तमान अध्यक्ष ओम-शशि सोमानी ने संस्था अध्यक्ष की पिन नारायणदास-श्यामा माहेश्वरी को लगाकर अपना कार्यभार सौंपा। उपरोक्त जानकारी देते हुए संपतकुमार-राधा साबू ने बताया कि कार्यक्रम में सुरेश-जमना राठी, गोविंद-उषा राठी, जगदीश-प्रमिला भूतड़ा इत्यादि उपस्थित थे। अंत में सचिव दिनेश-विनीता जेठलिया ने आभार व्यक्त किया।

माँ की स्मृति में फर्नीचर भेंट

भौंरासा. शासकीय कन्या उ.मा.वि भौंरासा में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेंद्र यादव अध्यक्ष प्रतिनिधि नगर पंचायत भौंरासा व उपाध्यक्ष जीनसिंह ठाकुर आदि थे। संस्था प्राचार्य सुधीरकुमार सोमानी ने इस अवसर पर अपनी माता स्व. श्रीमती रजनी सोमानी की स्मृति में छात्राओं के लिए 25 सेट फर्नीचर भेंट किए।

समाज हित में करें प्रतिभा का उपयोग

बीकानेर. हर व्यक्ति में कोई-न-कोई प्रतिभा छिपी रहती है। उस प्रतिभा का सदुपयोग यदि समाज हित में किया जाए तो आने वाले समय में एक समृद्ध और सुदृढ़ समाज के रूप में माहेश्वरी समाज की पहचान होगी। उक्त विचार अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सोनी ने व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक बीकानेर सभा के जिला मंत्री नारायणदास दम्माणी ने बताया कि सभापति श्याम सोनी सुबह 9.15 बजे रेलमार्ग से बीकानेर आए और अपने अल्प प्रवास में भी कार्यक्रम का हिस्सा बने। श्री दम्माणी ने बताया कि इस अवसर पर महासभा के पूर्व जिलाध्यक्ष मोहनलाल चांडक, प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टाणी तथा अखिल भारतीय पुष्कर सेवा सदन के उपाध्यक्ष मुरलीधर झँवर मंचासीन थे। जिला मंत्री नारायणदास दम्माणी ने बताया कि आगंतुकों का माहेश्वरी सभा के पूर्व शहर अध्यक्ष किसनकुमार दम्माणी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बीकानेर जिलाध्यक्ष रामेश्वरी भूतड़ा, युवा संगठन अध्यक्ष जुगल राठी, करणी उद्योग अध्यक्ष महेश कोठारी, बीके स्कूल अध्यक्ष बृजमोहन चांडक, पार्षद श्यामसुंदर चांडक, श्रीराम सिंघी, मदन चांडक, किशनगोपाल सोमानी, याज्ञवल्क दम्माणी, महेश चांडक, नारायण दादा, ओम करनाणी, अशोक बागड़ी, पवन राठी, सुरेश दम्माणी, मनोहर सोनी, अजय दम्माणी, जगदीश कोठारी, मनमोहन कल्याणी आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारियों का स्वागत

बारीपदा. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सचिव संदीप काबरा, उपसभापति-पूर्वांचल रमेश तापड़ीया, उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सभापति लालचंद मोहता एवं संगठन मंत्री घनश्याम पेड़ीवाल भ्रमण के दौरान बारीपदा आए। इस अवसर पर मयूरभंज जिला माहेश्वरी सभा के सभापति कमलकिशोर करनानी के निवास पर स्वागत सभा का आयोजन किया गया। जिला सचिव श्रीकुमार लड्ढा सहित सभी सदस्यों ने आंगतुकों का स्वागत कर समाजहित पर चर्चा की।

> "इंसान मायूस और परेशान इसलिए होता है, क्योंकि वो अपने रब को राजी करने के बजाये लोगो को राजी करने मे लगा रहता है।"

नवनिर्वाचित सभापति काल्या का किया स्वागत

हुरड़ा. तहसील माहेश्वरी समाज द्वारा युवा संगठन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या का सम्मान समारोह महेश भवन हुरड़ा में आयोजित किया गया। मनोज तोषनीवाल ने बताया कि श्री काल्या को चारभुजा मंदिर गुलाबपुरा से मुख्य मार्गों से होते हुए महेश भवन हुरड़ा जुलूस के रूप में लाया गया। यहाँ भव्य आतिशबाजी के साथ उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर अभा माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, उपसभापति देवकरण गग्गड़, प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, जिलाध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी, पुष्कर सेवा समिति उपाध्यक्ष कैलाशचंद्र मूंदड़ा, भीलवाड़ा नगर अध्यक्ष केदारमल जागेटिया, पूर्व जिला मंत्री कृष्णगोपाल जाखेटिया, प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष सीपी नामधरानी, चित्तौड़ जिला युवा संगठन अध्यक्ष प्रदीप लड्ढा, पूर्व प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष लोकेश आगाल, सुरेश कचौलिया, राजेंद्र कचौलिया, अनिल बांगड़, पूर्व विधायक किशनगोपाल कोगटा, संजय राठी सहित हुरड़ा तहसील व विजयनगर के कई समाजजन मौजूद थे। तहसील अध्यक्ष जानकीलाल राठी ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन महावीर सोनी व शिवकुमार काष्ट ने किया। आभार पुरुषोत्तम नवाल ने माना। कार्यक्रम में सत्यनारायण सोमानी, रामपाल काबरा, रामगोपाल लड्ढा, महावीरप्रसाद अजमेरा, राजेंद्र बजाज, कृष्णगोपाल लड्ढा, कृष्णकुमार गग्गड़, अरविंद सोमानी, कृष्णगोपाल कोगटा, शिवप्रसाद लड्ढा, रामेश्वरलाल डाड, मोहनलाल काबरा, श्याम लड्ढा, महेंद्र सोनी, कन्हैयालाल सोनी, बालकिशन काल्या, दिनेश तोषनीवाल, महादेव मूंदड़ा, रामनिवास जाजू, राधेश्याम काष्ट आदि समाजजनों का सहयोग रहा।

राष्ट्रीय फिल्म निगम से मालपाणी सम्मानित

अमरावती. गांधी जयंती पर राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत फिल्म प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें नारायणचंद ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्था मीडिया मैट्रिक्स फिल्म अकादमी की संचालिका व कवयित्री कविता मालपाणी रचित (शहर हमारा...) गीत को प्रोत्साहन अवॉर्ड से नवाजा गया। मीडिया मैट्रिक्स के छात्रों ने स्वच्छता अभियान पर एक ऑडियो विजुअल गीत तैयार किया था। इसे ८-९ वर्ष के स्थानीय बाल कलाकारों ने गाया व अभिनित किया। इसकी शूटिंग, एडीटिंग, साउंड रिकॉर्डिंग छात्रों द्वारा की गयी। नन्हे-नन्हे बच्चों ने गीत गाकर अभिनय किया। पूर्व में मीडिया मैट्रिक्स द्वारा कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म समारोह तथा पुणे शॉर्ट फिल्म महोत्सव में अनेक फिल्में भी प्रदर्शित की जा चुकी हैं। श्रीमती मालपाणी विदर्भ के ख्यात सेवाभावी स्व. श्री जगन्नाथ मालपाणी की पौत्रवधू, स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री शरदचंद-रुखमणि मालपाणी की बहू तथा छतीसगढ़के युगपुरुष गौसेवक झूमरलाल टावरी व अखिल भारतीय माहेश्वरी संगठन की स्व. श्रीमती रुखमणिदेवी टावरी की सुपुत्री हैं।

सेवा शिविर का हुआ आयोजन

औरंगाबाद. सकाल मारवाड़ी युवा मंच द्वारा गत 26 फरवरी को सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पासपोर्ट, विवाह प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, लर्निंग लाइसेंस आदि बनाये गये। इस अवसर पर नोटरी, फोटोग्राफर, डीटीपी ऑपरेटर, स्टाम्प वेंडर, जिराक्स मशीन तथा फ्री फूड काउंटर आदि की व्यवस्था की गई। इसके लिए 1500 लोगों ने पंजीयन करवाया था। शिविर का शुभारंभ डॉ. पुरुषोत्तम दरक व डॉ. सुशीला भरूका ने किया। महावीर पाटनी, संतोष वर्मा, मनीषा भंडारी, माधवी करवा, रेखा मालपानी, संजय मंत्री आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक आशीष मेहता, दीपक लोहिया, निखिल मित्तल व उनकी टीम थी।

आचार्य सम्मान और मातृ-पितृ पूजन

अमरावती. दूनी ग्राम के प्रसिद्ध जाटू बाबा मंदिर में आचार्य सम्मान एवं मातृ-पितृ पूजन का कार्यक्रम अमरावती वनबंधु महिला समिति एवं विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त प्रयास से रखा गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष उषा करवा, सचिव आशा लड्ढा, संरक्षिका अनुराधा वहाड़े, स्वास्थ्य समिति प्रमुख जयश्री पनपालिया, वैशाली गुल्हाने आदि मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से वनफूल प्रदान कर किया गया। तत्पश्चात एकल विद्यालय के समर्पित कार्यकर्ता एवं विदर्भ प्रमुख देवीदास येवले के फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। सम्मान कार्यक्रम के तहत सभी 90 पुरुष आचार्यों का कुर्ता-पजामा-शॉल एवं 30 महिला आचार्यों का साड़ियाँ भेंटकर सत्कार किया गया। कांता बंग, प्रभा राठी, स्नेहा मूंदड़ा, आशा भट्टड़, स्मिता सिकची, आशा लाहोटी, सीमा भूतड़ा, अरुणा वोरा, निर्मला भूत, सरिता सोनी, सरला जाजू आदि का सहयोग रहा।

> सब्र एक ऐसी सवारी है
> जो सवार को कभी
> गिरने नहीं देती

बड़ी बहन ने दी छोटी बहन को मुखाग्नि

बूंदी. छोटी काशी के नाम से विख्यात बूंदी शहर में गत 3 मार्च को छोटी बहन के देहांत पर बड़ी बहन ने मुखाग्नि दी और मिसाल कायम की। इससे पहले भी 2014 में पिता के देहांत पर चित्रा माहेश्वरी ने बेटे का धर्म निभाया था। पिता को कांधा ही नहीं बल्कि मुखाग्नि भी दी थी। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व कार्यकारी मंडल सदस्य संजय लाठी ने बताया कि झालावाड़ जिले के दहीखेड़ा निवासी वैद्य नरेंद्रकुमार बांगड़ का 18 मार्च 2014 को देहांत हुआ था। 02 मार्च 2017 को चित्रा की 29 वर्षीय छोटी बहन गोलू बांगड़ (प्रियंका) का देहांत हो गया। परिवार में सगा भाई नहीं होने के कारण 3 मार्च को चित्रा ने ही अंतिम संस्कार किया। उसने बहन को कांधा भी दिया व अर्थी के आगे अग्नि लेकर चली और बाद में रोटरी मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार की सारी रस्में पूरी की। यह दृश्य देखकर मुक्तिधाम में मौजूद लोगो की आँखे भर आईं। सभी ने चित्रा की इस मिसाल की प्रशंसा की। उन्होंने इसे समाज के लिये बालिकाओं के प्रति भेदभाव समाप्त करने और बेटियों को आगे बढ़ाने में प्रेरणास्पद बताया। पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष बालकृष्ण बांगड़, श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. के सचिव विनोद मंत्री, कोषाध्यक्ष नवरत्न बील्या, व्यवस्थापक परमेश्वर मंडोवरा, जिला युवा संगठन अध्यक्ष अनंत तोषनीवाल, महामंत्री रितेश मंडोवरा, जिला वैश्य महासम्मेलन युवा शाखा अध्यक्ष राजेश न्याती, महेश युवा मंडल के पूर्व अध्यक्ष नरेश लाठी आदि मौजूद थे।

मंदिर में करवाएंगे 40 लाख रुपए के निर्माण

गोटन. निकटवर्ती टूंकलिया गांव स्थित बीसहथ माता मंदिर परिसर में माहेश्वरी समाज की आमसभा का आयोजन माहेश्वरी (हुरकट) समाज के रामेश्वरीदेवी शंकरलाल हुरकट चैरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई के तत्वावधान में हुआ। मैनेजिंग ट्रस्टी रामविलास हुरकट ने लगभग 200 समाजबंधुओं के सान्निध्य में बीसहथ माता मंदिर में निर्माण कार्यों के तहत 5 कमरे एवं 1 बड़ा हॉल निर्माण के लिए बोलियां लगाईं। इसमें 40 लाख रुपए की राशि की घोषणा हुई। मुख्य अतिथि झूमरमल तोषिना के सान्निध्य में माहेश्वरी समाज के विभिन्न प्रांतों से आए नागरिकों ने भाग लिया व सवामणी का आयोजन किया गया। गांव के राजपुरोहित व प्रजापत समाज ने माहेश्वरी समाज का इस कार्य के लिए आभार जताया।

महिला मंडल ने किया थीम पार्टी का आयोजन

इन्दौर. श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 007 थीम पार्टी का आयोजन होटल जलपान में किया। इसमें नीलम-भरत सारडा का अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला ग्रामीण विकास संयोजिका बनने पर सम्मान किया गया। मंडल सचिव शिवानी मूंदड़ा ने बताया कि सदस्यों को चार टीमों में विभाजित कर गेम खिलाए गए जिसमें टीम धर्मचंद विजेता रही! कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी कमेटी का भरपूर सहयोग रहा।

> "कभी तुम दूसरों के लिए
> दिल से दुआ मांगकर देखो
> तुम्हे अपने लिए मांगने की
> जरूरत नहीं पड़ेगी"

मकर संक्रांति पर मानव सेवा

आगरा. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में मकर संक्रांति का पर्व कुष्ठ रोग शाला में मनाया गया। सदस्याओं ने उन रोगियों को देने के लिये खाद्य सामग्री, बिस्कुट, नमकीन, गजक, टोस्ट, ब्रेड, साग-पूड़ी, फल इत्यादि ले जाकर वहाँ मौजूद 56 महिला, 44 पुरुष व 22 बच्चों को वितरित किया। उनसे उनके खाने-पीने व इलाज के विषय में बात की गयी। रोगियों ने बताया कि अब तो यहाँ डॉक्टर बराबर इलाज करती है। दवाइयाँ भी दी जाती हैं। यदि इसका पूरा इलाज कराया जाए तो मरीज ठीक हो जाता है। अध्यक्ष कुसुम सांवल के नेतृत्व में संस्था की कई सदस्याएँ व अन्य महिलाएँ इस सेवा के दौरान उपस्थित थीं।

आध्यात्मिक ज्ञान अर्जन कार्यक्रम सम्पन्न

आगरा. स्थानीय माहेश्वरी मंडल के तत्वावधान में आध्यात्मिक ज्ञान अर्जन कार्यक्रम सदर स्थित बिहारीजी के मंदिर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की सुचिता आध्यात्म समिति की प्रभारी कलावती जाजू ने मार्गदर्शन दिया। आगरा की चंद्रावली सांवल व शोभा गाँधी आदि ने भी विचार व्यक्त किये। शोभा गांधी इस अवसर पर आध्यात्मिक समिति की संयोजिका नियुक्त की गईं। अंत में आभार अध्यक्ष कुसुम सांवल ने माना।

सभापति सोनी का किया स्वागत

हैदराबाद. अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के नवनियुक्त सभापति श्यामसुंदर सोनी का नगरागमन पर स्वागत किया गया। कार्यभार संभालने के बाद पहली बार हैदराबाद आये श्री सोनी ने यहाँ महेश बैंक के सेवन हिल्स और महेश फाउंडेशन के कार्यालयों का दौरा किया। इन कार्यालयों में उन्होंने न केवल महासभा की गतिविधियों के बारे में बताया, बल्कि भावी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। उनका अभिनंदन करते हुए बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा ने उन्हें बैंक की प्रगति की जानकारी दी।

श्री सोनी के साथ महासभा के उत्तरांचल के पूर्व उपाध्यक्ष दिल्ली निवासी राधाकिशन सोमाणी, भाजपा नेता इंदौर निवासी भारतभूषण झँवर एवं युवा संगठन के उपाध्यक्ष नौखा निवासी घनश्याम भट्टड़ भी उपस्थित थे। महेश बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग, वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल के साथ निदेशक मंडल की पुष्पा बूब, चैनसुख काबरा, लक्ष्मीनारायण राठी, कमलनारायण राठी, बृजगोपाल असावा, नंदकिशोर हेड़ा, श्रीनिवास असावा, कृष्णचंद्र बंग आदि ने भी अतिथियों का स्वागत किया। प्रबंधक निदेशक उमेशचंद असावा ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया।

मूंदड़ा बनीं वनबंधु परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष

इंदौर. वनबंधु परिषद ग्रामीण क्षेत्रों में पंचमुखी शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु कार्य करने वाली राष्ट्रीय संस्था है। इस संस्था द्वारा 54 हजार एकल स्कूलों का संचालन वनवासी क्षेत्रों में किया जा रहा है। मुंबई में संपन्न हुई महिला समिति की राष्ट्रीय बैठक में संरक्षक रत्नीदेवी काबरा एवं अध्यक्ष पुष्पा मूंदड़ा ने आगामी सत्र 2017-2019 के लिए इंदौर की गीता मूंदड़ा का नाम प्रस्तावित किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि श्रीमती मूंदड़ा पिछले छह वर्षों से राष्ट्रीय सचिव का दायित्व निभा रही हैं। इसके साथ ही वे अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अभा महिला सेवा ट्रस्ट व इंदौर वनबंधु महिला समिति की संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष विमला दम्मानी (चेन्नई), सुशीला गुप्ता (गोहाटी), शांता सारडा (कोलकाता), विनीता जाजू (इंदौर), प्रीति बाहेती (जयपुर), राष्ट्रीय सचिव लता मालपानी (चेन्नई), कोषाध्यक्ष उमा पचीसिया (मुंबई) संयुक्त मंत्री सूरज बाहेती (चेन्नई), इंदु देवड़ा (डिब्रूगढ़), राज जैन (राँची), मंजु मित्तल (सूरत) एवं लता जैन (आगरा) चयनित हुईं।

व्यक्तित्व विकास शिविर का होगा आयोजन

जगदलपुर. मकर संक्रांति के अवसर पर छत्तीसगढ़ माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा शहर के मेन बाजार संजय मार्केट में भंडारे का आयोजन किया गया। बिलासपुर महिला मंडल द्वारा ब्लाइंड गर्ल्स स्कूल व आवास में 100 बेडशीट प्रदान की गई। महिला मंडल की सदस्याओं ने उनके सांस्कृतिक प्रोग्राम में अपनी उपस्थिति दी। मकर संक्रांति के पर्व पर रायपुर जिला में होने वाले कार्यक्रम में बाल आश्रम के बच्चों को भोजन करवाया गया। वृद्धाश्रम में आंख एवं दांत जांच शिविर का आयोजन डोंगरगढ़ माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा किया गया। साथ ही बाल आश्रम एवं वृद्धाश्रम में भोजन व जरूरत का सामान बांटा गया। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार प्रसार मंत्री रूपा मूंदड़ा ने बताया कि गोपाल मंदिर महिला समिति की ओर से रायपुर में 21 व 22 दिसम्बर को नीरज जैन की दो दिवसीय कुकिंग क्लास आयोजित की गई। गीता डागा, अमिता मूंदड़ा, शशि गट्टानी, निधि झंवर ने गुंडरदेही परिक्षेत्र का भ्रमण किया। 19 छोटे-छोटे गांव की महिलाओं की उपस्थिति में नए महिला मंडल का गठन किया गया। कार्यक्रम की शृंखला में माहेश्वरी महिला मंडल रायपुर की ओर से 7 से 9 अप्रैल तक युवतियों के लिये त्रिदिवसीय "व्यक्ति विकास शिविर" "निखार" का आयोजन किया जाएगा।

> "दयालुता वह भाषा है जो बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं"

महासभा कार्यकारी मंडल के लिये हुए चुनाव

जयपुर. जिला माहेश्वरी सभा से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्यों के लिए जुगलकिशोर सोमानी एवं राधेश्याम सोमानी की उपस्थिति में चुनाव हुए। इसमें क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा परकोटा से कमलकिशोर साबू व राधामोहन कचौलिया, क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा झोंटावाड़ा से बजरंग जाखोटिया, बाबूलाल तोतला, रामावतार आगीवाल, प्रकाश काहल्या, कैलाश सोनी, हरिप्रसाद साबू विजयी रहे। इसी प्रकार क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा सोडाला से बालकिशन सोमानी, मधुसूदन बिहाणी, ओमप्रकाश दरगड़, राधेश्याम परवाल व महेश परवाल तथा क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा टोंक से सत्यनारायण काबरा, गिर्राजप्रसाद भूतड़ा, सत्यनारायण काबरा, राधेश्याम सोढ़ानी विजयी हुए। जयपुर ग्रामीण क्षेत्र से पूर्व कार्यसमिति की मीटिंग में कन्हैयालाल छारवाल (फागी) व कमलकुमार खटौड़ (चोमू) पर सहमति बनी। उक्त जानकारी मालचंद बाहेती ने दी।

महिला जज की अनूठी शादी बनी मिसाल

जोधपुर. वर्तमान में जब शादियाँ स्टेटस सिंबल बन गई हैं, हर व्यक्ति अपनी क्षमता से अधिक खर्च करता है। ऐसे दौर में मंडोर जिला न्यायालय की जज प्रिया टावरी और एडवोकेट अभिषेक बूब ने अनूठी शादी रचाई, जो समाज के लिए मिसाल बनी। इस अनूठी शादी में सिर्फ गिने-चुने लोगों को बुलाया गया और वह भी बिना किसी आमंत्रण कार्ड के। वर-वधू के परिवार ने अपने दोस्तों और परिजनों को सिर्फ फोन पर सूचना दी। शादी में न बैंड था और न कोई बारात। यहां तक कि खाने के नाम पर भी सगे संबंधियों के लिए सिर्फ बिस्किट, चाय और ज्यूस की व्यवस्था की गई। यह शादी परिवार के ही एक होटल की बालकनी पर हुई। इस दौरान महज 50 से 60 लोग मौजूद रहे और कुछ ही घंटों में धार्मिक रीति-रिवाज के साथ शादी संपन्न हो गई।

समाज के पदाधिकारियों का किया स्वागत

बालासोर. उत्कल प्रदेश भ्रमण के दौरान अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री संदीप काबरा व उपसभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा पूर्वांचल रमेश तापड़िया का सम्मान व स्वागत बालासोर जिला माहेश्वरी महासभा द्वारा किया गया। उनके साथ अध्यक्ष उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा श्रीलाल मोहता, सचिव विजय तापड़िया व संगठन मंत्री घनश्याम पेड़ीवाल का भी स्वागत व सम्मान समारोह रखा गया। उत्कल प्रादेशिक युवा संगठन अध्यक्ष दिनेश करनानी व पूर्व उपसभापति श्याम झँवर भी मौजूद थे। जिला उपाध्यक्ष अशोक मूंधड़ा व सचिव सुशील राठी ने अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया। अशोक मूंधड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्मान के साथ मना महिला दिवस

पिपरिया. स्थानीय माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा महिला दिवस सप्ताह का आयोजन किया गया। इसमें समाज की वरिष्ठ महिला लक्ष्मीदेवी चांडक, राजनीतिक क्षेत्र में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराने वाली पूर्व परिषद अध्यक्ष व पार्षद कृष्णा मालपानी को सम्मानित किया गया। परिषद द्वारा एक आर्थिक रूप से कमजोर महिला तुलसाबाई को भी आर्थिक सहायता दी गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, पूर्व जिलाध्यक्ष राजश्री राठी, जिला सचिव आशा मालपानी, प्रदेश पूर्व सचिव सरला भट्टर, परिषद अध्यक्ष बीना मूंदड़ा, सचिव अरुणा मूंदड़ा, सहसचिव साधना घुरका, कोषाध्यक्ष किरण मूंदड़ा, सांस्कृतिक मंत्री ममता नवीरा ने भी अपने विचार प्रकट किये। युवा संगठन के अध्यक्ष निखिल सर्राफ, सचिव पराग लोया, श्री हुरकट व महिला परिषद की पदाधिकारी तथा सदस्याऐं उपस्थित थीं।

बागड़ी ''राजस्थान श्री'' से सम्मानित

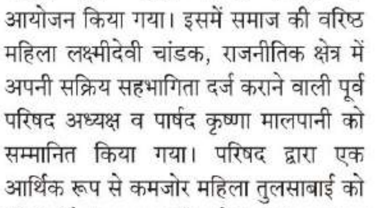

नागपुर. राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित उद्यम प्रोत्साहन संस्था जयपुर व शगुन टीम के सहयोग से आयोजित 'पधारो रंगीलो राजस्थान' में शरद बागड़ी को 'राजस्थान-श्री' के अतिविशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अतिथि के रूप में राजेश लोया (नागपुर सरसंचालक), गिरीश व्यास (विधायक, भाजपा महाराष्ट्र प्रवक्ता), श्यामसुंदर सोनी (सभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा), मिलिंद माने (आमदार-उत्तर नागपुर) उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्री बागड़ी भाजपा सांस्कृतिक आघाडी व कलादालन से 'समाजसेवा-गौरव' तथा श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2016' अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं।

नवनिर्वाचित माहेश्वरी पार्षदों का किया अभिनंदन

अमरावती. विदर्भ माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा माहेश्वरी समाज के जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। इसके अंतर्गत अमरावती महानगर पालिका में नवनिर्वाचित पार्षद दिनेश बूब, रेखा भूतड़ा, प्रणित सोनी के साथ ही राजस्थानी समाज के बबलू शेखावत का भी सम्मान किया गया। महिला संगठन द्वारा इन सभी पार्षदों का सत्कार उनके निवास स्थान पर जाकर किया गया। इस अवसर पर विदर्भ प्रादेशिक मा.म. संगठन की अध्यक्ष उषा करवा, प्रकल्प प्रमुख आशा लड्ढा, प्रचार मंत्री राशि मूंदड़ा, जिलाध्यक्ष मालती सिकची, सचिव रेणु केला, मीना बजाज आदि विशेष रूप से मौजूद थीं।

> "झूठ बोलकर जीतने से बेहतर है सच बोलकर हार जाओ"

बंग बने एमएसएमई फ्रेंडली बैंकर

हैदराबाद. दक्षिण भारत के सहकारिता क्षेत्र में बहुराज्यीय अनुसूचित बैंकों में अग्रणी महेश बैंक के चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग को ऑल इंडिया एमएसएमई एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अविनाश दलाल ने हैदराबाद गीतम विवि के सभागृह में आयोजित एक समारोह में एमएसएसई फ्रेंडली बैंकर के रूप में मानद सदस्यता प्रदान की। ऑल इंडिया एमएसएमई एसोसिएशन देश के एमएसएमई उद्यमियों के चहुर्दिश विकास के लिए सक्रियता से कार्य कर रही है। उल्लेखनीय है कि श्री बंग राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर की विभिन्न बैंकिंग संस्था, जैसे नईदिल्ली स्थित नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन को ऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसायटीज के निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों के लिए ओडीशा प्रदेश की टॉस्क फोर्स समिति के सदस्य भी हैं। राष्ट्रीय सहकारिता संघ नई दिल्ली की राष्ट्रीय सहकारिता प्रशिक्षण समिति के सदस्य, एपी को ऑपरेटिव अर्बन बैंक्स एंड क्रेडिट सोसायटीज फेडरेशन के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

सेवा के साथ मनाए मकर संक्रांति-बसंतोत्सव

दिल्ली. प्रदेश के सभी क्षेत्रीय संगठनों द्वारा मकर संक्रांति व बसंतोत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किये गये। पूर्वी क्षेत्र द्वारा पूर्व अध्यक्ष ममता बागड़ी के निवास पर मकर संक्रांति मनाई गई। बसंत पंचमी के दिन 50 किलो पीले मीठे चावल व समोसे बनवाकर बांटे गए। पश्चिमी क्षेत्र द्वारा 155 लड़कियों के गुरुकुल कन्या आश्रम जाकर आवश्यक सामग्री भेंटकर उनकी सहायता की गई। उत्तरी क्षेत्र ने कुष्ठ आश्रम जाकर वहां रह रहे 12 परिवारों के लिये वस्त्र, आटा, चावल, चीनी व अन्य जरूरत का सामान भेंट किया। फिर करोलबाग स्थित अंध विद्यालय में सर्दी से बचाव के लिए मफलर, टोपियां व अन्य सामान प्रदान किया। उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र द्वारा अपना घर आश्रम बवाना में भंडारा किया गया, साथ ही वहां जरूरत की दवाइयां व व्हीलचेयर भेंट की। नया क्षेत्र द्वारका द्वारा डॉन बोस्को आश्रम में उनकी आवश्यकता की सामग्री भेंट की गई। दिल्ली प्रदेश में सुरम्या समिति के अंतर्गत दक्षिणी क्षेत्र द्वारा श्रीधाम वृंदावन का भ्रमण किया गया। वात्सल्य ग्राम में दीदी माँ ऋतंभराजी के सान्निध्य में पल रहे बच्चों व उनके परिवार के लिए दरियां, कम्बल, कपड़े व खाद्य सामग्री भेंट की गई। उक्त जानकारी अध्यक्ष किरण लड्डा व सचिव श्यामा भांगड़िया ने दी।

सेवा गतिविधियों के साथ मना महिला दिवस

उदयपुर. महेश सेवा संस्थान द्वारा विश्व महिला दिवस पर महिला सशक्तीकरण के लिए महिलाओं को सिलाई मशीन भेंट की गई। समारोह के मुख्य अतिथि उदयपुर नगर विकास प्रन्यास अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली थे। महेश सेवा संस्थान भवन, चित्रकूटनगर (भुवाण) में सनराईज हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय चिकित्सा जांच, परामर्श एवं जागरुकता शिविर भी आयोजित किया गया। इसमें 85 ब्लड शुगर जांच, 80 ईसीजी एवं 75 रोगियों की बीएमडी मशीन द्वारा निःशुल्क जांच की गई। इस अवसर पर संस्थान द्वारा संचालित निःशुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र हेतु उदयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन, माहेश्वरी महिला गौरव व मनस्वनी ने दो सिलाई मशीनें भेंट कीं। कार्यक्रम को संस्थान अध्यक्ष राधाकृष्ण गट्टानी, सचिव श्यामलाल मूंदड़ा, समाजसेवी यशवंत सोमानी एवं संस्थान के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मंत्री ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मुरलीधर गट्टानी ने किया।

संगठन आपके द्वार का पोस्टर विमोचित

ओसियां. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा एवं पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की ओर से चलाए जा रहे माहेश्वरी समाज के संगठन आपके द्वार अभियान कार्यक्रम के ओसियां तहसील कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन स्थानीय माहेश्वरी समाज भवन में तहसील माहेश्वरी सभा अध्यक्ष चांदरतन डागा की उपस्थिति में किया गया। तहसील सभा के सचिव सुनील लाहोटी ने बताया कि अभियान का मूल उद्देश्य समाज के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को समाज के हर घर तक पहुंचाना है। इस दौरान जिला सभा के संगठन मंत्री नथमल सोनी, पूर्व सरपंच भगवानदास राठी, व्यापारी संघ अध्यक्ष दिलीप सोनी, तहसील सभा उपाध्यक्ष प्रेमराज करवा, माहेश्वरी समाज कोषाध्यक्ष हरिनारायण सोनी, सहसचिव ओमप्रकाश बूब आदि मौजूद थे। इसके पश्चात क्षेत्र के कस्बे बापिणी व जाखण आदि में कार्यक्रम आयोजित कर संगठन की योजनाओं की जानकारी दी गई।

"जिल्लत उठाने से बेहतर है तकलीफ उठाओ"

होली के रंग के साथ स्नेह की महक

अपनी संस्कृति के अनुरूप माहेश्वरी समाज ने गरिमामय ढंग से रंगों का पर्व होली मनाया। इस अवसर पर एक दूसरे को स्नेह के रंग से रंगने की हुई शुरुआत होली स्नेह मिलन समारोहों के साथ थमी। इस अवसर पर प्रतिभाओं को प्रदर्शित होने का भी भरपूर अवसर मिला।

▸▸ भीलवाड़ा. काशीपुरी वकील कॉलोनी माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष गायत्री बिड़ला ने बताया कि गत 22 फरवरी को काशीपुरी स्थित राधाकृष्ण मंदिर पर फाग महोत्सव मनाया गया। मंदिर पर कृष्ण भगवान की गुलाब के फूलों से झाँकी बनाई गई और सजावट करके भजन गायक डॉ. सुमन सोनी व सीमा सोनी ने शानदार प्रस्तुति दी। अध्यक्ष गायत्री बिड़ला ने अतिथि नगर अध्यक्ष गायत्री मूंदड़ा, सचिव वीणा मोदी व सभी महिलाओं का गुलाल से तिलक लगाकर स्वागत किया। सचिव शीला जागेटिया ने बताया कि मंडल की शशि मूंदड़ा, सुधा बिहाणी, चंद्रकांता, मधु काबरा, रेणु सोमाणी व बसंता बल्दवा द्वारा नृत्य व गीत की प्रस्तुति दी गई। समापन पर प्रसाद व ठंडाई का वितरण किया गया। अध्यक्ष श्रीमती बिड़ला ने सभी का आभार प्रकट किया।

▸▸ बरेली . माहेश्वरी महिला समिति के बैनर तले होली उत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीता मालपानी एवं कुमकुम कादरा ने भगवान शिव की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में प्रियंका साबू, रतनदेवी माहेश्वरी, रेखा झंवर, इंदिरा, प्रभा मूना आदि महिलाएं मौजूद थीं।

▸▸ बारीपदा. गत 13 मार्च को श्री माहेश्वरी एवं जैन समाज का सामूहिक होली मिलन समारोह मनाया गया। इसमें बड़े बच्चे व महिलाएं मौजूद थीं। बुजुर्गों को ओम पेड़ीवाल एवं जयकिशन भट्टड़ ने दुपट्टे ओढ़ाकर सम्मान किया। बच्चे और महिलाओं ने रंगारंग कार्यक्रम करके सबका मन मोह लिया। अंत में मयूरभंज जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री बाबूलाल करनाणी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जानकारी नरसिंगदास भट्टड़ अध्यक्ष मयूरभंज जिला माहेश्वरी सभा ने दी।

▸▸ पिपरिया. माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा फागुन मास के अवसर पर होली फाग मंडली का आयोजन किया गया। पूर्व जिलाध्यक्ष राजश्री राठी, अखिल भारतीय कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, प्रदेश पूर्व सचिव सरला भट्टर, परिषद अध्यक्ष बीना मूंदड़ा, सचिव अरुणा मूंदड़ा, सहसचिव साधना घुरका सहित समस्य सदस्यों की मौजूदगी में कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश की पूजा अर्चना के साथ हुआ। परिषद की प्रचार मंत्री अंजु घुरका ने बताया कि होली मंडली के अवसर पर होली के रसिया गीत-भजन गाये गये, जिसमें सभी सदस्याओं ने इस अवसर पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, होली की बधाई दी व एक-दूसरे को गुलाल का टीका लगाकर फागुन मास का स्वागत किया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

▸▸ बीकानेर. विगत वर्ष की भांति समाज की पारिवारिक संस्था श्री प्रीति क्लब द्वारा रंगों के पावन पर्व होली से पूर्व फागोत्सव व स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। भगवान राधाकृष्ण के छायाचित्र पर क्लब अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी, सचिव नारायणदास दम्माणी, अशोक बागड़ी, नारायण डागा, जगदीश कोठारी, याज्ञवल्क्य दम्माणी आदि ने संयुक्त रूप से अबीर व फूलों से होली खेलकर कार्यक्रम की शुरुआत की। अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी ने बताया कि इस अवसर पर होली के रसिया भतमाल पेड़ीवाल, ताराचंद, संजय करनाणी, गौरव मूंधड़ा आदि ने चंग व अन्य वाद्ययंत्रों पर होली के गीतों की प्रस्तुति दी। संस्था सचिव नारायणदास दम्माणी ने बताया कि सोहनलाल गट्टानी, किसनकुमार दम्माणी, मनमोहन कल्याणी, श्रीलाल दम्माणी, रेखा लोहिया (पूर्व अध्यक्ष महिला समिति), नारायण डागा, मोहनलाल चांडक सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

▶▶ **रायपुर.** महेश सभा द्वारा महेश भूमि मोवा पर होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभा के सदस्यों ने एक-दूसरे को केसर का तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। युवा इकाई के सदस्यों द्वारा हाउजी गेम्स खेलाया गया। महिला इकाई महेश महिला संगठन के सदस्यों द्वारा बृज की होली कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। सदस्यों द्वारा फाग गीतों पर जमकर डांस किया गया। कार्यक्रम के दौरान हाईटी, ठंडाई एवं स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था रखी गई। महेश सभा के संस्थापक अध्यक्ष मदनलाल राठी, अध्यक्ष जगदीश लाहोटी, सचिव किसन गोपाल करवा, कोषाध्यक्ष किसनलाल राठी, महेश महिला संगठन अध्यक्षा करुणा पेड़ीवाल, महेश युवा संगठन अध्यक्ष अंशुल बिड़ला सहित सभा के लगभग सभी सदस्य मौजूद थे। जानकारी कार्यक्रम की संयोजिका दिव्या राठी ने दीं।

▶▶ **मालेगांव.** महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल की तरफ से 10 मार्च को श्याम बाबा मंदिर प्रांगण में फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें नौ देवियों की झांकी और कृष्ण प्रेम व भक्ति का मोल नाटिका प्रस्तुत की गई। भजन व नृत्य द्वारा भगवान के साथ फूलों की होली का सभी ने आनंद लिया। कार्यक्रम में किरण जाजू, श्यामा जाजू, बीना भंडारी, शारदा लाहोटी, वंदना जाजू का योगदान रहा। मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती ने सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

▶▶ **पिपरिया.** स्थानीय माहेश्वरी सेवा मंडल के पदाधिकारी व सदस्य सर्वप्रथम माहेश्वरी भवन मोहता प्लॉट पहुंचे, जहां एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दी व छोटों ने बड़ों से आशीर्वाद लिया। समाज द्वारा मिठाई भी वितरित की गई। तत्पश्चात अध्यक्ष नरसिंहदास भट्टर के नेतृत्व में पूरे समाज के समाजबंधु, युवा संगठन के अध्यक्ष व पदाधिकारी शोकाकुल परिवारों में पहुंचे और सौजन्य भेंट की।

▶▶ **बैंगलुरु.** स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा गत 3 मार्च को पैलेस ग्राउंड स्थित नलपाड़ पैवेलियन में होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बसंत सारडा, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष सुशीला बागड़ी, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष रविकांत राठी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन बद्रीनारायण भंडारी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन गौरीशंकर सारडा, माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट को ऑपरेटिव के अध्यक्ष नंदकिशोर मालू, सभा के कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र चांडक, अजय राठी, समाज के वरिष्ठ सदस्य द्वारकाप्रसाद सारडा एवं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला मंडल दक्षिणांचल सहसचिव प्रकाश मूंदड़ा आदि अतिथि के रूप में मौजूद थीं। निरंजन सारडा एवं उनकी टीम द्वारा महेश वंदना प्रस्तुत की गई। होली के गीतों की प्रस्तुति सुरेश पारिक एवं पार्टी द्वारा दी गई।

▶▶ **नागपुर.** श्री बड़ी मारवाड़ी माहेश्वरी भवन ट्रस्ट इतवारी द्वारा परंपरा लॉन वर्धमान नगर में होली मिलन समारोह मनाया गया। राधेश्याम सारडा के अध्यक्षीय स्वागत संबोधन के साथ गिरीश व्यास विधायक, श्यामसुंदर सोनी सभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, शिवरतन गांधी अध्यक्ष नागपुर जिला माहेश्वरी सभा, पुरुषोत्तम मालू अध्यक्ष नगर माहेश्वरी सभा नरेंद्र (बाल्या) बोरकरनगर सेवक (मनपा) का सत्कार घासीराम मालू, राजेश बजाज, वंकटलाल सारडा, पुखराज बंग, रामअवतार हुरकट ने किया। कार्यक्रम का संचालन मधुसूदन सारडा ने किया। गोविंदलाल सारडा, रामरतन साडा, दामोदरलाल मालू, श्रीनिवास काकानी, प्रदीप मूंदड़ा, रतनलाल लाहोटी, भंवरलाल सारडा सहित कई गणमान्य सदस्य मौजूद थे।

> “अच्छी किताबे और अच्छे लोग.. तुरन्त समझ में नहीं आते, उन्हें पढ़ना पड़ता है।”

▶▶**बरेली.** जिला माहेश्वरी सभा बरेली ने रंगोत्सव होली पर्व धूमधाम से मनाया। इस मौके पर दी हिंदू सोशल ट्रस्ट द्वारा श्री गुलाबराय इंटर कॉलेज के मैदान में लगाये गये होली मिलाप मेले में जिला माहेश्वरी सभा बरेली ने सभा का कैंप लगाकर 'आपणो समाज' की सहभागिता की। शिविर की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिवकुमार माहेश्वरी ने की। संचालन संगठन मंत्री ममतेश माहेश्वरी ने किया। डॉ. नवलकिशोर गुप्ता, सुनील बियाणी, सचिन माहेश्वरी, शशांक चांडक, धर्मेंद्र माहेश्वरी, निकुंज माहेश्वरी, विशाल गुप्ता, विनय माहेश्वरी, सताक्षी शारदा, सुनील चेचाणी आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में समाज के गमी की होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिला सभा की कार्यसमिति ने घर-घर जाकर होली मिलन किया।

▶▶**हैदराबाद.** राजस्थानी महिला संगठन असमियां बाजार द्वारा ''होली के रंग राधाकृष्ण के संग'' होली फागुन महोत्सव का आयोजन रामदेव बाबा मंदिर में किया गया। संगठन की अध्यक्ष सुमन लोया व मंत्री संगीता बियानी व परामर्शदाता उमा तोताला ने बताया कि राधा-कृष्ण का नृत्य, डांडिया गरबा, होली के रसिया के भजन, फूलों से होली इत्यादि कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। कोषाध्यक्ष संगीता मालानी, उपाध्यक्ष सुधा लाहोटी, सहमंत्री किरण राठी व संयोजिका शोभा लाहोटी, विष्णुकांता टावरी, प्रेमा सोमाणी सहित समस्त सदस्याओं का योगदान रहा।

▶▶**खाचरौद.** स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा माहेश्वरी रामौला राम मंदिर पर फाग उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें समाज की सदस्याओं द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई तथा फूल एवं गुलाल से होली खेली गई। समाज अध्यक्ष आशा नवाल ने आभार प्रकट किया। सचिव नमिता तोषनीवाल ने बताया कि राधा असावा, शंकुतला झँवर, मांगू राठी, सीमा बिझानी, जया बिसानी, किरण राठी, शिरोमणि गगरानी, संगीता गगरानी, सीता राठी सहित सभी सदस्याओं का सक्रिय सहयोग रहा।

▶▶**रायपुर.** माहेश्वरी महिला संगठन गुढ़ियारी द्वारा आयोजित बसंत उत्सव व होली मिलन कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान एवं धमाल चौकड़ी व पासा फेंको नंबर पाओ, दादी पोती रैंप वॉक विशेष आकर्षण रहे। विश्व महिला दिवस पर 8 मार्च को रायपुर जिला की तीनों समितियों के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें संजय जैन ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' व पारिवारिक समस्याओं पर प्रकाश डाला एवं डॉ. सरिता अग्रवाल ने कैंसर रोग एवं बचाव पर विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय उपाध्यक्षा ज्योति राठी, पुष्पा राठी, छग प्रदेशाध्यक्ष आशा डोडिया, रायपुर जिलाध्यक्ष सरला चांडक आदि उपस्थित थीं।

▶▶**पिपरिया.** गत 17 मार्च को माहेश्वरी सेवा मंडल का होली मिलन समारोह माहेश्वरी महिला परिषद व माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस दौरान सामूहिक नृत्य व नृत्य नाटिकाओं में सुंदर-सुंदर प्रस्तुतियां दी गईं। भगवान दीप प्रज्ज्वलन सेवा मंडल अध्यक्ष नरसिंहदार भट्टर, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, जिला माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव आशा मालपानी, सांस्कृतिक मंत्री नीता माहेश्वरी होशंगाबाद, माहेश्वरी सेवा मंडल के सचिव अजय घुरका, माहेश्वरी महिला परिषद की अध्यक्ष बीना मूंदडा, सचिव अरुणा मूंदडा, युवा संगठन अध्यक्ष निखिल सराफ, सचिव पराग लोया, जिला उपाध्यक्ष गौरव मल्ल, सहसचिव प्रतीक टावरी, खेल मंत्री गौरव हुरकट की उपस्थिति में हुआ। सचिव घुरका ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संचालन गिरधर मल्ल, ममता नवीरा, रुचिका मालपानी, पायल बल्दुआ ने किया।

"जीत और हार आपकी सोच पर ही निर्भर करती है मान लो तो हार होगी और ठान लो तो जीत होगी।"

▶▶ **भीलवाड़ा.** नगर में माहेश्वरी समाज की विभिन्न संस्थाओं एवं क्षेत्रीय सभाओं द्वारा फाग उत्सव व होली स्नेह मिलन के कार्यक्रम आयोजित किए। श्री महेश बचत एवं साख समिति द्वारा फागोत्सव कार्यक्रम गत 5 मार्च को आर.के.आर.सी. माहेश्वरी भवन में मनाया गया। समिति संयोजक शांतिलाल डाड ने बताया कि फागोत्सव में भजन गायिका सुमन सोनी ने होली के मधुर भजन गाए। पुरुष सफेद परिधान व महिलाएं लाल परिधान में शामिल थीं। भोपालगंज माहेश्वरी सेवा समिति के अध्यक्ष रमेशचंद्र नामधरानी व सचिव अशोक मालू ने बताया कि क्षेत्रीय संगठन द्वारा होली स्नेह मिलन पर फागोत्सव व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं द्वारा होली के भजन गाए गये एवं क्षेत्र के वरिष्ठजनों व मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। तिलक नगर, सांगानेर कॉलोनी एवं आदर्श नगर क्षेत्रीय संगठनों में भी होली व स्नेह मिलन का आयोजन बगता बाबा के पास रखा गया। अध्यक्ष राजेंद्र जागेटिया ने बताया कि इस स्नेह मिलन कार्यक्रम में बच्चों व महिलाओं की अनेक खेलकूद व सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विजयसिंह पथिक नगर माहेश्वरी संस्थान द्वारा भी संजय कॉलोनी माहेश्वरी में होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। अध्यक्ष बनवारीलाल सोमानी व सचिव रवि बाहेती ने बताया कि इस स्नेह मिलन में युवा साथियों द्वारा विशेष तैयारियाँ की गईं। जिसमें अपना अलग ड्रेस अप करके होली के गीतों व भजनों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। फूलों व गुलाल से होली खेली गई। सभी क्षेत्रीय सभाओं में अतिथियों के स्नेह भोज के लिए अलग व्यवस्था की गई परंतु तिलक नगर, पथिक नगर सांगानेर कॉलोनी द्वारा सभी समाजजनों के लिए एक ही जगह पर भोजन की व्यवस्था रखी गई। पूर्व सभापति रामपाल सोनी व अन्य सभी अतिथियों ने सभी के साथ मिलकर भोजन का आनंद लिया।

विजयसिंह पथिक नगर

भोपालगंज

तिलकनगर

▶▶ **जोधपुर.** माहेश्वरी महिला संगठन (पूर्वी क्षेत्र) की ओर से पावटा प्रथम पोलों में भगवान को फूलों की होली खिलाकर फागोत्सव मनाया गया। इस आयोजन पर माहेश्वरी टाईम्स की ओर से स्वाति जैसलमेरिया ने बसंती सोनी स्मृति चिह्न प्रदान किया। पूर्वी क्षेत्र मंडल अध्यक्ष सुशीला बजाज ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस अवसर पर बबीता चांडक, बसंती सोनी, पुष्पा लोहिया, गीता राठी व संगीता बिरला ने होरिया की प्रस्तुति दी। सचिव गीता सोनी ने बताया कि फागोत्सव में संतोष सोनी, रीना सोनी, कुसुम सोनी, कमला मूंदड़ा, सुमन गांधी, कल्पना, सरोज मूंदड़ा, संतोष डागा, पवित्रा सोनी, राधिका राठी, जया सोनी, कांता भट्टड़, लीला जाजू, मंजू झंवर, छाया राठी आदि मौजूद थीं। फाग-गीत आज बृज में होली रे रसिया, कान्हा के रंग लगा गई झोली भर दो, अबीर, गुलाल से गीतों की प्रस्तुति देकर भगवान को होली खेलाई गई। कृष्ण-राधा की आर्कषक झांकी सजी। फाग गीतों पर महिलाओं ने नृत्य किया और गुलाल का तिलक लगाकर फूलों की होली खेली।

▶▶ **जयपुर.** श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के तत्वावधान में शुक्रवार गत 10 मार्च को तिलक नगर स्थित माहेश्वरी विद्यालय में होली स्नेह मिलन समारोह एवं हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कुचामन सिटी निवासी अ.भा. माहेश्वरी महासभा (पश्चिमांचल) के संयुक्त मंत्री श्यामसुंदर मंत्री, विशिष्ट अतिथि अजमेर निवासी अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर के महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल व जयपुर के इक्विटी फाइनेंस व टेक्सटाइल व्यवसायी नरेश अजमेरा थे। प्रमुख उद्योगपति व समाजसेवी राधेश्याम मालू समारोह के स्वागताध्यक्ष थे। समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा, महामंत्री संजय माहेश्वरी एवं समिति सदस्यों द्वारा अतिथियों का अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक किशनदास झंवर थे। कवि सम्मेलन का संचालन ख्यात हास्य कवि संजय झाला ने किया। डॉ. भगवान मकरंद, राजकुमार बादल, संजय झाला एवं पूनम वर्मा प्रहलाद चांडक, अलवर-राजस्थान के विनीत चौहान ने अपनी कविताओं की प्रस्तुति दी।

> **"बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं क्योंकि लौटने पर आपको उतनी ही दूरी तय करनी पड़गी जितनी दूरी तय करने पर आप लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं।"**

पुष्कर. अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन (पुष्कर) में सतरंगी होली महोत्सव का कार्यक्रम रखा गया। सेवा सदन के पूर्व अध्यक्ष श्याम बिड़ला ने संबोधित किया। इसमें पुष्कर सेवा सदन के पदाधिकारियों और प्रबंधकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। समारोह का रमेश छापरवाल ने संचालन किया। बीकानेर से आये प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य नारायणदास दम्माणी ने आगंतुकों को गुलाल के टीके लगाये एवं होली की टोपियाँ पहनाईं। सर्वप्रथम अध्यक्ष जुगल बिड़ला को मुर्खाधपति बनाया गया एवं उन्हें बैंगन की माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

लखनऊ. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा होली मिलन समारोह माधव सभागृह निरालानगर में मनाया गया। अतिथि के रूप में ए.के. लाहोटी

डीआरएम उत्तर रेलवे लखनऊ उपस्थित थे। समाज सदस्य अशोककुमार माहेश्वरी की सुपुत्री रेडियो सिटी, इंडियन आइडल तथा संगम कलर की गायिका अनुष्का ने मनभावन गीतों की प्रस्तुति दी। प्रो. सुरेंद्र विक्रम के संयोजन एवं संचालन में हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन भी आयोजित हुआ।

नीमच. इस वर्ष भी विधिवत पूजन कर होली दहन किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष ओ.पी. मंत्री सचिव रमेशचंद्र सोनी, उपाध्यक्ष परमेश्वर नवाल, दिनेश लड्ढा, शरद गगरानी, संजय बाहेती, महेश लाठी एवं कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे। दूसरे दिन समाज के एक मात्र श्रीराम मंदिर पर सुबह 10 से 11 बजे गुलाल से फाग उत्सव मनाया। इसी दिन महिला मंडल एवं समाज की महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन द्वारा फूलों से उत्सव व होली मिलन के साथ समाज के सहभोज का आयोजन भी हुआ।

छिंदवाड़ा. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 'रंगोली होली हमजोली के संग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लोगो ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। सबके स्वागत के बाद हमजोली ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया एवं मनोरंजन के लिए कपल गेम्स का लुत्फ उठाया। अंत में डिनर का आनंद लेकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

हैदराबाद. माहेश्वरी युवा संघ के तत्वावधान में होली कार्यक्रम राजस्थानी डांडिया नृत्य ब्रजभाषा की मधुर होरियाँ का आयोजन बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। अतिथि डॉ. सुभाष मर्दा, डॉ. सचिन वी. डागा आदि थे। अतिथियों का संघ के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। समाज के वयोवृद्ध रतनलाल जाजू का अभिनंदन किया गया। रामनिवास सारडा, श्रीनिवास काकाणी, नारायण लोया, मनोहर काकाणी, कमल जाजू, राजेश करवा, अमिल लड्डा, बृजराज अट्टल आदि मौजूद थे।

गुना. माहेश्वरी समाज द्वारा गत 15 मार्च को होली मिलन समारोह मनाया गया। इसमें गेम्स का आयोजन ममता भट्टर द्वारा किया गया। गुलाल का टीका लगाकर फूलों की होली खेली गई। इसमें पानी बचाव का संदेश दिया गया। अंत में स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। महिला मंडल द्वारा बच्चों के लिये प्रशिक्षण शिविर भी लगाया गया।

उपलब्धियाँ

करनानी का सम्मान

कोलकाता. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी ने ख्यात समाजसेविका प्रतिमा करनानी का अभिनंदन राजभवन में किया।

वासव एमबीबीएस उत्तीर्ण

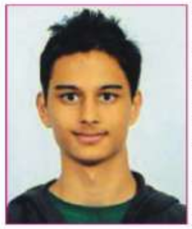

हिम्मतनगर. समाज सदस्य प्रहलाद-कमलेश कुमार सोमानी के सुपुत्र वासव सोमानी ने एनएचएल मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद से 69 प्रतिशत अंकों के साथ एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

वैशाली बनीं सीए

लोहारदा. समाज सेवी संजय भूतड़ा की सुपुत्री वैशाली भूतड़ा ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

प्रतिष्ठा बनी सीए

उज्जैन. स्थानीय माहेश्वरी समाज सदस्य राजेश-रमा डागा की सुपुत्री प्रतिष्ठा डागा ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। साथ ही प्रतिष्ठा सीएस एक्जीक्यूटिव परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुकी हैं।

सामाजिक सेवा में सर्वोपरि
हर सेवा में समर्पित

महेश तोतला

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा
राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य
में निर्वाचित होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

बी.डी. राठी (पूर्व न्यायमूर्ति), डॉ. रविन्द्र राठी, राजेन्द्र ईनाणी, पुष्प माहेश्वरी, रामचन्द्र तोतला, अनिल मंत्री, रामप्रसाद गगरानी, रामावतार जाजू, कमलकिशोर लड्ढा, चन्द्रप्रकाश लड्ढा, सुनील गगरानी, मांगीलाल अजमेरा, रामरतन लड्ढा, बालकृष्ण माहेश्वरी, नरेन्द्र धीरन, डॉ. राजेन्द्र पलोड़, बनवारीलाल जाजू, रामेश्वरलाल काबरा, बंशीलाल भूतड़ा, भरत तोतला, प्रहलाददास चंडक, सत्यनारायण लाठी, सत्यनारायण बाहेती, सुरेश लड्ढा, कृष्णकांत गिलड़ा, अजय सोड़ानी, मनीष बिसानी, किशन मूंदड़ा, सी.पी. हेड़ा, चन्द्रमोहन माहेश्वरी, अनिल झंवर, जयनारायण दम्माणी, कमलेश माहेश्वरी, कमल बाहेती, रुपेश भूतड़ा, शैलेष मूंदड़ा, सुधीर तोषनीवाल, अनिल काकाणी, कल्याणमल मंत्री, सुरेश बिड़ला, लक्ष्मीकांत राठी, रामस्वरूप बाहेती, श्याम भांगडिया, राजकुमार मुछाल, प्रहलाददास मंडोवरा, राधेश्याम केला, गम्भीरमल राठी, ओछबलाल सोमानी, विशाल राठी, डॉ. वासुदेव काबरा, विनय मालानी, सम्पत मोदानी, राजेश धूत

Harish Chandak

With Best Compliments from

Ganesh Chandak
Mo. : 9246565312

Shri Ram Enterprises

(House of Electrical Goods)

Crompton Greaves EVERYDAY SOLUTIONS | ALMONARD | HAVELL'S | khaitan

USHA | ANCHOR by Panasonic | Goldmedal | V-GUARD The name you can trust

@ 5-26, Near Bus Depot, Dilsukh Nagar, Hyderabad-60
Phone : 040-24051718, 24045312, 65291718
E-mail : shriramdsnr@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाएं............

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

श्री निवास एंड ब्रदर्स

SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ग्रेड-ए
सच्चा मोती एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

Swastik

Supplying Company

MARRIAGE DECORATORS, UTENSIL'S SUPPLIERS & EXHIBITS SYSTEMS

Anil Lakhotiya
93930-33260, 98490-15470

14-7-362 BEGUM BAZAR, HYDERABAD-500012

Swastik Decor

SERVICES PRIVATE LIMITED

MARRIAGE DECORATORS, UTENSIL'S SUPPLIERS & EXHIBITS SYSTEMS

14-7-362, begum Bazar, HYDERABAD-500012
Tel : 24614196, 93930-33251, 93930-33250
E-mail : swastiksupplying@gmail.com

''माँ'' शब्द का अर्थ ही है, स्नेह की एक ऐसी शीतल छाँव, जिसके तले हर कोई अपने जीवन की बड़ी से बड़ी परेशानी भूल जाता है। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ऐसी ही मातृ छाया श्रद्धेय श्रीमती ललिता बाहेती उससे दूर हो गईं। श्रीमती बाहेती उज्जैन के श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक महिला मंडल के संस्थापकों में से एक थीं।

नहीं रही ममता की छांव

श्रीमती ललिता बाहेती

गत 16 मार्च का दिवस श्री माहेवरी टाईम्स परिवार के लिये एक अत्यंत दुःख की घड़ी लेकर आया। जब संपूर्ण परिवार के लिये दादी के रूप में स्नेह का पर्याय बनीं श्रीमती ललिता बाहेती के स्नेह की छत्र छाया हमसे छिन गई। श्रीमती बाहेती श्री माहेश्वरी टाईम्स (मासिक) के सम्पादक पुष्कर बाहेती तथा अरुण बाहेती की माता थीं। आप अपने पीछे पुत्र-पुत्रवधू व प्रबंध संपादक सरिता बाहेती व तथा पौत्र ऋषि, मुनि और आदित्य, दो पुत्रियां ममता गोदानी, रजनी सोड़ानी तथा भतीजे-भतीजी आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। आप लगभग दो माह से अस्वस्थ थीं। श्रीमती बाहेती ने जब 16 मार्च को अंतिम सांस ली तो न सिर्फ बाहेती व श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार बल्कि सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज में शोक की लहर छा गई। आप ख्यात समाजसेवी स्व. श्री बंशीलाल बाहेती की धर्मपत्नी थीं।

बचपन से थी स्नेह की मूरत

सम्पूर्ण समाज के लिये स्नेह की प्रतिमूर्ति रहीं श्रीमती ललिता बाहेती का जन्म सन् 1941 में बागली के प्रख्यात एडवोकेट व समाजसेवी स्व. श्री रामगोपाल ईनानी के यहाँ हुआ। अपने सहज, सरल स्वभाव के कारण वे बचपन से अपने माता-पिता तथा 12 भाई व बहनों से भरे-पूरे परिवार की तो अत्यंत चहेती थीं ही, सम्पूर्ण बागली कस्बा भी उन्हें बेटी की तरह ही महत्व देता था। एक पटवारीजी के परिवार सहित कुछ परिवारों में तो वे इस तरह घुली मिली हुई थीं कि जैसे उनकी सगी बेटी ही हों। किसी की भी दुःख-तकलीफ हो तो उसमें माता-पिता के साथ ही सक्रिय रूप से सहायता प्रदान करना उनका बचपन से स्वभाव बन गया, जो अंतिम क्षण तक रहा।

अत्यंत कुशल गृहिणी

श्रीमती बाहेती वर्ष 1958 में उज्जैन निवासी स्व. श्री बंशीलाल बाहेती के साथ परिणय सूत्र में बंध गईं। श्री बाहेती का परिवार मूल रूप से राजोद (बदनावर) निवासी था। स्वयं स्वर्गीय श्री बाहेती एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे, जो उच्च शिक्षा प्राप्त कर विक्रम विवि में सेवारत थे। श्रीमती बाहेती स्वयं उच्च शिक्षित परिवार से थीं। अतः उन्होंने अपने राजोद के पूरे परिवार की नई पीढ़ी को उच्च शिक्षा प्रदान करवाने का बीड़ा उठा लिया। श्री बाहेती का परिवार उनके सहित 4 भाई व तीन बहनों वाला भरापूरा परिवार था। श्रीमती बाहेती ने न सिर्फ अपने पुत्र-पुत्रियों बल्कि भतीजे-भतीजियों को भी उच्च शिक्षित करने का बीड़ा उठा लिया। कई भतीजों ने उनके पास उज्जैन में रहकर ही उच्च शिक्षा प्राप्त की। छोटी सी तनख्वाह में आर्थिक परेशानी भी आती थी लेकिन श्रीमती बाहेती अपनी निपुणता से सबकुछ संभाल लेतीं।

अंतिम विदाई में उमड़ा भारी जनसमुदाय

श्रीमती बाहेती के देहावसान की खबर जिसे भी मिली वह उन्हें अंतिम विदाई देने में शामिल होने से अपने आपको रोक नहीं पाया। स्थानीय माहेश्वरी समाज के साथ ही अन्य कई स्थानों से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। इनके साथ ही बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, व्यवसायी तथा पत्रकार जगत की कई हस्तियाँ भी शामिल थीं, जो अश्रुपुरित नेत्रों से उन्हें अंतिम विदाई देना चाहती थीं। अंतिम यात्रा विद्यानगर, सांवेर रोड स्थित निवास से निकली। चक्रतीर्थ (श्मशान) पर उन्हें मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र सम्पादक पुष्कर बाहेती ने दी। शोक सभा में नृसिंह ईनाणी, कवि अशोक भाटी, कवि हेमन्त श्रीमाल, रामेश्वर माहेश्वरी, आनंदीलाल गांधी व पश्चिमांचल म.प्र. प्रादेशिक सभा अध्यक्ष राजेन्द्र ईनानी ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

अत्यंत तीक्ष्ण बुद्धि

सरल-सहज स्वभाव व मात्र आठवीं तक शिक्षा ग्रहण करने के बावजूद वास्तव में वे अत्यंत तीक्ष्ण बुद्धि की थीं। स्वयं उनके पुत्र पुष्कर बाहेती बताते हैं कि गणित की उनकी प्रथम गुरु तो माँ ही थीं। उच्च शिक्षा प्राप्त न होने के बावजूद गणित विषय की तो वे एक तरह से विशेषज्ञ ही थीं। उन्होंने ही इस अत्यंत कठिन विषय को अत्यंत सहजता से उन्हें इस तरह पढ़ाया कि उनके लिये यह सरल हो गया। पति भी उनकी इस बुद्धि के कायल थे। यही कारण है कि उनके बीच मित्रवत व्यवहार था। कई समस्याओं का समाधान उन्होंने परस्पर विचार-विमर्श से ही निकाला। श्री माहेश्वरी टाईम्स को शुरुआत में आत्मिक संबल प्रदान में वे ही सबसे आगे थीं।

सभी के सुख-दु:ख की सहभागी

श्रीमती बाहेती ने नारी के ससुराल व मायका दोनों परिवारों को साथ लेकर चलने के आदर्श को तो बखूबी निभाया ही, साथ ही हर जरूरतमंद व पीड़ित की मदद के लिये भी वे सदैव आगे रहीं। चाहे समाज का ही कोई परिवार हो या आसपड़ोसी अथवा मोहल्ले का कोई परिवार यदि वह किसी परेशानी में रहता तो श्रीमती बाहेती वहाँ न पहुँचे यह कभी होता नहीं था। यही कारण है कि उनके लिये सम्पूर्ण समाज व पूरा मोहल्ला ही उनका परिवार बन गया था और वे उसकी सदस्या।

महिलाओं को किया संगठित

हर परिवार के सुख-दुःख में शामिल होने का उनका स्वभाव तो था ही पैतृक रूप से मिले सेवा संस्कारों व समाजसेवी पति के साथ ने उन्हें सहज ही समाजसेवा के प्रति निःस्वार्थ भाव से सक्रिय कर दिया। इसमें उन्हें महिला संगठन की कमी महसूस होती थी। अतः एक जैसी सोच वाली साथी महिलाओं को साथ लेकर उन्होंने वर्ष 1969 में श्री

माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल के नाम से सर्वप्रथम स्थानीय महिला संगठन की स्थापना की, जो वर्तमान में भी पूर्ण रूप से सेवा प्रदान कर रहा है। इसकी स्थापना के साथ ही उनकी जो सेवा यात्रा प्रारंभ हुई तो जीवन के अंतिम क्षणों तक वे इस संगठन से सक्रिय रूप से सम्बद्ध रहीं। इस दौरान अध्यक्ष सहित कई महत्वूर्ण पदों पर भी रहीं और अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। महिला संगठन ने भी इस दौरान महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिये कई कार्यक्रम आयोजित किये। इनमें श्रीमती बाहेती का सक्रिय योगदान रहा।

संगठन ने घर आकर किया उनकी सेवा का सम्मान

गत विश्व महिला दिवस के अवसर पर समाज संगठन को आजीवन सक्रिय सेवा प्रदान करने वाली महिलाओं के अंतर्गत श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल द्वारा देहावसान से कुछ दिवस पूर्व ही श्रीमती बाहेती का सम्मान किया गया। उनके अस्वस्थ होने के कारण महिला संगठन की पदाधिकारियों ने घर पहुँचकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

श्रद्धासुमन

खुली किताब था उनका जीवन

स्व. ललिता बाहेती मेरी छोटी बहन थीं। बचपन से ही सरल, सहज व ऐसा विनम्र स्वभाव था कि पूरे बागली कस्बे की बेटी बन गई थीं। सहज ऐसी कि जीवन ही खुली किताब था। ऐसी स्वाभिमानी भी थीं कि कभी हम से कुछ भी मांग नहीं की। उनकी नारी सम्मत संवेदनाओं ने ही उन्हें आजीवन अति महत्वपूर्ण व सम्मानीय बनाए रखा। यही कारण है कि समाज हो या मोहल्ला सभी के सुख-दुःख की भागी रहीं। सम्पूर्ण ईनाणी परिवार भी उन पर सदैव गर्व करता रहा है।

- डॉ. ब्रजमोहन ईनाणी
इन्दौर (बड़े भाई)

हमने मामी नहीं माँ खोई

आदरणीय ललिताजी बाहेती रिश्ते में तो मेरी मामीजी थीं लेकिन स्नेह के मामले में माँ ही थीं। मेरा तो बचपन ही उनकी स्नेह छाया में गुजरा। आपने सदैव मुझे न सिर्फ अपने सबसे बड़े पुत्र की तरह स्नेह दिया, बल्कि वही अधिकार व महत्व भी प्रदान किया। यदि मैंने कोई सलाह दी तो उसे उन्होंने वही महत्व दिया जो परिवार के बड़े बेटे की सलाह का होता है। उनके देहावसान ने हमसे स्नेह की छत्रछाया छिन ली है।

- पुरुषोत्तम झँवर
उज्जैन (भानेज)

ईश्वर ने भी सुनी उनकी पुकार

वैसे तो श्रीमती बाहेती मेरी बड़ी बहन थी, लेकिन उनका स्नेह व हम लोगों को लेकर चिंता वैसही रहती जैसी एक माँ को होती है। सहज व सहृदय इतनी मिक उनकी पुकार को ईश्वर भी अनदेखी नहीं करता था। वास्तव में मैंनें इसे महसूस भी किया। मेरा पुत्र 16 वर्ष का था, तब कोमा में चला गया था। जब उन्होंने इसकी खबर मिली तो उनकी ममता का सैलाब उमड़ पड़ा। उन्होंने भी उसके लिये उस हर धार्मिक स्थल पर मिन्नत की, वह हर पूजा-अभिषेक करवाया जो वे कर सकती थीं। उनके सच्चे हृदय की पुकार व सभी की दुआओं ने ईश्वर को भी अपना फैसला बदलने पर मजबूर कर दिया। मेरा बेटा पूर्णतः ठीक हो गया। उनकी यह भावना सिर्फ अपने ससुराल या ईनानी परिवार तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि हर पीड़ित की पीड़ा देख उनका हृदय तड़प उठता था। उनका विछोह हमारे लिये कैसा वज्रपात है, इसे व्यक्त करने के लिये मेरे पास शब्द नहीं है।

- एडव्होकेट राजेन्द्र ईनानी, बागली
अध्यक्ष-पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

माँ का पुनः वियोग

25 वर्ष पश्चात् पुनः माँ का जाना, अन्तर्मन की वेदनाओं को नीरस बना गया। ममता रूपी छत्र छाया से एक बार फिर वंचित हो ऐसा लगा कि जीवन की हरी-भरी वाटिका में मानो पतझड़ आ गया हो। माँ ने हमेशा मुझे भाई पुष्कर के बराबर स्नेह दिया। मेरे स्वास्थ्य के लिये वे हमेशा चिंतित रहती थीं। अब तो उनके साथ बिताए हर पल प्राप्त अनुभवों को जीवन रूपी किताब में सहेजना ही मानो जीवन का मुख्य ध्येय हो गया है। **- कैलाश डागा**

हमेशा रहेंगी हमारी प्रेरणास्त्रोत

श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल उज्जैन की आधार स्तंभ आदरणीय श्रीमती ललिता देवी बाहेती पति स्व. श्री बंशीलाल बाहेती ने अपना संपूर्ण जीवन समाज की महिलाओं के उत्थान हेतु समर्पित किया है। संगठन को एकजुट रखने के साथ-साथ महिलाओं की सोच में स्वाभिमान एवं गरिमामय क्रांतिकारी परिवर्तन लाने के जो अथक प्रयास उनके द्वारा किये गये, वे अनुकरणीय हैं। आप त्याग, समर्पण, संबल, विश्वास, ममता व निष्ठा से परिपूर्ण थीं। आपके ये गुण हम सभी बहनों को समाजसेवा में अग्रसर रहने की प्रेरणा देते रहेंगे। अब हम सभी साथी बहनें ये महसूस करती हैं कि जैसे काल की क्रूर पदचाप उनकी अंतः चेतना ने सुन ली थी। आप हम बहनों की प्रेरणास्त्रोत रही हैं और हमेशा रहेंगी।

पुष्पा मंत्री-अध्यक्ष,मनोरमा मंडोवरा-कोषाध्यक्ष,संगीता भूतड़ा-सचिव
श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल, उज्जैन

समाज के लिये मिसाल

सम्मानीय श्रीमती ललिता देवी बाहेती के प्रभु मिलन के समाचार ने सभी समाजजन को स्तब्ध कर दिया। श्रीमती बाहेती कुशल गृहिणी तथा बाहेती व ईनानी परिवार की शुभचिंतक अग्रणी के साथ-साथ माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत, माहेश्वरी महिला मंडल की मार्गदर्शक तो थी हीं, अपनी सक्रियता के लिये सदैव तत्पर तथा समाज के लिये मिसाल भी थीं। माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत उज्जैन उन्हें अपनी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा-अध्यक्ष, अरूण भूतड़ा -सचिव
श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत

हमारे लिए थीं सेवा की प्रेरणा

आदरणीय माताजी समाजसेवा के क्षेत्र में हमारी सच्ची प्रेरणा थीं। इतना ही नहीं इस पद पर कार्य करते हुए उनसे जो स्नेह मिला वह जीवन की अमूल्य निधि है। महेश धाम की कल्पना को साकार करने में भी उनका आत्मिक संबल सदैव प्राप्त हुआ। उनके दिखाए आदर्श हमें सदैव सेवा पथ पर अग्रसर रहने के लिए मार्गदर्शित करते रहेंगे।

जयप्रकाश राठी अध्यक्ष, नवल माहेश्वरी कोषाध्यक्ष
श्री महाकाल महेश धाम परिवार, उज्जैन

हमने खोया माँ का स्नेह

श्रद्धेय श्रीमती बाहेती हमारे परिवार के लिए तो मां ही थीं। मैं बचपन से उनके सान्निध्य में रहा और इस दौरान उनकी सहजता व सरलता को तो महसूस किया ही, साथ ही उनके वात्सल्य की जो मधुरता प्राप्त हुई वह मेरे जीवन की अनमोल संपदा है। उनके देहावसान ने हमारे परिवार से मातृ तुल्य स्नेह की छत्र छाया छीन ली है।

संदीप कुलश्रेष्ठ, भारतीय ज्ञानपीठ परिवार, उज्जैन

सहज पर साहसी

आम तौर पर सहज सरल व्यक्तित्व शब्द का उल्लेख जब भी होता है। ऐसे व्यक्तित्व की छबि अक्सर कमजोर व्यक्ति के रूप में बन जाती है। लेकिन माताजी के बारे में ऐसा नहीं था। वे कठोर धार्मिक प्रवृत्ति की थीं, जिसका परिणाम था उनका साहसी व्यक्तित्व। वे हर सत्य के लिए बिना भय के सदैव खड़ी होती थीं। उनके इसी स्वभाव ने मुझे पत्रकारिता के क्षेत्र में नये आयाम दिखाए। उनके शब्द मेरे लिये सदैव मार्गदर्शक बने रहे। मैं उनके श्री चरणों में नमन करता हूँ।

सुनील जैन, अक्षरविश्व परिवार, उज्जैन

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

महिला संगठन की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

कौशल्या गट्टानी

उदयपुर के माहेश्वरी समाज के लिये कौशल्या गट्टानी एक ऐसी समाजसेवी हैं, जिन्होंने अपनी सेवा से उदयपुर को भी गौरवान्वित किया है। ख्यात उद्यमी के.जी. गट्टानी के साथ परिणय बंधन में बंधने के बावजूद सम्पन्नता की चका-चौंध में उनकी सेवा भावना कभी दबी नहीं। उनकी जहाँ भी, जब भी आवश्यकता महसूस हुई, वे तन-मन-धन से सहयोग के लिये सदैव उपस्थित रहीं। श्रीमती गट्टानी की सेवा भावना का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि वर्तमान में वे राष्ट्रीय महिला संगठन की कोषाध्यक्ष हैं, फिर भी संगठन के विस्तार के लिये उम्र के 71वें वर्ष के इस पड़ाव में भी सतत भ्रमण कर रही हैं। मात्र 2 माह में उन्होंने कई स्थानीय व जिला संगठनों के चुनाव सम्पन्न करवा दिये हैं। उनकी समर्पित सेवाओं ने सदैव समाज को नई दिशा दी है।

पति से मिली प्रेरणा

श्रीमती गट्टानी का जन्म 1 फरवरी 1946 को अजमेर के एक सुसंस्कृत व सुशिक्षित परिवार में हुआ। स्नातक स्तर तक शिक्षा अजमेर से ही प्राप्त की। इसके बाद श्री गट्टानी के साथ विवाह उपरांत उदयपुर आ गईं। श्री गट्टानी स्वयं उद्योगपति होने के साथ ही कई समाजसेवी व धार्मिक संस्थाओं से भी सम्बद्ध थे। अतः बचपन से विद्यमान श्रीमती गट्टानी की समाजसेवा की भावना को पति का सम्बल मिला और उनकी सेवा यात्रा भी चल पड़ी।

सतत चली सेवा यात्रा

श्रीमती गट्टानी वरिष्ठों को घर का सा माहौल देने के लिये गठित उदयपुर की प्रतिष्ठित मुस्कान क्लब की डायरेक्टर हैं। संस्था माहेश्वरी गौरव की संरक्षक तथा महिला उत्थान के लिये गठित मातुश्री क्लब की संस्थापक हैं। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष व माहेश्वरी महिला परिषद को उपाध्यक्ष के रूप में सेवा दे चुकी हैं। वर्तमान में माहेश्वरी महिलाओं के शीर्ष संगठन की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी सफलतापूर्वक निभा रही हैं। पुत्री नीना साबू, पुत्र नीरज व नितिन गट्टानी तथा पुत्रवधू डॉ. श्रद्धा गट्टानी भी आपके पदचिह्नों पर चलते हुए सेवा पथ पर अग्रसर हैं।

सेवा ने दिलाया सम्मान

श्रीमती गट्टानी ने कभी भी सेवा के बदले किसी पद-प्रतिष्ठा की कामना नहीं की, और विभिन्न धार्मिक, शैक्षणिक तथा समाजसेवी संस्थाओं से सम्बद्ध होकर अपनी सतत सेवा देती रहीं। कामना न होने के बावजूद उनकी इन समर्पित सेवाओं ने उन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मानित करवाया है। उन्हें प्राप्त सम्मानों में महिला गौरव लाइफ टाइम एचीवमेंट अवॉर्ड, रोटरी क्लब व उदयपुर का उत्कृष्ट समाजसेविका अवॉर्ड तथा माहेश्वरी महिला लाइफ टाइम एचीवमेंट अवॉर्ड आदि शामिल हैं।

राजस्थान वैसे ही शौर्य व सेवा की भूमि है, जिसने राष्ट्र को ऐसी कई विभूतियाँ दी हैं, जो राष्ट्र स्तर पर समाज का नाम रोशन कर रही हैं। इनमें से ही एक विशिष्ट व वरिष्ठ समाजसेवी हैं, उदयपुर की कौशल्या गट्टानी, जो वर्तमान में अभा माहेश्वरी महिला संगठन को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जैसे अति महत्वपूर्ण पद पर सेवा दे रही हैं।

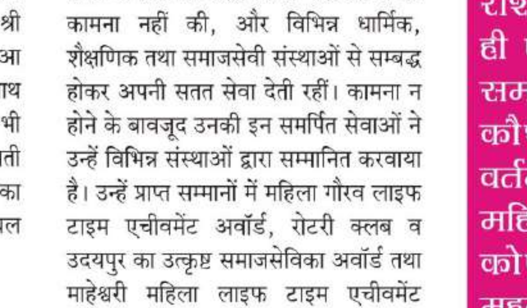

नारी किसी भी परिवार या समाज की आधार स्तम्भ होती हैं। फिर भी वे अपनी जिम्मेदारियों के कारण स्वयं के प्रति सबसे अधिक लापरवाही भी हो जाती हैं। ऐसी ही नारी में स्वास्थ्य से लेकर आत्मनिर्भरता तक की जागृति उत्पन्न कर रही हैं, वडोदरा निवासी कमला ईनानी।

जनजागृति की ज्योति कमला ईनानी

महिलाओं के लिये वडोदरा में कोई भी कार्यक्रम आयोजित हो और उसमें कमला ईनानी का कोई योगदान न हो, ऐसा कभी हो नहीं सकता। इसका कारण ही है, महिलाओं के हित में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की उनकी विशेषता। सेवा संस्था "माहेश्वरी वूमन क्लब" से सम्बद्ध रहते हुए श्रीमती ईनानी ने न सिर्फ रक्तदान के प्रति महिलाओं में जागरुकता उत्पन्न की बल्कि रक्तदान शिविर के आयोजन के द्वारा 125 बोतल रक्त संग्रहण करवाकर रक्तदान के महायज्ञ में आहुति भी दिलवाई। उनके मार्गदर्शन में हेल्थ अवेयरनेस के लिये स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों व अन्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाईकल कैंसर, जनरल हेल्थ चेकअप आदि शिविरों का भी आयोजन किया गया। योगा, कुकिंग, गेम व पिकनिक जैसे आयोजन भी हुए।

पारिवारिक संस्कारों में शामिल सेवा

श्रीमती ईनाणी का जन्म 5 नवंबर 1963 को अहमदाबाद में समाजसेवी प्रभुलाल काबरा के यहाँ हुआ। सेवा की भावना पैतृक रूप से तो मिली ही, फिर 4 मई 1980 को जब वडोदरा निवासी सत्यनारायण ईनाणी के साथ परिणय बंधन में बंधी, तो उनकी इन भावनाओं को पंख लग गये। पति सत्यनारायण ईनाणी "जानकीलाल एंड नंदलाल मेटल प्रा.लि." के नाम से प्रतिष्ठित व्यवसाय का संचालन तो करते ही हैं, साथ ही समाजसेवा में भी समर्पित हैं। श्री ईनाणी स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज चौखंडी (वडोदरा) के अध्यक्ष व माहेश्वरी समाज जिला वडोदरा के सचिव पद पर सेवा दे रहे हैं।

ऐसे चली सेवा यात्रा

विवाह के पश्चात जब श्रीमती ईनाणी वडोदरा आईं तो वे भी अपनी सहज सेवा भावना के कारण पति की प्रेरणा से समाजसेवा में सक्रिय रूप से योगदान देने लगीं। स्थानीय संगठन को अपनी सेवा देती आ रही है। वडोदरा समाज की प्रतिष्ठित सेवा संस्था "माहेश्वरी वूमन क्लब" को वर्ष 2008-10 तक कोषाध्यक्ष, 2010-12 तक सचिव तथा 2012-14 तक अध्यक्ष के रूप में सेवा दे चुकी हैं। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन, माहेश्वरी महिला मंडल वडोदरा, माहेश्वरी नवनीता संगठन वडोदरा व श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन को सदस्य के रूप में भी सेवा दे रही हैं।

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल
सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह
'जल देवता'.

जल देवता

जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है
जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

आमतौर पर कृषि को लाभ का धंधा नहीं माना जाता। इसके बावजूद अहमदनगर (महाराष्ट्र) निवासी शैलजा नावंदर ने इस विश्वास के साथ कृषि को सम्मानजनक स्थान देने की ठान ली कि धरती माँ कभी अपने बच्चों को निराश नहीं करती और हुआ भी वही। आधुनिक तकनीक के साथ उन्होंने आर्गेनिक फार्मिंग की वह शुरुआत की जो सभी के लिये प्रेरणा बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी उन्हें इसके लिये विश्व स्तर पर सम्मानित किया।

हरित क्रांति की मशाल शैलजा नावंदर

श्रीमती नावंदर का विवाह वर्ष 1978 में हुआ। पति ने बी.एस.सी. केमिस्ट्री तक शिक्षा प्राप्त की लेकिन अपने पैतृक व्यवसाय कृषि को ही अपनी आजीविका बना लिया। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, अतः श्रीमती नावंदर भी सिलाई कर घर खर्च चलाने में मदद करती थी। खेती बरसात के पानी पर निर्भर थी। अतः वर्ष 1980 में कुआं खुदवाया। फिर अब ज्वार, बाजरा, चना के बजाय गन्ना, गेहूँ, प्याज, आलू आदि की खेती करने लगे। 1988 में खेत में सुन्दर सा फार्म हाऊस बनाया। इस बीच 3 बेटियों और एक बेटे का जन्म हो गया। खर्चें भी बढ़ गए थे। अतः पति के साथ खेती के काम में भी साथ देने लगी।

संघर्षों से शिखर की यात्रा

सन् 1991 में अंगूर और अनार का बगीचा लगाया लेकिन जमीन का पीएच 8 से अधिक होने से दिक्कते आने लगीं। फिर कृषि विज्ञान केंद्र बाभलेश्वर और कृषि विद्यापीठ के वैज्ञानिकों से सलाह लेना शुरू किया। उन्होंने ऑरगैनिक फार्मिंग की सलाह दी और उन्होंने ऑरगैनिक में काम करना शुरू किया। ऑरगैनिक फार्मिंग की जानकारी हासिल करने के लिए बहुत सी पुस्तकें लाई और जब वक्त मिलता वे दोनों मिलकर किताबे पढ़ते। यह ऑरगैनिक मैटर कहां से आएगा? उसका डी-कंपोजिशन किस तरह होगा? वह खेती में किस तरह उपलब्ध होगा और हम उसे खाद के रूप में किस तरह इस्तमाल कर सकेंगे? इन सभी प्रश्नों के उत्तर वे सतत तलाश रहे थे।

ऐसे बनाया अपना ''ऑरगैनिक फार्म''

तमाम पुस्तकें पढ़ने के बाद समझ आया कि ऑरगैनिक फार्मिंग का अर्थ है, किसी भी प्रकार के रासायनिक खाद का उपयोग न करते हुए खेती में मिलने वाली बेकार की चीजों का सही इस्तमाल करके की जानेवाली खेती। खेती के क्रॉप-सेसिडयु और विड्स का इस्तमाल वे मल्चींग के लिए करते थे। इससे पानी की बचत होती है। खेती में लगने वाले ऑरगैनिक खाद जैसे व्हर्मीकंपोस्ट, बायोडायनैमिक, स्लरी आदि घर पर ही बनाने लगे। इतना ही नहीं अब वे बगीचे के लिए लगने वाले कीटनाशक भी घर पर ही बनाते हैं। इन सबका नतीजा है कि उनकी कृषि सोना तो उगल ही रही है, साथ ही उपज भी है, पूरी तरह हानिकारक रासायनिक पदार्थों से पूर्णतः मुक्त।

अब कैसा है उनका फार्म

आज उनकी खेती इको-फेंडली खेती है। ऑरगैनिक पद्धति से बायो डयव्हरर्सिटी और मिक्स-क्रॉप पॅटर्न का उपयोग किया जाता है। 18 एकड़ खेती है। पूरी खेती को ड्रिप एरिकेशन द्वारा पानी दिया जाता है।

खेती में 500 जामुन, 4000 अमरुद, 100 नारियल और 30 चीकू के पेड़ हैं। पिछले साल 150 पेड़ चीकू के और लगाए हैं। बरसात के मौसम में कद्दू की फसल लेते हैं। बाकी खेती में गन्ना, प्याज, गेहूँ आदि की फसल लेते हैं। छोटे पैमाने पर अमरुद की नर्सरी भी शुरू की है।

देश को भी दिलाया सम्मान

श्रीमती नावंदर को कृषि क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदानों के लिये गत 16 अक्टूबर 2014 को संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा "मॉडल फार्मर ऑफ इंडिया" के पुरस्कार से नवाजा गया। यह पुरस्कार उन्हें थाईलैंड (बैंकाक) की महारानी महाचक्री श्री धीन के हाथों प्रदान किया गया। भारत को यह पुरस्कार 9 वर्ष पश्चात प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के कारण दिल्ली के ट्रेड फेयर में भी उन्हें ऑर्गेनिक फार्मिंग के प्रदर्शन के लिये आमंत्रित किया गया। इस शीर्ष सम्मान के अतिरिक्त जिला परिषद अहमदनगर द्वारा "प्रगतिशील शेतकरी", शिलघी प्रतिष्ठान शिर्डी द्वारा "सांईरत्न" अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा "विशेष उपलब्धि", महाराष्ट्र प्रदेश माहे. महिला संगठन द्वारा "युगान्तर" महाराष्ट्र शासन द्वारा "केंद्रित रोती कृषि भूषण" तथा जय किसान फार्मर फोरम द्वारा "पंजाबराव देशमुख कृषिरत्न" आदि सम्मानों से उन्हें नवाजा गया है। अहमदनगर जिला व महाराष्ट्र राज्य शेतकरी सलाहकार समिति, कृषि साइंटिफिक कमेटी, जनसेवा फाउंडेशन सहित कई संस्थाओं से सम्बद्ध रहते हुए कई रेडियो स्टेशनों तथा टीवी चेनलों के माध्यम से भी मार्गदर्शन देती रही हैं।

गांव व परिवार की भी चिंता

श्रीमती नावंदर ने अपने गांव में 5से अधिक स्व सहायता समूहों की स्थापना करवाई है। इनके माध्यम से गांव में नशामुक्ति, स्वच्छता, स्त्रीभ्रूण हत्या आदि को लेकर अभियान चलाये और इसमें उन्हें पर्याप्त सफलता भी मिली। इसके साथ ही इनके माध्यम से वे महिला सशक्तिकरण के साथ ही विभिन्न पर्व-त्यौहार भी सामुहिक रूप से मना रही हैं। उन्होंने अपने सभी पुत्र-पुत्रियों को उच्च शिक्षित किया। बड़ी पुत्री जयश्री मालपाणी (यूएसए), राजश्री राठी ओमान तथा भाग्यश्री गग्गड़ पुणे में इंजीनियर है तथा उनकी सबसे छोटी पुत्री स्वरा नावंदर बी. कॉम. तक शिक्षित है। पुत्र अजय नावंदर ने मेकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. किया है, इसके बावजूद वे अपनी पैतृक कृषि में ही अपने रूझान के कारण संलग्न हैं। इतना ही नहीं कृषि के ज्ञान को और बढ़ाने के लिये अब वे कृषि में बी.एस.सी. भी कर रहे हैं।

लायंस क्लब अपने आप में विश्व का सबसे बड़ा सेवा संगठन है और वह जब सम्मान करे तो वह तो खास होगा ही। अंधेरी मुम्बई निवासी सीता राठी एक ऐसी समाज सेवी हैं, जिनके द्वारा की गई मानवता की सेवा को लेकर लायंस क्लब ने भी उन्हें "मदर टेरेसा" की उपाधि से सम्मानित किया।

सेवापथ की 'मदर टेरेसा' सीता राठी

अंधेरी मुंबई निवासी सीता राठी लायंस क्लब की सेवा यात्रा की शीर्ष सेवा पथिकों में से एक हैं। उन्होंने यदि महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर कार्य किया तो आदिवासी क्षेत्रों की सूरत भी अपनी सेवा से बदल डाली। लायंस क्लब की नजर में 'जहाँ सीता राठी हो वहाँ कोई सेवा प्रकल्प असफल होता ही नहीं है'। उन्हें गत 15 वर्ष से हर वर्ष किसी न किसी सेवा प्रकल्प के डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन पद की जिम्मेदारी सौंपी जाती है और वे हमेशा ही इन जिम्मेदारियों में खरी ही उतरी। यही कारण है कि उन्हें विभिन्न अवसरों पर अभी तक 100 से भी अधिक बेस्ट चेयरपर्सन के अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

ऐसी चली जीवन यात्रा

श्रीमती राठी का जन्म सन् 1951 में जयपुर (राजस्थान) में स्व. श्री मुरारदास व श्रीमती धापू कचौलिया के यहां हुआ। होम साईंस विषय के साथ स्नातक स्तर की शिक्षा ग्रहण की। डांस में भी रुचि रहीं। फिर वर्ष 1969 में मुम्बई निवासी सी.ए. श्री रविशंकर राठी के साथ परिणय सूत्र में बंधकर मुंबई आ गई।एक पुत्र एक्सपोर्ट इम्पोर्ट व्यवसायी विक्रम राठी तथा दो पुत्रियों का जन्म हुआ। पति के असामयिक निधन के बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी इन पर ही आ गई। स्वयं ने इन्हें निभाते हुए सभी संतानों को उच्च शिक्षा प्रदान कर उनके विवाह सम्पन्न करवाये।

लायंस से ऐसे हुआ जुड़ाव

लगभग 22 वर्ष पूर्व एक सहेली की प्रेरणा से लायंस क्लब से सम्बद्ध हुईं। सर्वप्रथम लायनेस सदस्या बनीं, 2 वर्ष बाद लायनेस अध्यक्ष, इसके पश्चात लायंस क्लब से सम्बद्ध हो गई और सतत 15 वर्षों से विभिन्न प्रकल्पों की डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन हैं। इस दौरान वरिष्ठजन, मंदबुद्धि बच्चों, निराश्रित आदि की सेवा के साथ आदिवासी अंचल के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया। 100 से अधिक बेस्ट चेयरपर्सन अवार्ड के साथ ही लायंस गोल्ड मेडल, लायंस इंटरनेशनल, लायंस मल्टीपल तथा लाईफ टाईम एचीवमेंट आदि अवार्डों से सम्मानित हुईं। गत दिनों उनकी समर्पित पीड़ित मानवता की सेवा को लेकर लायंस क्लब में उन्हें अत्यंत प्रतिष्ठित मदर टेरेसा सम्मान से नवाजा।

सेवा के वृहद आयाम

लासंस के माध्यम से सेवा के बावजूद समाज भी उनकी सेवाओं से अछूता नहीं रहा। माहेश्वरी समाज को भी श्रीमती राठी अपनी सक्रिय सेवा देती रही हैं। अंधेरी क्षेत्रीय महिला समिति मुंबई तथा राजस्थानी मंडल लोखंडवाला की सदस्या है। स्थानीय माहेश्वरी संगठन से तो लंबे समय से सम्बद्ध हैं ही अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत मुंबई प्रदेश की संगठन मंत्री भी हैं और इसके साथ राष्ट्रीय संगठन के प्रकल्प "सुगंधा" में सचिव पद की जिम्मेदारी भी निभा रही हैं।

नेकी के लिये किसी बड़ी योजना की जरूरत नहीं होती, बस मन में दृढ़इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। यदि यह मन में है तो एक दीवार भी आपके लिये "नेकी" का माध्यम बन सकती है। इसी संदेश के साथ "सेवा प्रकल्प नेकी की दीवार" की प्रेरणा स्रोत बनी हुई हैं, भीलवाड़ा निवासी वंदना नवाल, जो अब देशभर में मानवता की सेवा का माध्यम बन चुकी हैं।

'नेकी' की प्रेरणा वंदना नवाल

ईरान में ऐसी दीवारें हैं, जहाँ लोग जरूरतमंद लोगों को देने के लिये अपनी आवश्यक सामग्री रख सकते हैं। इसे वहाँ 'नेकी की दीवार' कहा जाता है। भीलवाड़ा निवासी प्रकाश नवाल की धर्मपत्नी वंदना नवाल को जब संचार माध्यमों से ईरान की "नेकी की दीवार" की जानकारी मिली तो उन्होंने भी ऐसा ही सेवा प्रकल्प प्रारंभ करने का संकल्प ले लिया। उनके इस संकल्प में सहयोगी बने उनके पति प्रकाश नवाल। यह विचार जब स्वयंसेवी संस्थाओं तक पहुंचा तो यह सोच अभियान बन गई। उनकी कॉलोनी आर.के.आर.सी व्यास के साथ ही भीलवाड़ा के अन्य क्षेत्र ही नहीं बल्कि देश के कई क्षेत्रों में भी "नेकी की दीवार" एक सेवा अभियान का रूप ले चुकी है आर.के.आर.सी व्यास कॉलोनी की नेकी की दीवार से प्राप्त कपड़ों व अन्य सामग्री को वितरण करने की जिम्मेदारी स्वयं श्रीमती नवाल अपनी साथी महिलाओं के साथ निभाती हैं।

बचपन से मिले संस्कार

श्रीमती नवाल का जन्म जन्माष्टमी के दिन अगस्त 1967 में अजमेर जिले के एक छोटे से गाँव में श्री राधेश्याम-पुष्पा दूदानी के यहाँ हुआ। पिताजी पंचायत समिति में ग्रामसेवक थे। परिवार के धार्मिक माहौल का बचपन से उन पर गहरा प्रभाव पड़ा। मात्र 10 वर्ष की आयु थी, तभी माता का साया सिर से उठ गया। इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपनी कुशाग्र बुद्धि से स्कूली शिक्षा के दौरान श्रीमती नवाल हमेशा पढ़ाई में तो अव्वल रहीं ही, साथ ही खेलकूद, वाद-विवाद तथा गायन संगीत में भी आगे रहीं। वे इन सब सफलताओं को अपनी स्वर्गवासी माता के आशीर्वाद का प्रतिफल मानती हैं।

पति बने सेवा पथ के साथी

सुश्री नवाल वर्ष 1985 में भीलवाड़ा निवासी शासकीय बीमा कंपनी में सेवारत प्रकाश नवाल के साथ परिणय सूत्र में बंध गईं। सेवा पथ पर पति का साथ व सास-ससुर का माता-पिता की तरह स्नेह मिला, तो उनकी समाजसेवा तथा आध्यात्मिक अभिरुचियों ने अपनी सफलता की यात्रा प्रारंभ कर दी। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं जैसे भारत विकास परिषद, रोटरी क्लब, आजादी बचाओ आंदोलन आदि कई संगठनों से जुड़ कर सेवा प्रकल्पों को गति प्रदान की। साथ ही सत्यसाईं सेवा संगठन एवं शिव योग स्वाध्याय परिवार से जुड़कर अपनी आध्यात्मिक प्रवृत्ति को पोषित किया। इसमें स्वामी सवितानंद जी सूरत, स्व. संतश्री शिरोमणिदासजी एवं पूज्य संतदासजी महाराज जैसी विभूतियों का आशीष भी मिला।

पर्यावरण के प्रति भी समर्पित

श्रीमती नवाल ने वर्ष 1995 में आरसी व्यास कॉलोनी के सेक्टर 10 में अपने निर्माणाधीन निवास के सामने से पौधारोपण का जो अभियान शुरू किया वह गत 21 वर्षों से आज तक नियमित चल रहा है। प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पौधारोपण करवाना तथा उनका पालन सुनिश्चित करना आपका जुनून है। उनके आवास के मार्ग को आज जनसामान्य अत्यंत सराहना तथा प्रसन्नता से निहारते हैं। केंद्रीय सचिव भारत सरकार तथा अन्य संस्थाओं द्वारा उन्हें कई बार वृक्ष मित्र जैसे सम्मान से नवाजा गया है। नेपाल भूकंप की त्रासदी के समय अपने आवास से श्रीमती नवाल ने छोटी सी राहत सामग्री भेजने का संकल्प लिया परंतु मित्रों-शुभचिंतकों के सहयोग से एक ट्राला राहत सामग्री मात्र 4 दिनों में संकलित हुई तथा उसे नेपाल भिजवाया गया। अपने मित्रों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में भी पोषाक वितरण, कालीन, दरी, वाटर कूलर जैसी सामग्री के वितरण जैसी कई प्रकल्पों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

नारी का सम्मान उसके सशक्तीकरण में ही निहित है। इसके लिये जरूरी है, उसका सामाजिक, शैक्षणिक तथा आर्थिक विकास। जोधपुर निवासी समाजसेवी पूर्णिमा काबरा एक ऐसी ही समाजसेवी हैं, जो इन्हीं तीनों आयामों से नारी के सशक्तीकरण के लिये समर्पित हैं। इसके साथ सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में भी वे पीछे नहीं हैं।

नारी सशक्तीकरण की ज्योति पूर्णिमा काबरा

स्व. श्री महेश काबरा की धर्मपत्नी पूर्णिमा काबरा वर्तमान में समाजसेवा के क्षेत्र में जोधपुर शहर के लिये "लायंस की आवाज" बन चुकी हैं। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिये तो श्रीमती काबरा पूर्ण रूप से समर्पित ही हैं, उनके आर्थिक, सामाजिक व शैक्षणिक विकास के मामले में उन्होंने जो कार्य किया वह मिसाल बन गया। इसके साथ ही उन्होंने नेत्रहीनों, विकलांगों, अनाथ बच्चों आदि के हित में भी सतत रूप से कई कार्यक्रम आयोजित किये। समाज सुधार में उनके अभियान की तलवार छुआछूत, मद्यपान, तंबाकू, गुटखा, कन्याभ्रूण हत्या जैसे मुद्दों पर भी अचूक रूप से चली।

परिवार प्रेरणा और सम्बल

श्रीमती काबरा का जन्म 1 फरवरी 1962 को अहमदाबाद निवासी श्री दामोदर-श्रीमती गीता साबू के यहाँ हुआ। बचपन से सेवा पारिवारिक संस्कारों के रूप में ही मिली। पिता के साथ भाई सुरेंद्र व डॉ. बंशी साबू का भी सहयोग मिला। इसी का परिणाम है कि स्कूली शिक्षा के दौरान ही स्काउट-गाइड के रूप में सेवा देने लगी। मुंबई से बी.एससी. (गृह विज्ञान) के दौरान एनएसएस से सम्बद्ध रहीं। वर्ष 1981 में श्री महेश काबरा के साथ परिणय सूत्र में बंधकर जोधपुर आईं तो यहाँ के पारिवारिक वातावरण ने उनकी सेवा भावना को पंख लगा दिये। जेठ गिरिराज व कमलकिशोर काबरा तथा जेठानी गायत्री व इंदू काबरा से भी सम्बल मिला। वर्तमान में उनके परिवार में एमबीए तक शिक्षित पुत्र मुकुल काबरा, विवाहित पुत्री डॉ. पूजा-डॉ. मुकेश लड्ढा आदि शामिल हैं। सभी उनका सम्बल बने हुए हैं।

सतत चली सेवा यात्रा

श्रीमती काबरा ने महिला विकास, सामाजिक कुरीतियों, स्वास्थ्य व शिक्षा के लिये सिद्धा पुस्तक तथा कई लेख लिखे। ऑर्ट ऑफ लिविंग, आपदा समिति, जोधपुर माहेश्वरी महिला संगठन, जिला महिला मंडल, प्रेम वर्षा भजन मंडली व भगवती सेवा परिवार से भी संबद्ध रहीं। फिर भी उनकी दीर्घकालीन सेवा यात्रा लायंस के माध्यम से ही चली। लायंस क्लब जोधपुर फोर्ट की वर्ष 1996 में सदस्य बनीं। फिर लायन ट्विस्टर, लायन सचिव, उपाध्यक्ष तृतीय, द्वितीय, प्रथम व तीन सत्र में अध्यक्ष (2004, 2008, 2009) रहीं। प्रांत 323 ई 2 में चेयरमैन चंबल, चेयरमैन महिला विकास, सहचेयरमैन साइट फर्स्ट, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहचेयरमैन ओरियेंटेशन, सह चेयरमैन एक्सटेंशन (2009) रहीं।

सेवा ने दिलाया सम्मान

अपनी सेवाओं के लिये श्रीमती काबरा को वूमन इम्पारमेंट (2000), इंटरनेशनल प्रेसिडेंट एप्रेसिएशन अवॉर्ड (2002-05), वूमन डेवलपमेंट (2003-04), एक्सटेंशन अवार्ड (2004-05), हेल्प टू नीडी फॉर मैरिज (2004), बेस्ट प्रेसिडेंट (2003-04), मेंबरशिप यूथ (2004-05) इंटरनेशनल प्रेसिडेंट एप्रेसिएशन अवॉर्ड (2006-07) से सम्मानित किया जा चुका है। इसके साथ ही अंबेडकर चेतना सम्मान, स्पांसर क्लब, अंबेडकर चेतना सम्मान, तंबाकू गुटखा उन्मूलन तथा उत्कृष्ट समाजसेवा गतिविधियाँ, छवि निर्माण, श्रेष्ठ अध्यक्ष के साथ ही राष्ट्रीय समरसता के लिये राजीव एकता अवॉर्ड (स्वर्ण पदक) आंध्र भवन देहली आदि सम्मानों से भी सम्मानित हो चुकी हैं।

महिला विशेषांक

आमतौर पर ६९ वर्ष की अवस्था की कल्पना बेडरेस्ट के साथ ही होती है। लेकिन नागपुर निवासी प्रभा राकेश भैया एक ऐसी वरिष्ठ महिला हैं, जिन्होंने इस उम्र में राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया। पारिवारिक कारण से राष्ट्रीय स्तर पर स्पर्धा में शामिल नहीं हो पायी, अन्यथा वहां पर भी सफलता का ध्वज फहराने में पीछे नहीं रहती।

69 वर्षीय तैराक प्रभा भैया

इसे हौसले की जीत ही कहा जा सकता है कि कोई महिला 69 वर्ष की अवस्था में तैराकी स्पर्धा में राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल कर लें। यह सब सिद्ध कर दिखाया श्रीमती भैया ने। जिसने भी उनके हौंसले को देखा वह सराहे बिना न रहा। हर किसी की नजर उनके हौंसले को नमन करे बिना नहीं रही। गत 27-28 अगस्त 2016 को वर्धा में 19वीं महाराष्ट्र राज्य स्तरीय वेटरंस स्त्री एवं पुरुष तैराकी स्पर्धा आयोजित हुई। इसमें 65 से 69 वर्ष की महिला प्रतियोगियों की 50 मीटर की फ्री स्टाइल तैराकी में 69 वर्षीय श्रीमती प्रभा राकेश भैया ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यह स्पर्धा भी उन्होंने तब जीती जब मात्र दो दिन पहले ही उनका वायरल बुखार उतरा था। स्पर्धा आयोजन ''महाराष्ट्र स्टेट वेटरंस एक्वेटिक एसोसिएशन' ने वर्धा जिला वेटरंस एक्वेटिक असोसिएशन तथा जल-तरण परिवार वर्धा के सहयोग से नगर परिषद जल तरण तालाब वर्धा में किया था। पुरस्कार वितरण वर्धा जिले के सांसद व विदर्भ केसरी पहलवान रामदास तड़स की उपस्थिति में संपन्न हुआ था। प्रभा जी ने बताया कि राज्य स्तर पर गोल्ड मैडल लाने के बाद उनका हौसला काफी बढ़ा। इसका प्रतिसाद भी उन्हें मिला। इस स्पर्धा के बाद नेशनल लेवल की तैराकी स्पर्धा में भी उनका चयन हुआ लेकिन परिवार के निजी कारणों से वे इस स्तर की स्पर्धा में शामिल नहीं हो सकीं।

रहीं ऊर्जा से भरपूर

अमरावती के सुखदेवसिंह व सूरजकंवर चौहान के यहाँ 7 दिसंबर 1947 को जन्मी श्रीमती भैया बचपन से ही अत्यंत ऊर्जावान रहीं। उन्होंने एम.ए. हिंदी तक शिक्षा ग्रहण की। प्रभा जी अपने स्कूल और कॉलज के दिनों से ही फिजिकल एक्टिविटी से जुड़ी हुई है, वे कॉलेज के दिनों में फिजिकल ट्रेनर थी, वे राष्ट्रीयस्तर पर खो-खो खेल चुकी हैं। उन्होंने व्यायामशाला से तैराकी, बनेटी, लेझिम, लाठी-काटी आदि कलाएं भी सीख रखी हैं। इस उम्र में भी अपनी अलग-अलग प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिये वे अपने पति राकेश भैया और बेटे-बेटियों को श्रेय देती हैं। श्रीमती भैया ने बताया कि उन्होंने बचपन से तैराकी की है, लेकिन कभी स्पर्धा में भाग नहीं लिया, लेकिन इस बार उन्होंने प्रतियोगिता में जीतने के इरादे से भाग लिया। स्पर्धा के दो दिन पहले उन्हें वायरल फीवर हो गया, फिर भी हौसला नहीं टूटा। उन्हेंाने बताया कि वे जीवन में पहली बार तैराकी स्पर्धा में शामिल हुई और गोल्ड मेडल जीतकर आई। इस स्पर्धा में पूरे राज्य के तैराक शामिल हुए थे। विवाह पूर्व वे वर्धा के दशावंत महिला विद्यालय में शारीरिक शिक्षिका भी रह चुकी हैं।

बहुमुखी प्रतिभा की धनी

प्रभा भैया के बारे में खास बात यह है कि वे सिर्फ तैराक हीं नहीं है, इसके अलावा भी वे कई चीजे जानती और करती हैं। उन्होंने बताया कि वे मूर्तियां भी बनाती है, उन्होंने लकड़ी, कपड़ा, पत्थर, साबुन और कागज समेत कई तरह की अलग-अलग चीजों से गणेशजी की 108 प्रतिमाएं बनाई हैं। वे ट्रेडिशनल और मॉडर्न पेंटिंग भी करती हैं, पानी पर रंगोली भी बनाती हैं। इतना ही नहीं वे लिटरेचर से भी जुड़ी हैं। उनकी कई कविताएं और अलग-अलग विषयों पर आलेख देशभर की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न पाक कलाओं के बारे में भी क्लासेस लेती हैं। कई महिलाएं उनसे भोजन की तरह-तरह की रेसिपीज और टिप्स लेने आती हैं। उन्हें भजन और गार्डनिंग में भी खासी रुचि है। श्रीमती भैया अपनी साहित्यिक रूचि का कारण भी पारिवारिक माहौल को मानती हैं। मायके में तो उन्हें आर्य समाजी माहौल मिला ही ससुराल भी वैसा ही मिला, साहित्यिक, सुधारक, क्रांतिकारी, आर्यसमाजी। ससुर स्व. श्री कन्हैयालाल भैया जंगल आंदोलन में 1930 में 6 माह जेल जा चुके थे। सास स्व. श्रीमती सत्यवती भी हिंदी की ख्यात लेखिका थीं। उनकी 7 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी थीं।

सृजनात्मकता अर्थात् क्रिएशन सिर्फ शौक नहीं है। यदि इसे सम्मानजनक रूप से स्थापित किया जाए, तो यह नारी के लिये आत्मनिर्भरता व पहचान का माध्यम भी बन सकता है। इन्हीं शब्दों को चरितार्थ कर रही हैं, श्रीजी क्रिएशन की संचालिका व आ.प्रा. माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष हैदराबाद निवासी रेणु सारड़ा।

सृजनात्मकता की 'श्री' रेणु सारड़ा

क्रॉफ्ट की दुनिया में हैदराबाद निवासी रेणु सारडा एक जाना-माना नाम हैं। उनके व्यवसाय "श्रीजी क्रिएशन" के बनाये उत्पाद देश की सरहदों के बाहर भी अपनी धूम मचा रहे हैं। 22 साल से सफलतापूर्वक चल रहे इनके बुटीक में विवाह, जलवा, बर्थ-डे सहित अन्य अवसर के हिसाब से गिफ्ट, बैग, गिफ्ट हैम्पर आदि अनेकानेक युनिक वस्तुएँ मिलती हैं, जो देश में ही नहीं विदेशों में भी काफी प्रचलित हैं। अमेरिका के 10 से 12 बुटीक में इनके बनाये आइटम बेचे जाते हैं। इनके ग्राहक इनके मृदु व्यवहार व मीठी वाणी के कायल हैं। इनके बुटीक से सामान ले 20 से 25 जरूरतमंद महिलाएँ प्रदर्शनी लगा स्व-व्यवसाय कर रही हैं।

ऐसे चली सफलता की यात्रा

श्रीमती सारडा का जन्म 6 अप्रैल 1970 में ईटारसी के एक बहुत ही सामाजिक परिवार में नंदकिशोर-चंद्रकला राठी के यहाँ हुआ। शुरू से ही इनके पिता ने पाँचों बहनों को बेटों की तरह शिक्षित किया। माता-पिता का स्वप्न साकार करतें हुए इन्होंने बीएससी की डिग्री स्वर्ण पदक के साथ प्राप्त की। तत्पश्चात इनका विवाह बहुत ही सुलझे हुए विचार वाले उद्योगपति रमाकांत सारडा (हैदराबाद) के साथ हुआ। ससुर श्री सत्यनारायण सारडा व सासू माँ श्रीमती कमलादेवी के आशीर्वाद से इन्होंने 22 वर्ष पूर्व अपने निज व्यवसाय की श्रीजी क्रिएशन नाम से शुरू की थी।

समाजसेवा में भी सदैव आगे

परिवार व उद्योग को संभालते हुए पिछले 20 सालों से श्रीमती सारडा समाज से भी जुड़ी हैं व समाज के हर कार्यक्रम में सक्रिय भागीदार हैं। जीवन के प्रत्येक मोड़ पर इन्हें अपने पुत्र अभिनंदन व पुत्रवधू प्रणीता सारडा का पूर्ण सहयोग प्राप्त होता है। इसी के अंतर्गत श्रीमती सारडा वर्तमान में आप्र माहेश्वरी महिला संगठन के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा रही हैं। इससे पूर्व 2 सत्र तक मंत्री पद की जिम्मेदारी निभाई। अपने मंत्री काल में ही इन्होंने दो बार संपूर्ण आंध्र का भ्रमण कर नये स्थानीय संगठनों का गठन, सामाजिक कुरीतियाँ जैसे विवाह पर बढ़ते खर्च, उपेक्षित बुजुर्ग, कन्या शिक्षा आदि विषय पर कार्यशालाएँ आंध्र के विभिन्न जिलों में आयोजित की। इन कार्यों के लिये इन्हें अ.भा.मा.म.सं. द्वारा ग्वालियर में सर्वश्रेष्ठ मंत्री (प्रथम श्रेणी) के पुरस्कार से भी पुरस्कृत किया गया।

सेवा ने दिलाया सम्मान

इन्हें 2011 से समाज सुधार समिति हैदराबाद के तत्वावधान में झांसी की रानी पुरस्कार से नवाजा गया। 2013 में महिला सशक्तीकरण शिरोमणि अवार्ड दिया गया। इंडियन एक्सप्रेस की तरफ से इन्हें इनके कार्यों के लिये पुरस्कृत किया गया। मेरी सहेली मैगजीन में प्रकाशित इनके लेख "कैसे मनाएं दिवाली" व "गाय-गंगा-ग्रामीण काफी सराहे गये। उद्योग जगत में अब तक 100 से अधिक सफल प्रदर्शियां आयोजित कर चुकी हैं। अभी तो ये इनके लिए सफर है, मंजिल अभी बाकी है। इनके हिसाब से 'अगर हौसला है, तो मंजिल आपकी है। मंजिल है तो रास्ता आपके हिसाब से चलता है। रास्ता है तो भाग्य आप खुद लिख सकते हैं।'

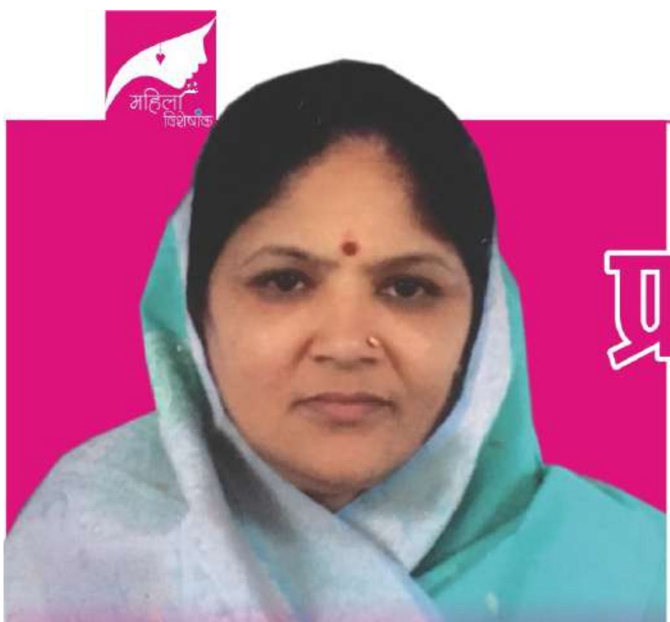

बैंगलोर का प्रकाश प्रकाश मूंदड़ा

कर्नाटक प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बैंगलोर की महिलाओं की एक विशिष्ट पहचान है। उसे इस गरिमामयी मुकाम पर पहुँचाने का श्रेय है, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन दक्षिणांचल की सहसचिव प्रकाश मूंदड़ा को।

सशक्त समाजसेविका, सबको साथ लेकर सबके सहयोग से कार्य करवाने की कला में निपुण, सहज, सरल एवं हंसमुख प्रवृत्ति वाली प्रकाश मूंदड़ा बैंगलोर महिला मंडल के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। आप हिंगनघाट निवासी स्व. श्री रतनलाल-रामप्यारीबाई बिसानी की सुपुत्री तथा स्व. श्री छोटूलाल-मीनाबाई के सुपुत्र रामगोपाल मूंदड़ा की धर्मपत्नी हैं। समाज के प्रति कुछ करने का जुनून तो पहले से ही था। श्री मूंदड़ा ने भी आपको हमेशा प्रोत्साहित किया। इसी जुनून ने उन्हें दिलाई विशेष पहचान। वर्तमान में श्रीमती मूंदड़ा अभा माहेश्वरी महिला संगठन में दक्षिणांचल सहसचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

बैंगलोर में स्थापित किया संगठन

बैंगलोर की महिलाओं को संगठित करके 1992 में महिला मंडल बैंगलोर की स्थापना करने में आप सबसे आगे थीं। 4 साल सचिव का पद संभालने के पश्चात 1996 से 2000 तक अध्यक्ष का पद संभाला। इस सत्र में पहली बार अ.भा. स्तर पर किशोरियां एवं महिलाओं को ले जाकर उनके हुनर को बड़ा मंच देने की कोशिश की। उनके सभी प्रयासों को देखकर अ.भा.मा.म. मंडल ने उन्हें उत्कृष्ट कार्यकर्ता का पुरस्कार दिया। समाज में श्रीमती मूंदड़ा की सक्रियता को देखते हुए कर्नाटक गोआ प्रांतीय माहेश्वरी महिला मंडल के तृतीय सत्र 2001 में अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

संगठन में यादगार आयोजन

वर्ष 2003 में दक्षिणांचल माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम बैठक का आयोजन सिंजारा के रूप में आज भी याद किया जाता है। वर्ष 2004 में प्रदेश स्तर पर कार्यकर्ता शिविर आयोजित किया। 2005 में बेलगाम में किशोरी विकास शिविर के आयोजन साथ पदाधिकारियों को साथ लेकर प्रदेश भ्रमण करवाया जिससे कर्नाटक के छोटे गांव भी आपस में जुड़े और कर्नाटक को अखिल भारतीय स्तर पर एक पहचान मिली। उसी साल, आपको अ.भा.मा. म. संगठन की ओर से सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का सम्मान मिला। 2001 से 2008 तक आपने कर्नाटक अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। वर्ष 2009 में आपको अ.भा.म.सं. कार्यसमिति सदस्य कार्यगौरव से सम्मानित किया गया।

अब संगठन के शिखर की ओर

अटल इरादे के साथ रक्तदान शिविर, नेत्र चिकित्सा शिविर, बाल संस्कार शिविर तथा समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन करवाये। विविध कार्यक्रम के माध्यम से समाज की महिला एवं किशोरियों में छिपी प्रतिभाओं को आगे लगाकर अखिल भारतीय स्तर पर पहुंचाने का काम हमेशा किया और कर रही हैं। सन 2016 में हरिद्वार में अ.भा.मा.सं. मंडल की कार्यसमिति संगठन की बैठक में दक्षिणांचल सह सचिव का कार्यभार उन्हें दिया गया। अब इसके साथ श्रीमती मूंदड़ा राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे रही हैं।

समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

卐

Shridhar Kabra

Cotton Brokers

Sthanak Gali, Bapu Bazar,
Bijainagar-305624 (Ajmer) Raj.
Ph. : (O) 01462-230135, (R) 230291, 230935

Branch Office : Near Railway Station,
Beawar - 305901 (Ajmer)
Ph. : 01462-250214

श्रीधर काबरा
94606-09703

दिलीप काबरा
94131-34735

नवीन कुमार काबरा
94140-08135

जब ठीक से चलना भी नहीं आता था, उस समय भी उनके नन्हें हाथ कुछ न कुछ बनाना चाहते थे। फिर जब इन हाथों ने ब्रश थामा तो फिर कल्पना का संसार सजने लग गया। यहाँ हम बात कर रहे हैं, उज्जैन निवासी शौकिया कलाकार आशा मंत्री की।

कल्पना का संसार सजाती आशा मंत्री

SMT टीम

उज्जैन माहेश्वरी समाज के प्रतिष्ठित सदस्य प्रमोद मंत्री की धर्मपत्नी आशा मंत्री की पहचान एक ऐसी कलाकार के रूप में है, जिन्हें अपनी कल्पना को साकार रूप देने में महारथ हासिल है। उनके हाथों ने न सिर्फ कई सुंदर पेंटिंग्स व हस्तशिल्प को साकार रूप दिया बल्कि अपने बेटे की शादी का निमंत्रण-पत्र भी इतनी खूबसूरती से सजाया कि हर कोई उनकी प्रशंसा किये बिना नहीं रह सका। बताया जाता है कि श्रीमती मंत्री की पेंटिंग्स की दो बार ग्वालियर में प्रदर्शनी भी लग चुकी है। उन्होंने मांगलिक अवसर पर उपयोग में आने वाले चाक के घड़ों को भी अपनी पेंटिंग से अत्यंत खूबसूरती से सजाया है।

बचपन से चली कला यात्रा

श्रीमती मंत्री का जन्म 30 मई 1965 को श्री बालकृष्ण-प्रेमकांता भूतड़ा के यहाँ इरोड़ (तमिलनाडु) में हुआ। फिर उनका परिवार व्यावसायिक कारणों से इंदौर (मप्र) आ गया। परिवार में कला का माहौल था। बड़ी मम्मी शोभा पसारी भी एक अच्छी कलाकार रही। अतः बचपन से ही कला का माहौल मिला। कुछ समय के लिये आर्ट्स एण्ड क्रॉफ्ट्स क्लास में प्रशिक्षण भी लिया। वैसे शिक्षा तो एम.ए. पूर्वार्द्ध (अंग्रेजी साहित्य) तक प्राप्त की लेकिन बी.ए. के दौरान पेंटिंग व म्यूजिक उनके विषय रहे। अतः उनकी कला सतत संवरती चली गई।

पति ने दिया प्रोत्साहन

श्रीमती मंत्री वर्ष 1988 में उज्जैन निवासी प्रमोद मंत्री के साथ परिणय बंधन में बंध गईं। विवाह के बाद पति का प्रोत्साहन मिला तो उनकी कला यात्रा सतत चलने लगी। यहाँ उन्होंने आर्ट क्लास भी प्रारंभ की और ग्वालियर में प्रदर्शनी भी आयोजित की। फिर पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण क्लास तो बंद करनी पड़ी लेकिन शौकिया तौर पर उनकी यह कला यात्रा फिर भी सतत जारी रही। उनके हाथों से सजा उनका घर स्वयं उनकी कला की कहानी कहता है। उनके प्रोत्साहन व प्रेरणा से बेटी पलक मंत्री भी कला के क्षेत्र में अग्रसर हुईं। पलक अभी एक प्रोफेशनल इंटीरियर डिजाईनर हैं और प्रख्यात कंपनी एशियन पेंट्स को कलर कन्सलटेंट के रूप में सेवा दे रही हैं।

सेवा के लिये पद की लालसा नहीं

श्रीमती मंत्री विवाह पूर्व युवती संगठन इंदौर की अध्यक्ष रही हैं। अतः समाजसेवा की भावना तो उनमें हमेशा से ही रही लेकिन विवाह बाद पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण बिना किसी पद की जिम्मेदारी के निःस्वार्थ भाव से समाजसेवा करने का निर्णय कर लिया। श्रीमती मंत्री स्थानीय महिला संगठन को एक निःस्वार्थ व समर्पित कार्यकर्ता के रूप में यथासंभव सहयोग देती रही हैं। हर जरूरतमंद की सहायता व सुख-दुःख में सहयोगी होना उनकी अपनी विशिष्ट विशेषता है।

भाग्य नगर की 'गौरव' गंगा सोमानी

दृढ़ इच्छा शक्ति के सामने हर परिस्थिति नतमस्तक हो जाती है। इन पंक्तियों को चरितार्थ करने हुए न सिर्फ भाग्यनगर (तेलंगाना) की गंगा सोमानी ने अपने परिवार को आर्थिक ही सम्बल दिया बल्कि अन्यों को भी समर्थ तथा शिक्षित बनाने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। इन्हीं उपलब्धियों ने उन्हें बना दिया "गौरव"।

भाग्य नगर तेलंगाना निवासी गंगा सोमानी न सिर्फ समाज बल्कि शहर की महिलाओं के लिये भी आदर्श है। इसका कारण उनके अत्यंत दृढ़इरादे और संकल्प शक्ति है। यही कारण है कि चाहे उनके कदम आत्मनिर्भरता के लिये उठे या समाजसेवा के लिये उन्होंने हर जगह सफलता का ध्वज ही फहराया।

संघर्षों से जीवन की शुरुआत

सन 1945 ऋषि पंचमी के दिन स्व. श्री रामकृष्ण धूत एवं माता श्रीमती पार्वतीदेवी धूत के यहाँ जन्मी गंगा सोमानी ने राजा बहादुर सर बंसीलाल बालिका विद्यालय, बेगम बाजार से पीयूसी साहित्य विशारद की शिक्षा प्राप्त की। 28 नवंबर 1960 को स्व. श्री गंगाप्रसाद सोमाणी के साथ विवाह हुआ। विवाह उपरांत तीन पुत्री व एक पुत्र का जन्म हुआ। अचानक पति का देहांत 1977 में हो गया। तत्पश्चात बच्चों की पढ़ाई व घर का भार कंधों पर पड़ गया। इतना ही नहीं 1984 में पुत्र का भी मात्र 23 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया। फिर भी आत्मनिर्भर होकर तीन पुत्रियों का विवाह समय रहते किया व स्नातक तक शिक्षित भी किया।

संघर्षों से जीवन की शुरुआत

जीवन बहुत संघर्षमय था। अतः घर चलाने के लिए कई तरह के छोटे-छोटे कार्य किए। अंत में 1993 में "अपना घर" भोजनालय नाम से एक छोटा सा रसोई का काम शुरू किया। जैसे-जैसे काम बढ़ते गया, इसमें काम करने वाली महिलाएँ जुड़ती गईं। इसके चलते छह महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला। "अतिथि देवो भवः" की परंपरा को चरितार्थ करना ही ध्येय था। इसके चलते कम पैसों में अच्छे से अच्छे पवित्रता से बने गरम व ताजा भोजन की सेवा लोगों को प्रदान की।

समाजसेवा पथ की यात्रा

पिताजी ने जन्म से ही समाजसेवा की घुट्टी पिलाई थी। अतः बचपन से ही कुछ न कुछ करने की चाह बनी रहती थी। समय-समय पर कई जगह कार्यक्रम संचालन का कार्य भार संभाला। नाम, पद, फोटो की कहीं भी कभी भी लालसा नहीं रही। वर्ष 1973 से भाग्यनगर में जो भी संत पधारते थे उनके रामायण, भागवत आदि प्रवचन के आयोजन के लिये निःस्वार्थ भाव से अपनी टीम को साथ लेकर पूरा समय देकर कार्यभार संभाला। पूज्य रामचंद्रजी डोंगरे महाराज की कथा से यह यात्रा शुरू हुई जो निरंतर चल रही है।

सेवा ने दिलाया सम्मान

बिना पद की लालसा के चली उनकी सेवा यात्रा की महक अपने-आप तक कभी कैद नहीं रह सकती। यही कारण है कि न चाहते हुए भी श्रीमती सोमानी को कई संगठनों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इसमें आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन का समाज गौरव, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच और आंध्रप्रदेश प्रांतीय मारवाड़ी मंच का महिला गौरव, भारतीय संस्कृति निर्माण परिषद हैदराबाद का महारानी झाँसी पुरस्कार, आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का लाईफ टाईम एचीवमेंट तथा असामियां बाजार महिला संगठन का भी लाईफ टाईम एचीवमेंट अवॉर्ड जैसे सम्मान शामिल हैं।

लेखन उन्हें प्रकृति प्रदत्त रूप से मिला। मात्र 8 वर्ष की उम्र में रच डाली 'कविता'। फिर जो कलम की यात्रा चली तो थमी जरूर लेकिन रुकी नहीं। यहाँ हम बात कर रहे हैं, मालेगाँव निवासी उभरती कवयित्री-लेखिका सुमिता मूंधड़ा की।

कलम के संसार की उभरती नायिका सुमिता मूंधड़ा

SMT टीम

मालेगाँव (नासिक) निवासी समाज सदस्य राजकुमार मूंधड़ा की धर्मपत्नी सुमिता मूंधड़ा की पहचान वर्तमान में एक उभरती कवयित्री तथा लेखिका के रूप में है। गत दिनों श्री माहेश्वरी टाईम्स के अक्टूबर 2016 अंक में भी श्रीमती मूंधड़ा का श्री महेश वरिष्ठ नागरिक सभा तथा वरिष्ठ क्लब पर आधारित लेख का प्रकाशन हुआ था, जो काफी सराहा गया। मालेगाँव में माहेश्वरी टाईम्स के अक्टूबर अंक का वरिष्ठ नागरिक सभा में विमोचन हुआ और उन्हें सम्मानित भी किया गया। वर्तमान में कई पत्र-पत्रिकाओं में उनके आलेख प्रकाशित हो रहे हैं।

ऐसे चली जीवन यात्रा

श्रीमती मूंधड़ा का जन्म अक्टूबर 1976 में सुजानगढ़ में श्रीमती सरोज-श्यामसुंदर लढ़ा के यहाँ चार संतानों में सबसे बड़ी संतान के रूप में हुआ। चौथी कक्षा तक सुजानगढ़(राजस्थान) में पढ़ाई करने के बाद उनका परिवार कोलकाता आ गया। पिताजी का कोलकाता व मालदा में जूट का व्यापार है। यहाँ कॉमर्स ग्रेजुएट स्तर की शिक्षा प्राप्त कर सी.ए. की पढ़ाई शुरू की व पिताजी के अकाउंट्स का कार्य भी संभालने लगी। इसी बीच विवाह रमेशचंद्र मूंधड़ा सुजानगढ़ निवासी (वर्तमान में मालेगाँव निवासी) के पुत्र राजकुमार मूंधड़ा से हो गया। यहाँ खास बात यह थी कि विवाह के पूर्व एक-दूसरे से अनजान दोनों परिवारों ने पैतृक स्थान सुजानगढ़ को एक ही वर्ष 1984 में छोड़ा और अपने-अपने व्यापार के लिए क्रमशः कोलकाता व मालेगांव आकर बस गए। विवाह के बाद श्रीमती मूधंड़ा को सी.ए. इंटर की पढ़ाई गृह कार्य और पति राजकुमार को सी.ए. फाइनल की पढ़ाई अपने पिताजी का व्यापार (ग्रे क्लॉथ ट्रेडिंग और वस्त्र निर्माण फेक्टरी) सँभालने के लिए छोड़नी पड़ी। पढ़ाई छूटने की टीस आज भी उन दोनों के मन को कचौटती है। मातृत्व सुख का समय आया तो बहुत शारीरिक कष्टों से गुजरना पड़ा और मृत्यु के साथ बार-बार आंखमिचौली भी खेली। अंततः ईश्वर ने कृपा की और पुत्र ऋषभ गोद में आ गया। वर्ष 2013 में एक सड़क दुर्घटना में फिर एक बार मृत्यु को मात दी और छह माह बाद वापस पैरों पर चलने लगी।

बचपन से चली लेखन की यात्रा

बाल्यावस्था में 8 वर्ष की उम्र में उन्हें स्वरचित पहली कविता 'रविवार' के लिए स्कूल में पुरस्कृत किया गया था। यह प्रोत्साहन वरदान सिद्ध हुआ और उनकी कलम निरंतर चलने लगी। दसवीं में स्कूल की वार्षिक पत्रिका का संपादन कार्य किया। बहुत-सी पत्र पत्रिकाओं में कवितायें और लेख प्रकाशित होने लगे, ग्रेजुएट होते-होते वह एक एक छोटी कवियत्री-लेखिका कहलाने लगी थी। विवाह के पश्चात कुछ निजी कारणों की वजह से लेखन सिर्फ निजी डायरी तक ही सीमित हो गया था। यह उनके लिए बहुत बड़ा सदमा भी था। कभी-कभी मजबूरी में अपने सपनों को भी जीवन से निकालना पड़ता है। जीवनसाथी राज उनके लेखन के हमेशा पहले प्रशंसक रहे हैं। पिछले वर्ष पतिदेव ने अपने जन्मदिन पर तोहफे के रूप में उनकी कविता को मांग कर उनकी लेखनी को पुनर्जीवित कर दिया। पति और पुत्र रिषभ उनके लेखन के सपने को पूर्ण करने के लिए उन्हें प्रेरित करते हैं।

थमी पर फिर चली लेखनी

श्रीमती मूंधड़ा महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल, श्री महेश वरिष्ठ नागरिक सभा और लायंस क्लब ऑफ मालेगाँव साउथ जैसी संस्थाओं से जुड़ी हैं। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उनके लेख व कवितायें फिर से प्रकाशित होने लगे हैं। आप फेसबुक पर 'मेरी कलम से-मेरी कवितायें' भी पढ़ सकते हैं। फेसबुक पर उनकी कविता 'माँ की सीख-बेटी की टीस' को साहित्यपीडिया द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में लोकप्रिय कविता के रूप में चयन किया गया है। वर्तमान में लायंस क्लब ऑफ मालेगाँव साउथ की बुलेटिन 'फोकस-सेवा का शतक' का संपादन कार्य किया और क्लब के कार्यक्रमों का संचालन कर रही हैं। इस वर्ष की माहेश्वरी प्रगति मंडल, मालेगांव द्वारा प्रकाशित होने वाली माहेश्वरी डायरेक्टरी के संपादन का कार्यभार भी श्रीमती मूंधड़ा को सौंपा गया है।

बहुमुखी प्रतिभा की सेवा पथिक
ममता राठी

समाज सेवा का पथ वास्तव में अपनी प्रतिभाओं का जनहित में उपयोग ही है। बिल्सी (उ.प्र.) की ममता राठी एक ऐसी ही समाजसेवी हैं, जो अपनी प्रतिभा का उपयोग समाज की प्रतिभाओं को संवारने में कर रही हैं।

वैसे तो बिल्सी (उ.प्र.) निवासी सुनील राठी की धर्मपत्नी ममता राठी वर्तमान में स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष हैं। फिर भी उनकी सेवाओं को मात्र किसी पद विशेष की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं किया जा सकता। अपने संगठन के साथ यदि वे समाज के उत्थान में जुटी हैं, तो अपनी प्रतिभा के साथ प्रतिभाओं को गढ़ने में भी। उनका संगीत कार्यक्रमों की शान व इसमें रुचि रखने वालों के लिये मार्गदर्शक है तो परालौकिक वास्तु, ज्योतिष व आध्यात्म का ज्ञान लोगों के जीवन को संवारने में उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

मायके में संवरी प्रतिभा

श्रीमती राठी का जन्म कासगंज (उ.प्र.) में श्री सूरजप्रसाद व गायत्रीदेवी राठी के यहाँ हुआ। सन् 1977 में इण्टरमीडिएट की परीक्षा म्यूनिसिपल गर्ल्स इंटर कॉलेज से उत्तीर्ण की। सन् 1978 में शीतलाखेत (उत्तराखंड) से दक्षता बैजों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसी वर्ष निर्झणी सांस्कृतिक परिषद से विशिष्ट पुरस्कार प्राप्त किया। सन् 1979 में स्नातक की परीक्षा म्यूनिसिपल गर्ल्स डिग्री कॉलेज (आगरा विश्वविद्यालय) से उत्तीर्ण की। फिर एम.ए. हिंदी व एम.ए. म्युजिकल (इंस्ट्रूमेंट) की उपाधि प्राप्त की। सन् 1979 में हिस्ट्री एसोसिएशन की ओर से आयोजित भाषण प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया। सन् 1979 में रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एन.सी.सी. का सर्टीफिकेट जी पार्ट-2 प्राप्त किया। सन् 1981 में श्री हरिदास संगीत विद्यालय द्वारा आयोजित अ.भा. स्व. पं. डालचंद संगीत प्रतियोगिता (आगरा) में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

ससुराल में संवरी समाजसेवा

श्रीमती राठी का विवाह 16 अप्रैल 1983 को बिल्सी (उ.प्र.) के प्रतिष्ठित राठी परिवार में सुनील राठी के साथ हुआ। यहाँ आकर इन्हें समाजसेवा का ऐसा माहौल मिला कि वे अपनी सम्पूर्ण प्रतिभा के साथ समाज को अपनी सेवा देने लगी। सन् 1988 से 1999 तक माहेश्वरी महिला मंडल की मंत्री के रूप में कार्य किया। इसके बाद 1999 में माहेश्वरी महिला मंडल के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। इसके साथ वास्तुशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र तथ आध्यात्म के क्षेत्र में भी वर्तमान समय में कार्यरत हैं। इन जिम्मेदारियों को वहन करती हुईं पुत्र समीर व प्रशांत सहित सम्पूर्ण परिवार की जिम्मेदारी भी सफलतापूर्वक निभा रही हैं।

60 की उम्र में गीता कंठस्थ
किरण मूंदड़ा

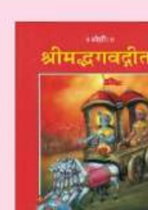

इरादे बुलंद हों तो कोई भी बाधा आपको मुकाम हासिल करने से रोक नहीं सकती। यहां तक की आपकी उम्र भी रुकावट नहीं बनती। जिस उम्र में लोग भुलक्कड़ हो जाते हैं, कुछ नया करने में असहमति जताते हैं वहाँ समाज की वरिष्ठ किरण-दलसुख मूंदड़ा, पुणे ने साठवें जन्मदिन पर गीता कंठस्थ करने का प्रण लिया और 2 साल मे उन्होंने न सिर्फ गीता कंठस्थ की बल्कि कर्नाटक से ली जाने वाली गीता की परीक्षा में सफलता भी अर्जित की एवं 21,000 का पुरस्कार भी प्राप्त किया। जगद्‌गुरु शंकराचार्य के हस्ते इन्हें ये पुरस्कार प्राप्त हुआ।

बचपन से तीक्ष्ण बुद्धि

मालेगांव निवासी दामोदर काबरा की सुपुत्री किरणकांता बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि की स्वामिनी रहीं। स्कूल और कॉलेज में वे सर्वोच्च स्थान पर रहीं। बीकॉम तक शिक्षा पूर्ण कर दलसुख मूंदड़ा से विवाह बंधन में बंधीं। दो पुत्रियों व एक पुत्र के पालन-पोषण के साथ स्वयं के व्यक्तित्व को भी निखारती गईं। रैकी का प्रशिक्षण लेकर रेकी मास्टर बनी व लोगों को निरोगी किया। कविता लेखन में भी माहिर हैं और कई कवि सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं।

नागपुर निवासी सावित्री लाखोटिया न तो किसी समाजसेवी संगठन से जुड़ी हैं, न संस्था से। बस मन में किसी का दर्द बांटने की इच्छा उत्पन्न हुई और अकेली ही चल पड़ी, दर्द से कराहती मानवता की सेवा के लिये। कोई सहयोगी मिला तो ठीक, वरना तन्हां ही सही।

जरूरतमंदों की मसीहा सावित्री लाखोटिया

नागपुर में समाज सदस्य घनश्याम लाखोटिया की धर्मपत्नी सावित्री लाखोटिया की पहचान एक "घोषित" समाजसेवी के रूप में तो नहीं है, लेकिन एक ऐसी मानवता की पुजारी के रूप में अवश्य है, जो हर जरूरतमंद की मदद के लिये तत्पर रहती हैं। वे इसके लिये किसी संस्था से जुड़ी नहीं हैं, लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर ही यथासंभव सहयोग देने में पीछे नहीं रहतीं। इसके साथ ही श्रीमती लाखोटिया एक लेखिका भी हैं। विभिन्न विषयों पर उनके लिखे शिक्षाप्रद लेख समय-समय पर दैनिक भास्कर, माहेश्वरी एकता, मकराना, माहेश्वरी नागपुर व माहेश्वरी सेवक बीकानेर आदि कई पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। उनका कहना है कि जो भी किया वो खुद के लिए किया-'मुझे और मेरे मन को ये सब करके सुकून मिलता है, बस इसीलिए मैं करती हूं।

कैसे करती हैं सेवा

श्रीमती लाखोटिया जरूरतमंद मरीज को खिचड़ी, दलिया, जूस, सूप, जो आवश्यक हो स्वयं अस्पताल में देकर आती हैं। गरीब मरीजों के ईलाज और दवाइयों का बिल यथासंभव कम करवा देती हैं। किसी मरीज के पास यदि कोई अपना नहीं, पास बैठने और संभालने वाला न हो तो उसके साथ समय बिताकर कुछ हद तक उसे भावनात्मक मजबूती देती हैं। आर्थिक रूप से अनासक्त मरीजों को किडनी ट्रांसप्लांट जैसी जरूरत होने पर लोगों से संपर्क कर उनकी आर्थिक मदद भी की है।

आत्मसंतोष ही सबसे बड़ा पुरस्कार

श्रीमती लाखोटिया ने अपनी इन सेवाओं के बदले कभी कोई अपेक्षा नहीं की, लेकिन उन्हें जो प्रसन्नता तथा आत्म संतोष मिला वह किसी पुरस्कार से भी बड़ा है। अक्सर मरीज इन्हें अपनी बहन या बेटी बनाकर जाते हैं। कोरबा से आए एक मरीज ने इलाज के बाद 10 साल तक उनसे फोन पर संपर्क रखा, अपने शहर अपने घर बुलाया। संपर्क तब छूटा जब उनके जीवन छूट गया। इन निःस्वार्थ सेवा के लिये श्रीमती लाखोटिया का सम्मान माहेश्वरी सभा, गोंदिया, मरूधर महोत्सव नागपुर, ज्येष्ठ माहेश्वरी महासभा नागपुर, नागपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन आदि ने भी किया है।

कैसे चली सेवा यात्रा

श्रीमती लाखोटिया का जन्म 5 मई 1950 को भाटापारा (छग) में श्री बद्रीनारायण गंगादेवी मूंदड़ा के यहाँ हुआ। फिर 1969 में नागपुर निवासी घनश्यामदास लाखोटिया के साथ परिणय सूत्र में बंध गईं। उनकी सेवा की शुरुआत की भी अजीब कहानी है। वर्ष 1994 में एक दिन अपने आँगन में खड़ी थी, पास के निजी अस्पताल में भर्ती किसी मरीज के बेटे ने विनती कि गोंदिया से आया हूँ, क्या आप मेरी माँ (जो कि अस्पताल में भर्ती थीं) के लिए खिचड़ी बनाकर दे सकती हैं, उन्होंने सहर्ष स्वीकृति दी और लगातार 3 दिन तक उन्हें आवश्यक भोजन देती रहीं। फिर सोचा उनसे मिलकर आएं, जिनके लिए भोजन भेज रही है। उस गुप्ता परिवार से मिलकर, उनकी माँ से मिलकर मानो परोपकार के लिए प्रेरणा मिल गई और तब से आज तक ये सिलसिला अनवरत चल रहा है।

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है, बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

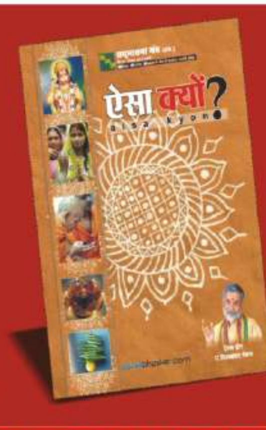

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ तो फिर...

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "ऐसा क्यों?" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, सांवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मोबाईल - 094250-91161

सेवा पथ की रोशनी
मीना सांवल

किरण मूंदड़ा, नागपुर

कर्मठ और समाजसेवा को समर्पित मीना सांवल माहेश्वरी समाज में क्षेत्रीय ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर एक जाना माना चेहरा हैं। सन 1952 में ऋषि पंचमी के दिन खापरखेड़ा (पिपरिया, मप्र) में श्री खयालीराम और श्रीमती कमलादेवी घुरका के यहां जन्म हुआ। बचपन से ही जरूरतमंद लोगों की मदद करने की इच्छा तो थी ही, किंतु इन कार्यों के लिए प्रेरणा बनकर जीवन में आए उनके पति वसंत सांवल। इनसे विवाह 12 मई 1967 को हुआ और फिर शुरू हुआ समाजसेवा का सफर, जो अब तक अनवरत चल रहा है। अपने पारिवारिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह भी कुशलता से किया। परिवार में 2 पुत्रियां व एक पुत्र है, जो विवाहित हैं जो उनसे मिले संस्कारों की बदौलत अपने पारिवारिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन बखूबी कर रहे हैं।

ऐसी बदली जिंदगी

जब श्रीमती सांवल 32 वर्ष की थीं, तब किसी बीमारी की वजह से उनकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से चली गई थी। सारे इलाज कराने के बाद भी निराशा ही हाथ लगी किंतु कलयुग में भी ईश्वर के चमत्कार होते हैं इस बात का प्रमाण तब मिला, जब आपकी आंखों की रोशनी लौट आई। वे रामदेव बाबा की अनन्य भक्त हैं और अपनी आंखों की रोशनी को उन्हीं से मिला वरदान मानती हैं। एक माह से ज्यादा समय तक कुछ भी देख पाने में असमर्थ रहने की इस घटना ने आपके मन में दृष्टिहीनों की सेवा के प्रति विशेष लगाव पैदा कर दिया और उन्होंने उनकी समस्या समझने समाधान निकालने का संकल्प ले लिया।

सेवा के वृहद आयाम

श्रीमती सांवल अंध व जनकल्याण बहुदेशीय संस्था की संचालिका हैं तथा वर्ष 2011 में ज्ञान ज्योति स्कूल में उन्हें उनकी निःस्वार्थ सेवाओं के लिए अवॉर्ड भी प्रदान किया गया। 1997-98 में आप राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्ष तथा 2009-13 तक अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला समिति की विदर्भ अध्यक्ष रहीं। इनके कार्यकाल में ही एक्सपो नागपुर में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आपको बेस्ट प्रेसिडेंट का अवॉर्ड भी दिया गया। 2013 से सिद्ध शिव मंदिर कमेटी नागपुर की अध्यक्ष हैं। समाज के साथ शिक्षा के लिए भी समर्पित हैं। इसके अंतर्गत 2 इंजीनियरिंग तथा 8 अन्य जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की है। शिक्षा के लिए ऋण उपलब्ध कराने में यथासंभव मदद करती हैं। महिलाओं की सुरक्षा पर अभियान चलाती हैं और इस संदर्भ मे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भी मिल चुकी हैं।

आंखों की गई रोशनी ईश्वर ने क्या लौटाई, उनकी तो जिंदगी ही बदल गई। बस जीवन का लक्ष्य ही बन गया ईश्वर की कृति "इस दुनिया" को और भी खुशहाल बनाना। आइयें देखें ऐसी सेवा पथ की पथिक नागपुर निवासी मीना सांवल की सेवा की बानगी।

नारी सशक्तिकरण के लिये जरूरी नहीं कि उच्च शिक्षा ही प्राप्त की गई हो, बस जरूरी है तो दृढ़ इच्छा शक्ति। इस दृढ़इच्छा शक्ति के बल पर वह कैसे सफलता का शिखर छू सकती है, इसी का उदाहरण हैं लातूर निवासी समाजसेवी व उद्यमी कमला राठी का जीवन।

नारी सशक्तिकरण की ज्योति कमला राठी

मात्र आठवीं तक पढ़ी हुईं लातूर की कमला-विजय राठी सामाजिक महिला संगठन, बैंकिंग तथा कृषि जगत का एक प्रतिष्ठित नाम है। उन्होंने अपनी सफलता से यह साबित कर दिखाया कि उच्च शिक्षा की डिग्री न होते हुए भी मात्र सुसंस्कार, अच्छे विचार व सच्चे मन से किये गये प्रयास से कोई भी व्यक्ति उस ऊंचाई पर पहुंच सकता है, जो औरों के लिये प्रेरणा बन सकें। भुसावल (महाराष्ट्र) के जड़ी बुटी तथा किराना कारोबारी झंवर परिवार में 1 जून 1948 में जन्मी श्रीमती राठी को तीन बड़े भाइयों का लाड़-प्यार तो मिला ही साथ में मिला कड़ा अनुशासन तथा परिवारिक संस्कार।

पति बने सम्बल

जुलाई 1964 में 17 वर्ष की अवस्था उनका विवाह लातुर के उद्यमी विजय राठी के साथ हुआ। परिवार काफी बड़ा लेकिन अनुशासित है। सुसरजी का चुम्बकीय तथा नैचरोपॅथी का छोटा अस्पताल था, जो वे सेवाभाव से चलाते थे। साथ में कपड़े की दुकान एवं पुश्तैनी खेती थी। पति श्री राठी ने उद्यमी बनने का सपना लिये काफी मेहनत से कल्पकला हैंडमेड पेपर इंडस्ट्रीज की स्थापना की। पिछड़े इलाके में ऐसे साहसी कदम से काफी उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। इसमें श्रीमती राठी ने धैर्य से पति का साथ दिया। अपने गहने तक बेचने से पीछे नहीं हटी। आज इस इंडस्ट्री का नाम अपने क्षेत्र में एक ऊँचाई पर है, जिसका पेपर देश के विभिन्न शहरों में मिलता है। श्रीमती एवं श्री राठी के मार्गदर्शन में उनके दोनों पुत्र इस इंडस्ट्री को कुशलता से सम्भाल रहे हैं।

ऐसे मिली नारी सशक्तिकरण की प्रेरणा

पति के रोटरी के गर्व्हनर रहने के दौरान उनके साथ श्रीमती राठी ने इंग्लैंड, अमेरिका आदि देश के साथ भारत के विभिन्न भागों का भ्रमण किया। इस भ्रमण में उन्हें महिला संगठन एवं सशक्तिकरण की आवश्यकता समझ आयी। बस इसी से प्रेरणा लेकर वर्ष 1990 में राजस्थानी महिला मंडल की स्थापना साथी महिलाओं के साथ की। आज 700 महिला सदस्याओं वाले इस मंडल का कार्य लातूर शहर में अपने आपमें अनोखा है। इस संगठन ने सदस्य व समाज से 70 लाख रुपये की दानराशि संग्रह करके भव्य भवन का निर्माण किया। उत्तरोत्तर प्रगति करने वाले इस महिला मंडल की पूरी आर्थिक जिम्मेदारी आरंभ से लेकर आज तक श्रीमती राठी ही बखूबी निभा रही हैं।

हर क्षेत्र में शिखर की ऊँचाई

देहाती महिलाओं की उन्नति के लिये व्यवसायिक संगठन ''आदर्श महिला उद्योग'' की स्थापना की, जिसे विदेश से भी दानराशि प्राप्त होती है। ग्रामीण क्षेत्र में इस उद्योग का अपना महत्व है। इसके साथ ही जागृति महिला मंडल, माहेश्वरी महिला संगठन आदि संस्थाओं से भी श्रीमती राठी जुड़ी और अपनी अमिट छाप छोड़ी है। इस अनुभव के कारण ही बैंकिंग जगत में अग्रणी ''लक्ष्मी अर्बन को-ऑप. बैंक'' में उन्हें डायरेक्टर नियुक्त किया गया। कृषि क्षेत्र में भी उन्होंने कुछ अलग कार्य किया है। अपनी पुश्तैनी खेती में अलग-अलग परीक्षण करके न सिर्फ केमिकलमुक्त खेती करती हैं, बल्कि कृषि उपज बढ़ाने में सफलता भी प्राप्त की है। भिन्न फसलों के साथ 300 आँवला के वृक्ष उन्होंने लगाये हैं, जिसके फलों की विभिन्न आयुर्वेदिक कंपनियों में विशेष मांग है। सामाजिक जिम्मेदारी के साथ ही अपने पारिवारिक रिश्तों को भी उन्होंने बखूबी निभाया। बड़े परिवार में पति, दो पुत्र-दो पुत्री तथा दो बहुओं के साथ रिश्तों की मधुरता को लेकर भी श्रीमती राठी ने एक अनोखी मिसाल कायम की है।

योग्यता की उड़ान भरें, प्रतिद्वंदिता की नहीं

वर्तमान में नारी अपनी पूरी सामर्थ्य से अपनी योग्यता की उड़ान भरने के लिये तैयार हैं। इसके बावजूद समाज कई समस्याओं से जूझ रहा है। हमने कोशिश की अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष 'कल्पना गगडानी' से यह जानने की, कि आखिर संगठन कैसे लगाऐगा महिलाओं को सफलता के पंख

आपको श्री माहेश्वरी टाईम्स की ओर से विश्व महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के रूप में आपका कार्यकाल सफल हो ऐसी शुभकामनाएं।

धन्यवाद!

आप न सिर्फ महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, बल्कि विदुषी भी हैं। क्या आप हमारे पाठकों को यह बताएंगी कि विश्व महिला दिवस क्यों मनाया जाता है? इसके उद्देश्य क्या हैं?

असफलता को हटाकर विश्व के सभी राष्ट्रों में महिलाओं को मान-सम्मान के साथ समान अधिकारी दिलवाने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ का यह प्रयास है। महिलाओं में इस दिवस से आत्मविश्वास बड़ा है।

आपकी नजर में क्या वर्तमान में माहेश्वरी समाज में महिलाओं की स्थिति पुरुषों के समतुल्य है? क्या उसे समाज में कमतर नहीं माना जाता?

आपका ये प्रश्न विशद है। तुलनात्मक रूप से तो सभी समाजों में महिलाओं की दशा पहले से बहुत बेहतर हुई है। माहेश्वरी समाज अपेक्षाकृत महिलाओं का अधिक सम्मान करता है। समतुल्यता के पैमाने अभी क्या माने? हां, हमें अभी और जूझना पड़ेगा।

वर्तमान में नारी को अपनी विशिष्ट पहचान व सम्मान स्थापित करने के लिये क्या करना चाहिऐ?

विशिष्ट पहचान और सम्मान स्थापित करने के लिये नारी को कोई विशेष कार्य करने की जरूरत नहीं है। वह गृहिणी के रूप में घर संसार संभाले, यही उसकी पहचान अति सम्मानीय है। फिर आज तो वो हमसे भी बहुत आगे दोहरी-तिहरी जवाबदारी उठा रही है। सम्माननीय तो क्या वह पूज्यनीय होनी चाहिये।

वर्तमान की प्रतिस्पर्धात्मक विकास यात्रा में नारी को अपने संस्कारों के साथ क्या समझौता करना चाहिये? यदि हाँ तो किस हद तक और कैसे?

विकास यात्रा में अनेकों परिवर्तन सभी को स्वीकार करने पड़ते हैं। वह समय की मांग होती है, फिर वह शिक्षा का व्यवसाय हो या परिवार व्यवस्था। फिर भी संस्कारों के साथ समझौता और उसकी हद क्या हो यह प्रश्न ही क्यों उठाया जाये? और हद निर्धारित करनी है तो यह हद मात्र महिलाओं के लिये ही क्यों? इसके दायरे में समाज का हर व्यक्ति, हर व्यवस्था होनी चाहिये।

महिला संगठन वर्तमान सत्र में नारी के विकास के लिये क्या-क्या कर रहा है?

महिला संगठन वर्तमान में ही नहीं सत्र दर सत्र महिलाओं व नारी विकास के ही कार्य कर रहा है। सफलता भी उसे बहुत प्राप्त हुई हैं, उसके कदमों ने रफ्तार पकड़ी है। इस सत्र में माहेश्वरी महिला अपने सर्वांगीण विकास के साथ-साथ समग्र समाज के विकास के लिए कार्य करने जा रही है। ग्राम विकास, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय समस्याओं के प्रति जागरुकता, स्वास्थ्य के प्रति सचेत करवाना, संस्कृति एवं स्वाध्याय का प्रचार प्रसार उसकी प्राथमिकताएँ हैं।

चाहे महासभा हो या महिला संगठन अक्सर यह मुद्दा उठता है कि संगठन की योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंद अर्थात बिल्कुल निचले वर्ग तक पूर्ण रूप से पहुंच नहीं पाता। आखिर इसका कारण क्या है? संगठन इसके लिये क्या करेंगा?

महिला संगठन की तमाम योजनाओं का केंद्र बिंदु स्थानीय स्तर है। हम श्रृंखलाबद्ध तरीके से सब से जुड़े हैं। समाज में हम तबके को महत्व नहीं देते हां, जिसे जिस सहायता या प्रेरणा या अवसर की आवश्यकता है, हम उसे वह पहुंचाने की पूरी कोशिश करेंगे। फिर वह धन हो, समय हो, प्रतिभा प्रसारण का अवसर हो, सख्य हो, सोच हो, जागरुकता हो सब हमारी जवाबदारी है।

वर्तमान दौर की समाज की सबसे विकट समस्या परिवार विग्रह और वैवाहिक सम्बंध जोड़ने में भारी परेशानी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवकों के विवाह आसानी से न होना है। क्या संगठन इसके लिये कुछ कर रहा है?

परिवार विग्रह रोकना और वैवाहिक संबंधों को जोड़ना इस दिशा में हम हर सत्र में कार्य करते रहे हैं। पिछले सत्र में हमारे तीन बड़े बायोडेटा बुलेटिन प्रकाशित हुए, सतत यह सुविधा चलती रही। परिवारों को विग्रह से रोकने की दिशा में हम कार्यरत रहे हैं। इस सत्र में भी हमारी समिति संवारणा, बायोडेटा कलेक्शन, परिचय सम्मेलन सामूहिक विवाह आदि कर रही है। परिवार विग्रह को रोकने के लिये विवाह पूर्व विवाह की मानसिकता की तैयारी, किशोरी विकास, नारी सुलभ गुणों का विकास आदि पर हमारी कार्यशालाएं, टॉक शो, वाट्सग्रुप आदि बहुत सक्रिय हैं।

आज विश्व महिला दिवस के अवसर पर समाज की महिलाओं को क्या संदेश देना चाहेंगी?

आज विश्व महिला दिवस पर समाज की बहनों को मैं संदेश देना चाहूंगी कि बड़ी लंबी जद्दोजहद के बाद हमें वस्तु से व्यक्ति बनने का अवसर मिला है। हमें भाग्यों से योग्या का सम्मान मिला है। योग्या की राह पर हमें आगे बढ़ना है। घर परिवार को सहेज कर बाहर की दुनिया में ऊंची उड़ान भरना है। हमारी ये उड़ान, हमारी क्षमता की उड़ान हो हमारे कार्यकौशल की उड़ान हो, हमारी बुद्धि विवेक की उड़ान हो, हमारे हुनर की उड़ान हो, प्रतिस्पर्धा की प्रतिद्वंद्विता का इसमें कोई स्थान न हो।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के अंतर्गत संचालित श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र समाज के नवउद्यमियों को आत्मनिर्भरता के लिये आर्थिक सहयोग प्रदान करता है। इसके अंतर्गत केंद्र द्वारा अभी तक 1500 से भी अधिक महिलाओं को सहयोग प्रदान किया गया है। इसमें अनेक महिलाओं ने अपने व्यवसाय एवं उद्योग में काफी प्रगति की है। उनका आत्म-विश्वास भी बढ़ा है। प्रस्तुत हैं उनमें से कुछ महिलाओं की कहानी उन्हीं की जुबानी।

आत्मनिर्भरता में सहयोगी बना श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र

मैं संचालित करती हूँ अपना बुटिक

मैं रितू मोहता पुत्री श्री नथमल मोहता बीकानेर की मूल निवासी हूँ। मैंने आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र से 1.50 लाख रुपए का सहयोग प्राप्त किया और पिछले 2 साल से बुटिक का कार्य कर रही हूँ। मैं अपना व्यापार स्वयं के बलबूते पर खड़ा करना चाहती थी। मैं प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टाणी से मिली और 1 महीने में मेरा ऋण स्वीकृत होकर चेक मेरे हाथ में आ गया। मैं बहुत ही खुश हुई और तत्पश्चात कोलकाता से कच्चा माल खरीद लिया। पहले मैं महीने में 10 हजार रुपए बचा रही थी। आज मेरी कमाई लगभग 18 से 20 हजार केवल व्यापार सहयोग केंद्र के ऋण से ही संभव हो पाई है। ऐसा मेरा मानना है।

- रितू मोहता, बीकानेर

मैं बनी आत्मनिर्भर

गत 2 वर्ष पूर्व मैंने घर में ही साड़ी का व्यवसाय शुरू किया। फिर केंद्र की इस योजना की जानकारी मुझे मिली और मैंने भी इस योजना का लाभ उठाया। इसी कारण मैं कामकाज सुचारु रूप से बढ़ा पाई हूं। एक साथ अपने हाथ में इतनी राशि आने के कारण और अच्छी क्वालिटी का माल भरने में आसानी होती है, और टर्नओवर भी बढ़ता है। मैं समाज के सभी भाई-बहनों से कहना चाहती हूं कि आपके दिल में कुछ करने की उम्मीद हो तो 'आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र' हर पल आपके संजोये सपनों को हकीकत में पूरा करने को तैयार है।

- सरोज गट्टानी, परभणी, महाराष्ट्र

मैं चलाती हूँ रेडीमेड शॉप

शादी के बाद जब मैंने कुछ करने की ठानी, तो मुझे लेडीज कॉर्नर का ख्याल आया। उस समय आर्वी में एक भी लेडीज कॉर्नर नहीं था। मेरे इस ख्याल मे मेरे पति व घरवालों ने भी मेरा साथ दिया। पर पूंजी इतनी नहीं थी। ऐसी स्थिति में हमें आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र के बारे में पता चला। हमने वहां अपील की और उन्होंने हमारा लोन पास किया। आज लेडीज आइटम से आगे बढ़कर रेडीमेड तक मैं पहुँची गयी। मैं इस संस्था की आभारी हूँ कि उन्होंने मेरी मदद करके मुझे आगे बढ़ने का हौसला दिया

- अर्चना नितिन सादानी, वर्धा

आज मेरी साड़ी की शॉप है

एक कुशल गृहणी रही हूँ, लेकिन मुझे हमेशा खुद में एक कमी महसूस होती थी कि मेरा जीवन बस घर की चाहरदीवारों में ही सिमट कर रह गया है। फिर मैंने घरवालों की सहमति से साड़ी का व्यवसाय करने का निश्चय किया। इसके लिये आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र ने मेरी बहुत बड़ी आर्थिक सहायता की। इसी का परिणाम है कि आज मैं अपना स्वयं का साड़ी का व्यवसाय चला रही हूँ। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि मैं आत्मनिर्भर व आत्मविश्वास महसूस कर रही हूँ मैं भी कुछ कर सकती हूँ।

- गीता सोनी, निजामाबाद

टैक्स सलाहकार का व्यवसाय

मैं आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की आभारी हूँ जिसके कारण मैं अपना इनकम टैक्स व सेल टैक्स रिटर्न फाइलिंग व्यवसाय संचालित कर रही हूँ। इसके लिये मुझे वर्ष 2010 में 1.5 लाख रुपए का लोन संस्था से प्राप्त हुआ। नियमित किश्त भुगतान पर वर्ष 2016 में द्वितीय लोन मिला जिससे मेरा व्यवसाय और अच्छी तरह स्थापित हो गया।

- विष्णु रामरतन सोमानी, भीलवाड़ा

मैंने प्रारंभ किया ब्यूटी पार्लर

मेरी इच्छा अपना ब्यूटी पार्लर प्रारंभ करने की थी। इसके लिये फर्नीचर व मशीनें खरीदनी थी। ऐसी स्थिति में आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र मेरा सहयोगी बना। मैंने आवेदन किया और उन्होंने मेरी प्रतिभा पहचान उसे शीघ्र स्वीकृत कर दिया। आज यदि मैं ब्यूटी पार्लर के माध्यम से अपनी प्रतिभा का सम्मानजनक रूप से उपयोग कर पा रही हूं तो इसका श्रेय केन्द्र को है

- मनीषा जाखोटिया, कल्याण (वेस्ट)

विकास का आधार नारी

चाहे नारी हाऊस वाईफ हो या कामकाजी वह हर स्थिति में विकास का आधार ही होती है। वही विकास के नये युग तथा विकासशील नई पीढ़ी की सूत्रधार है। नारी के इसी महत्व पर प्रकाश डाल रही हैं, पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की "सुलेखा समिति" संयोजिका जोधपुर (राज.) निवासी स्वाति "सरु" जैसलमेरिया

एक समय था जब भारत की नारी कुप्रथाओं की बेड़ियों में जकड़ी हुई थी। धीरे-धीरे नारी चेतना द्वारा समाज की सोच में बदलाव आया और पारम्परिक मूल्यों में परिवर्तन होता गया। वर्तमान भौतिकवादी युग है। आज बदलते परिवेश में अर्थ का महत्व बढ़गया है। अतः अब महिलाओं ने आर्थिक जगत में पैर पसारना शुरू किया। आज की नारी अपने पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर धनोपार्जन के लिए प्रयत्नशील हुई हैं। प्रत्येक क्षेत्र में अपनी गरिमा रोपित की है। जो कार्य पुरुष वर्ग करने को तत्पर रहता है, महिलाएं भी उस कार्य को सम्पादित करने में पूर्णतः दक्षता लिए हुए हैं। सामाजिक जीवन में युगानुरूप परिवर्तन के लिए राजा राममोहन राय, मदनमोहन मालवीय, स्वामी विवेकानंद, सरोजिनी नायडू, भगिनी निवेदिता आदि ने अथक परिश्रम किया। अब महिलाएं चाहरदीवारी से मुक्त होकर स्वतंत्र वातावरण में सांस लेने लगी हैं। आज की नारी विज्ञान, तकनीकी, उद्योग, व्यवसाय, शिक्षा, न्याय, अंतरिक्ष, खेल सहित कृषि व अनुसंधान के क्षेत्र में भी अग्रगण्य मानी जाने लगी हैं। अब वह पूर्णतः शिक्षित बनकर उच्च पदों पर आसीन हो, धनोपार्जन के लिए भी सशक्त बन गई हैं।

इक्कीसवीं सदी भारतीय नारी के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आज की नारी अबला नहीं सबला बन गई है। "अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आँचल में है दूध और आँखों में है पानी" वाली यह गुप्तजी की उक्ति निर्मूल हो चुकी है। वह अबलापन की भावनाओं को तिलांजलि देकर विकास के सोपान पर अग्रसर है। वह किरण बेदी तो कल्पना चावला भी है। गोल्ड स्मिथ ने कहा है कि "स्त्री पुरुषों की अपेक्षा अधिक बुद्धिमान होती हैं, क्योंकि वह जानती कम और समझती अधिक हैं। "भारतीय वायु सेना के सबसे बड़े जहाज आईपीएल 76 को उड़ाने वाली देश की प्रथम महिला पायलट वीणा सहारण ही हैं। गणतंत्र दिवस 2012 के समारोह के अवसर पर दिल्ली के राजपथ पर आयोजित होने वाली परेड में भारतीय वायु सेना की टुकड़ी का नेतृत्व करने वाली "स्नेहा" पहली महिला अधिकारी हैं। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम की विरासत को आगे बढ़ा रही अग्नि मिसाइल की प्रोजेक्ट डायरेक्टर केसी थॉमस को मिसाइल वुमन और अग्निपुत्री के नाम से गौरवान्वित किया गया है। व्यावसायिक संस्थानों में महिलाएँ रोल मॉडल का कार्य करने के सपनों को साकार कर रही हैं। एक सर्वे के अनुसार भारतीय महिलाओं की भागीदारी कुल उद्योगों में दस प्रतिशत है और यह भागीदारी निरंतर गतिशील है। बैंकिंग, केंद्र व राज्य सरकार, उद्योग जगत, स्वयंसेवी संस्थाओं, तकनीकी क्षेत्र आदि में दक्षता के साथ महिलाएं आगे बढ़रही हैं, क्योंकि इनकी नेटवर्किंग क्षमता सहयोगियों के साथ मधुर व्यवहार, स्थायित्व की मानसिकता, सीखने की जिज्ञासा, परिवर्तनों की बलवती इच्छा, स्वस्थ अभिव्यक्ति, सकारात्मक सोच, विनम्रता तथा आगे बढ़ने की उत्कृष्ट अभिलाषा आदि क्षमताओं का बाहुल्य है। इन्हीं गुणों के कारण प्रत्येक कार्य क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका उपादेय सिद्ध हुई है। इस संघटन से जुड़ी महिलाओं की परिचर्चा में उनके विचार

प्रथम गुरु और प्रेरणा

उर्मिला तापड़िया (अध्यक्ष) (पाली)
पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

भारतीय समाज मे नारी का देवी स्वरूपा स्थान है। आदर्श नारी धैर्य, त्याग, ममता, स्नेह, समर्पण, सहनशीलता, करुणा, दया आदि गुणों से परिपूर्ण है। नारी केवल नारी नही अपितु प्रेम एवं समर्पण की प्रतिमा है। कोई भी अनुष्ठान, कर्म व अभियान बिना नारी के पूरा नहीं माना जाता। जिस तरह एक पहिये वाली गाड़ी नहीं चल सकती ठीक उसी तरह एक स्वस्थ व सुंदर समाज की कल्पना बिना नारी की भागीदारी के असंभव है। घर व बाहर की दोहरी जिम्मेदारी निभाने वाली महिला शक्ति ने समाज हित व समाज को कुरीतियों से मुक्त कराने में पुरुषों से बढ़कर कार्य किए हैं। आज आवश्यकता है, नारी को मुख्यधारा से जोड़ने की, हमारे समाज मे उसके द्वारा निःस्वार्थ भाव से दी गई सेवा हर क्षेत्र में है। नारी सबको एक माला में पिरोये रखने का काम करती है। किसी भी समाज का स्वरूप वहां की महिलाओं की स्थिति पर निर्भर करता है। यदि महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ व सम्मानजनक है तो समाज भी मजबूत होगा। दोहरे दायित्वों को निभाने वाली महिलाओं ने सिद्ध कर दिया है कि समाज की उन्नति आज केवल पुरुषों के कंधे पर नहीं अपितु समाज उनके हाथों का सहारा लेकर ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहा है। महिला सृष्टि का उत्सव, मानव की जननी, बालक की प्रथम गुरु तथा पुरुष की प्रेरणा है। वह घर, समाज व राष्ट्र का आदर्श है और सशक्त समाज की आधारशीला है।

नीलम मूंदड़ा (महामंत्री, जोधपुर)
पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

जन्मदायिनी नहीं सृष्टि की सूत्रधार

भारत समाज एक पुरुष प्रधान समाज है तो महिला, परिवार का आधार। स्पष्ट सी बात है कि परिवार की केन्द्रीय परिधि के रूप में महिला की भूमिका, समाज में एकता उत्पन्न करने में बहुत अधिक प्रभावी रही है। बहुत से समाजशास्त्रियों का कहना है कि यदि माताएं अपनी संतान के शिक्षण में बंधुत्व, भाईचारे और समानता को दृष्टिगत रखे तो आगामी पीढ़ियों में एकता को बनाए रखा जा सकता है। फिर भी विडंबना है कि जब घर में लड़की पैदा होती है तो इतनी खुशी नहीं होती जितनी पुत्र पैदा होने पर होती है। जबकि अधिकतर माता-पिता का साथ जरूरत के समय लड़की ही देती है। भारत की संस्कृति में महिलाओं की सदा ही मुख्य भूमिका रही है। अगर समाज में नारी न हो, तो पुरुष कहाँ से आएंगे। नारी जन्मदायिनी है, इस सृष्टि की सूत्रधार है। जिस राज्य में ज्यादा कन्या भ्रूणहत्या हुई, वहीं पर विवाह के लिए लड़कियां कम पड़ने लगीं। आध्यात्मिक जगत में भी महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं हैं। एक अध्यात्मिक संस्था में तो प्रचार कार्य अधिकतर नारी वर्ग ने ही संभाला हुआ है। वहां वे साधु-संत के रूप में कार्यरत हैं। आज लैंगिक भेदभाव से विमुख होकर महिलाओं को पुरुषों के अनुपात में समकक्ष लाने की आवश्यकता है। भारतीय संविधान में महिलाओं का दर्जा पुरुषों के समान है। अतः अपने अधिकारों का आकलन करते हुए महिलाओं को आगे बढ़ना चाहिये।

छाया राठी (संगठन मंत्री, जोधपुर)
पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

विकास का आधार

राष्ट्र का समग्र विकास तभी संभव हुआ, जब नारी का समाज के विकास में योगदान रहा। समाज की सबसे छोटी ईकाई परिवार है। उसके दो प्रमुख घटक जो रिश्ते की डोर से बंधे रहते हैं, वह नर और नारी। नारी को संस्कार एवं संस्कृति की जननी कहना भी कोई अतिश्योक्ति नहीं। वह एक बालक का सर्वांगीण विकास ही नहीं करती अपितु पूरे परिवार को आगे बढ़ाने का विशेष प्रयास भी करती है। उसने धार्मिक कट्टरता, भेदभाव, गुलामी की जंजीरों को तोड़कर हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलकर परिवार को आर्थिक मजबूती देकर समाज की तस्वीर ही बदल डाली है।

स्वाति मानधना, बालोतरा (संगठन सदस्या)
पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

समर्पण की मूर्ति, पर स्वावलंबन जरूरी

समाज परिवारों के सामूहिक संगठन का नाम है। परिवार का केंद्र बिंदु नारी है। नारी परिवार की धुरी है। जब नारी परिवार का केंद्र, बिंदु, धुरी है तो स्वतः ही समाज में उसकी भूमिका कमतर नहीं हो सकती। मेरा मानना है कि अगर नारी शिक्षित हो, स्वावलंबी हो तो समाज स्वतः ही विकास की ओर अग्रसर होगा। जब परिवार की हर नारी का व्यक्तित्व निखर कर सामने आएगा, तो बताइये उस समाज के विकास को भला कौन रोक पाएगा? एक शिक्षित नारी अपने विचारों के माध्यम से सुसुप्त समाज को जागृत कर सकती है।

राधा लाहोटी, पाली मारवाड़ (अध्यक्ष)
विवाह परामर्श में संयोगिता संयोजक
पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

कन्या अर्थात् "लक्ष्मी"

हमारे घरों में 'कन्यारत्न' का जन्म होते ही कहा जाता है कि घर में 'लक्ष्मी' आई है। उसे अच्छे संस्कारों के साथ बड़ा करते हुये माता-पिता, परिवारजन सिखाते हैं कि बड़े होकर तुम्हें दो परिवारों का नाम रोशन करना है। इसी सीख को आत्मसात करती हुई वह स्वस्थ समाज के विकास में अपनी भूमिका निभाना चालू कर देती है। हमारी माहेश्वरी प्रबुद्ध महिलाएँ कॅरियर (चार्टर्ड अकाउंटेंट), खेलकूद, प्रशासनिक सेवा में योगदान करते हुये समाज के विकास में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही हैं।

कंचन जाजू (संगठन सदस्या, जोधपुर)
ख्यात एंकर और नृत्य कलाकार
पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

नारी में विकास की सभी खूबी

ईश्वर ने नारी में वो सभी खूबियाँ दी हैं जिससे वो घर-परिवार, समाज और देश को प्रगति की ओर अग्रसर कर सकती हैं। हर बालक की पहली शिक्षिका माँ है। नारी अपने समर्पण, इच्छाशक्ति, कार्यकुशलता, वाकचार्तुयता, कर्मशीलता, सहनशीलता से जानी जाती है और यही गुण समाज के विकास में सहयोग करते हैं।

पवित्रा डागा, बालोतरा
(संगठन सदस्या)
पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

वर्तमान दौर में बड़ी जिम्मेदारी

नारी किसी भी परिवार की धुरी होती है और परिवार से ही समाज बनता है। वर्तमान युग में जब समाज में चहुँओर पारिवारिक इकाइयों का विघटन, नैतिक पतन और सांस्कृतिक व सामाजिक स्तर में निरन्तर गिरावट आ रही है, ऐसी विषम परिस्थितियों में नारी की भूमिका और अधिक अहम हो जाती है। माहेश्वरी समाज की महिला इकाइयों को सामाजिक विरासतों के संरक्षण व संवर्द्धन की दिशा में ठोस व प्रभावी संकल्प शुरू करने की आज महत्ती आवश्यकता है।

मंजू लड्ढा, सोजत रोड
(संगठन सदस्या)
पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

दोहरी जिम्मेदारी निभा रही है नारी

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते। तत्र रमन्ते देवता" उक्त श्लोक वर्तमान परिस्थिति में भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि जब लिखा गया था। जहाँ नारी को सम्मान की दृष्टि से देखा गया है, वहाँ प्रगति व उन्नति के रूप मे देवताओं को खेलते देखा है। नारियों ने आदर्श व अथक प्रयासों से न सिर्फ भारतीय समाज के विकास मैं अमूल्य योगदान दिया है, अपितु संपूर्ण विश्व के समाज को एक नई दिशा प्रदान की है विकास के हर क्षेत्र में नारी पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर प्रकार से योगदान कर रही है। एक कामकाजी पुरुष अपनी कार्यालयीन समस्याओं से ही ऊँचा नहीं उठ पाता है। जबकि दूसरी ओर एक कामकाजी महिला अपनी व्यावसायिक जिम्मेदारी का तो अच्छे से निर्वहन करती ही हैं, साथ ही पारिवारिक जिम्मेदारी भी बखूबी निभाती है।

डॉ. पुष्पा सारडा, जोधपुर
एक्यूप्रेशर चिकित्सा में सेवारत
पश्चिम राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

नारी के बिना विकास अधूरा

समाज के विकास में नारी की अहम भूमिका है। आज नारी हर क्षेत्र में पुरुषों से कंधा से कंधा मिलाकर भाग ले रही है। चाहे वह घर हो या बाहर का क्षेत्र हो या शिक्षा जगत, विज्ञान चिकित्सा, प्रशासन, राजनीति, खेलकूद और यहाँ तक कि अंतरिक्ष तक जाने में अपना लोहा मनवा चुकी है। बस चलाने, रेलगाड़ी चलाने एवं हवाई जहाज उड़ाने में भी नारी का बहुत बड़ा योगदान है। इस तरह नारी घर एवं बाहर के क्षेत्र में पुरुषों से कदम से कदम मिलाकर चल रही है। कुल मिलाकर नर एवं नारी दोनों ही एक रथ के पहिये हैं।

राज मालपाणी (शोरपुर, कर्नाटक)
स्वाति नक्षत्र ग्रुप के एडमिन-फेसबुक

नारी का उत्कर्ष राष्ट्र का उत्कर्ष

इतिहास से लेकर आज के आधुनिक युग तक अगर नजर डालें तो भारतीय समाज में स्त्रियों का योगदान पुरुषों के मुकाबले कम नहीं है। उसी के बलबूते पर भारतीय समाज खड़ा है। नारी ने भिन्न-भिन्न रूपों में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नारी को बढ़ावा देने से न सिर्फ नारी समृद्ध होगी, बल्कि अंततः परिवार, समाज और राष्ट्र भी सशक्त और समृद्ध बनेंगे। यदि एक अशिक्षित माँ अन्य चीजों के बारे में खुद अंजान है, तो वह बच्चे को कैसे सही व पूरा ज्ञान दे पाएगी। इस तरह समाज का विकास रुक जाता है। नारी उत्कर्ष आज सिर्फ एक जरूरत नहीं बल्कि विकास और प्रगति का अनिवार्य तत्व है।

स्वर्ण श्रीयंत्र सृष्टि का ब्लूप्रिंट

श्रीयंत्र जिस स्थान पर स्थापित किया जाता है, वहाँ सौभाग्य, समृद्धि और शान्ति आकर्षित होते हैं। मॉस्को विश्वविद्यालय में हुए शोध से इस बात की पुष्टि होती है कि श्रीयंत्र के साथ ध्यान करने से मस्तिष्क की तरंगें अल्फा स्तर पर पहुँच जाती हैं - अल्फा स्तर अन्तर्ज्ञान, रचनात्मक, विश्राम व गहरे ध्यान से जुड़े मन की एक अवस्था है। पौराणिक शास्त्रों में श्रीयंत्र को यंत्रराज अथवा यंत्र शिरोमणी भी कहा गया है।

स्वर्ण श्रीयंत्र आध्यात्मिक प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

सम्पर्क :
ऋषि-मुनि वैदिक सॉल्युशन
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.),
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मो. 94250 91161

किसी समय नारी की 'शान' कहीं जाने वाली साड़ी अब 'विलुप्ति' की ओर बढ़ती जा रही है। क्या यह उचित है? इसी मुद्दे पर क्षणिक विनोदी रुख में विचार व्यक्त कर रही है, किरण मूंदड़ा

सर से सरकती संस्कृति

आज के आधुनिक युग मे इस विषय पर मंतव्य रखना व खुली चर्चा करना मेरी कई आधुनिक सखियों को नागवार गुजरेगा। पर अपनी बात कहने की स्वतंत्रता का लाभ मैं भी ले लूं। ये सोचकर ही आपसे जिक्र कर रही हूँ।

एक जमाना था, जब साड़ी धारी महिलाएं बड़ों के आदर में सिर पर पल्लू लिया करती थीं। देवस्थान में, पूजा-अर्चना के समय भी सिर पर पल्लू रहता था। वैसे ये बहुत गए जमाने की बात नहीं, बस 10 साल पहले की बात है। पल्लू का जिक्र तो जाने दीजिए, अब तो साड़ी पहनना भी आउट ऑफ फैशन हो गया।

दांतों तले अंगुली आ जाती है, जब कोई बेटी के माँ बाप खुश होकर कहते हैं, हमारी बेटी के ससुराल में ड्रेस पहनना अलाउ है। हम तो जमाने के साथ चलते हैं। बहू को भी ड्रेस पहनने की पूरी छूट देते हैं। चलो, ये भी ठीक है, ड्रेस में क्या बुराई है। बस ये जरूर होता है कि विवाहित और अविवाहित का अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल होता है।

आधुनिकता के इस फैंसी बाजार मे साड़ी और सर से पल्लू तो अलविदा कह चुका, अब तो सलवार सूट के दुपट्टे भी गायब हो गए। हम सब ने हमारी पूर्व पीढ़ी यानी माँ-दादी को अत्यंत व्यस्त देखा है। किस तरह वे सारा दिन काम करती और हां साड़ी पहन कर ही करती थीं। अब तो ये वाक्य सब की जुबां पर होता है। साड़ी पहन लो तो सुधरता ही नहीं (इतना कौन सा काम है?)। अब साड़ी तो तकरीबन वार्डरोब से निकल चुकी और उसकी जगह ड्रेस, जींस, सलवार कुर्ती ने ले ली है। हाल ही में मेरे परिचित के यहाँ बेटे का विवाह हुआ। नई बहू दो दिन की साड़ी के बाद परेशां हो गई और बरमूडा पहनने लगी। सास ने सलवार सूट पहनने की सलाह दी, तो बहू का जवाब था, उसे बरमूडा ही अच्छा लगता है, वो इसी ड्रेस में कंफर्टेबल है। (परेशान सास को हमने ये कह कर सांत्वना दी, गनीमत है उसे कोई तो ड्रेस पसंद है।)

थोड़ा गौर करें। आज की स्मार्ट सखियों से गुजारिश है कि गरिमा को बढ़ाए ऐसी वेशभूषा पहने। एक समय ऐसा भी था जब महिलाओं की भीड़ में माहेश्वरी महिलायें अपनी वेशभूषा, रहन सहन सब से अलग नजर आती थीं। आज के दौर में ये अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल है।

हम हिंदुत्व की बात बहुत जोरशोर से करते हैं, पर क्या स्वयँ अपने धर्म का पालन करते हैं। हम खुद ही अपने धर्म को, अपने सामाजिक नियमों को ताक पर रखकर जीवन जी रहे हैं। ऐसी आधुनिकता किस काम की, जो आपको आपके मूल रूप से ही जुदा कर दे। सोचिये ...।

एक दिन पुरुष बनकर देखे हाउस वाइफ

कीर्ति राणा, उज्जैन

डायनिंग टेबल पर खाना लग चुका था। हम लोग चूंकि खाने पर आमंत्रित थे, इसलिए हमारी पसंद-नापसंद का ख्याल रखा जा रहा था। मित्र की पत्नी रसोईघर में व्यस्त थीं, एक-एक कर दाल-चांवल, बेसन गट्टे, कड़ी, बाफले, लड्डू, सलाद आदि सामान बच्चों के हाथ भिजवाती जा रही थी। मित्र ने पहला निबाला मुंह में रखा ही था कि बुरा सा मुंह बनाते हुए किचन की तरफ देखते हुए झुंझलाहट भरे स्वर में कहा- पता नहीं तुम्हारा ध्यान कहां रहता है। दाल में बिल्कुल नमक नहीं है।

क्यों नमक कम लग रहा है ना, मित्र ने हमसे पूछा। हमने गर्दन इंकार में हिलाते हुए कहा नहीं, नमक तो ठीक है। हमारे उत्तर से मित्र के चेहरे पर असहमति के भाव साफ नजर आ रहे थे।

सुनो, बेसन गट्टे में भी नमक कम है, ढंग से तो बनातीं। मित्र को मैने टोकने की कोशिश की, वो उलाहना देते हुए कहने लगा यार तुम तो अपनी भाभी का ही पक्ष लोगे, तुम्हें तो लड्डू में भी नमक ठीक लग रहा होगा। उसका यह रवैया मेरे लिए अप्रत्याशित था। हम नमक कम-ज्यादा को लेकर चर्चा में लगे हुए थे इस बीच मेरी पत्नी खाना छोड़कर कब रसोइघर में पहुंच गई यह तब पता चला जब मित्र की पत्नी रुंधे गले से अपना दर्द व्यक्त करते हुए कह रही थी इनकी तो आदत हो गई है सबके सामने मेरे काम में मीन मेख निकालने की। काम में कभी हाथ तो बंटाते नहीं, बस हुकम फर्माते रहते हैं। बात-बात में हमेशा यहीं कहते रहते हैं तुम घर में दिन भर करती क्या हो एक काम तो ढंग से होता नहीं।

इन दोनों सहेलियों के बीच चल रही इस बातचीत और माहौल से भूख तो खत्म हो चुकी थी। खाने की टेबल से उठकर ड्राइंग रूम में आकर बैठे, सौंफ-सुपारी का दौर चला और खाने की तारीफ करते हुए हमने मित्र परिवार से विदा ली। रास्ते में पत्नी की बातों से ही पता चला कि मित्र की पत्नी सुबह से लेकर शाम तक कीचन में भिड़ी रहती है। काम वाली बाई भी चार दिन से बिना बताए नहीं आ रही तो कपड़े-बर्तन का अतिरिक्त काम भी कर रही है। दाल-सब्जी में नमक कम होने को लेकर मित्र ने जिस तरह जलील किया था भोजन में वैसी कमी थी नहीं।

इस सारे प्रसंग के हम साक्षी रहे थे, तो लगने लगा कि ऐसे किस्से तो हर परिवार में घटित होते रहते हैं, पर कई परिवारों में रोचक तरीके से बात संभाल ली जाती है। एक मित्र की पत्नी चाय तो बहुत अच्छी बनाती लेकिन शकर कम रह जाती तो पति बड़े प्यार से कहते इस चाय में तुम्हारी अंगुली घुमा दो मिठास बढ़ जाएगी। पत्नी तुरंत चम्मच और शकर का डिब्बा लाकर रख देती। एक अन्य परिवार में ससुर खाना खाकर उठते और बड़े प्यार से कहते बहु तुमने तो बराबर डाला होगा लेकिन मुझे सब्जी में नमक कुछ कम लगा तो ऊपर से डाल लिया बहु के लिए मीठा सा इशारा ही काफी होता था।

गृहस्थ परिवार का जीवन भी तो चीनी कम, नमक कम के उतार-चढ़ाव वाला ही है। परिवार में गृहस्थी की गाड़ी वहीं बेहतर तरीके चलती हैं, जहां एक-दूसरे की कमी तलाशने की अपेक्षा उस कमी को सुंदर तरीके से हल करने की पहल की जाए। कमी निकालना तब अच्छा हो सकता है, जब उसे दूर करने में मदद की जाए। सुबह से शाम तक रसोइघर से लेकर घर के अन्य कामों में व्यस्त रहने वाली पत्नी का समाज में हाउस वाइफ के रूप में परिचय तो इस तरह से कराते है, मानो घरेलु महिला होना बड़ा गुनाह है। कहने को नारी समाज को आधी दुनिया कहा जाता है लेकिन इस आधी आबादी में भी उन महिलाओं को घर-परिवार समाज में कुछ अधिक सम्मान मिलता है, जो वर्किंग वूमन कहाती है। यह जितना काम, तनाव आफिस में झेलती है उतनी ही व्यस्त परिवार की जिम्मेदारी घरेलु महिलाएं उठाती है। पर आफिस जाने वाली बहन, बेटी, बहू को जितना सम्मान मिलता है उतना इन्हें नहीं मिल पाता। ऑफिस या कारोंबार में व्यस्त रहने वाले पति 'दिन भर करती क्या हो घर में' जैसे उलाहने देते वक्त यह भी नहीं सोचते कि घर को स्वर्ग समान सुंदर बनाए रखने के प्रयास मै हाउस वाइफ अपने दुख दर्द को भी खूंटी पर टांग देती है।

शायद ही किसी दिन परिवारों में हाउस वाइफ के लिए अवकाश जैसी स्थिति बन पाती हो। काम वाली बाई तो बिना बताए छुट्टी मना सकती है लेकिन घरेलु महिलाएं तो बीमारी मैं भी तब तक काम मैं भिड़ी रहती है जब तक बिस्तर ना पकड़ ले। सब्जी में नमक कम होना, चाय फीकी होना, खाना गर्म ना होना जैसे उलाहने देकर हर रोज मजाक उड़ाना बहुत आसान है,किसी दिन एक कप चाय बनाकर नाश्ता बनाकर खिलाइए हाउस वाइफ को। भोजन बनाकर खिलाना तो तारे जमी पर लाने जैसा लगेगा तब गोल रोटी तक नहीं बेल पाएंगे। अभी महिला दिवस पर नारी शक्ति के गुणगान की औपचारिकता दिखाई गई किन्तु कुछ देर के बधाई संदेश बाद में महिला दिवस का मखौल उड़ाने में बदल गए थे। मुझे लगता है समाज में नारी सम्मान का उपदेश देने से अधिक बेहतर यह होगा कि पहले हम घर-परिवार मे नारी का सम्मान करने की आदत डालें। बात बात पर मखौल उडाना, हास-परिहास एक सीमा तक तो ठीक है लेकिन इसकी अति अनचाहे ही महिला वर्ग के बीच हमारा मान-सम्मान घटाने का कारण भी बन जाती है। महंगे गिफ्ट होटल में पार्टी के दिखावे से बेहतर यह हो सकता है कि सबकी पसंद का ख्याल रखने वाली फिर वो हमारी माँ, बहन, पत्नी ही क्यों न हो उसे एक कप चाय बनाकर ही पिला दें। सप्ताह में क्या एक दिन ऐसा तय नहीं कर सकते कि उस दिन घर के पुरुष किचन संभाले और खान-पान में कमी निकालने का अधिकार हाउस वाइफ को मिल जाए?

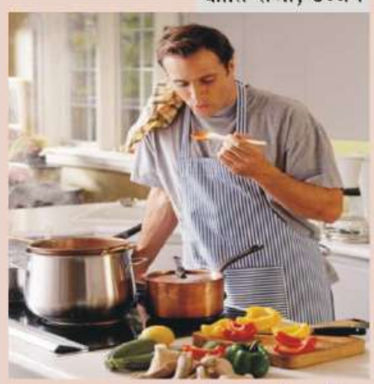

सप्ताह का कोई एक दिन ऐसा तय किया जाए जिस दिन घर के पुरुष गृहस्थी का सारा काम करें। उस दिन इनके काम में कमी निकालने का अधिकार हाउस वाइफ को लि। संभवत: ऐसे हालात में ही घर के सदस्यों को हाउस वाइफ की अहमियत पता चलेगी। आफिस में काम करने वाली महिलाऐं भी कम चुनौतियों से नहहीं जूझती लेकिन यह अफसोसजनक ही कहा जाएगा कि वर्किंग वूमन के मुकाबले हाउस वाइफ के काम को उतना मान-सम्मान नहीं मिल पाता।

एक प्राकृतिक उपहार है स्वर्ण सिंदूर

सिंदूर अर्थात कुमकुम का भारतीय सभ्यता में कितना अधिक महत्व है, इससे कोई अनजान नहीं है। सुहागिन की मांग भी इसी से सजती है, तो पूजा भी इसके बिना पूरी नहीं होती है, लेकिन दुःखद स्थिति यह है कि वास्तविक प्राकृतिक सिंदूर उपलब्ध होता ही नहीं। जो बाजार में मिलता है, वह अपने साथ कई साईड इफैक्ट भी लेकर आता है। वर्तमान दौर में भी इस समस्या का समाधान है, तो वह है 'स्वर्ण सिंदूर'

सिंदुर (कुमकुम) मानव सभ्यता की शुरुआत से ही विभिन्न अवसरों पर शुभता के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल होता आ रहा है। पूजा, अभिषेक, हवन/होम, त्योहार या मंगल कार्यों का प्रारंभ, भगवान को सिंदूर (कुमकुम) अर्पण कर तथा कार्यक्रम में शामिल लोगों के माथे पर तिलक लगाकर किया जाता है। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार देवी-देवताओं को पूजा, हवन, त्यौहार के समय, सिंदूर (कुमकुम) अर्पण करने से उनकी सकारात्मक ऊर्जा उपासक को मिलती है। सिंदूर (कुमकुम) देवताओं को अर्पण करके, अपने माथे पर तिलक लगाने से माँ भक्ति हमें बल, तेज व दीर्घायु प्रदान करती है।

क्या है वास्तविक सिंदूर

पौराणिक शास्त्रों में सिंदूर (कुमकुम) का संदर्भ प्राकृतिक सिंदूरी पौधे से प्राप्त सिंदूर (कुमकुम) से ही है। हमने सिंदूरी के पौधों को लगाया तथा इसके बीज से बने सिंदूर (कुमकुम) का उपयोग कर, इसकी सकारात्मकता का आनंद लिया। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार सिंदूर (कुमकुम) का तिलक हमारे शरीर में बुद्धि बल तथा सत्व बल (सात्विक ऊर्जा) को बढ़ाता है। हमारे तीसरे नेत्र (आज्ञा चक्र) से ब्रह्मांडीय ऊर्जा बहती है। यह चक्र सिंदूर (कुमकुम) लगाने से सक्रिय होता है, जिससे मानसिक एकाग्रता एवं विवेक में वृद्धि होती है। इसी कारण किसी भी महत्वपूर्ण कार्य अया अनुष्ठान के आरंभ से पहले, माथे पर सिंदूर (कुमकुम) लगाया जाता है।

वर्तमान में सिंदूर की जगह केमिकल

वर्तमान समय में व्यावसायिक लाभ के लिए प्राकृतिक सिंदूर (कुमकुम) का स्थान रासायनिक तथा कृत्रिम विकल्पों ने ले लिया है, जो बनाने में सरल एवं कम मूल्य के होते हैं। सिंदूर में अत्यंत हानिकारक रसायनिक पदार्थ पारा, लाल सीसा, चूने का पानी आदि होते हैं। इनका यंत्रों एवं प्रतिमाओं पर इस्तेमाल करने से धातु की सतह का क्षरण होता है। इस सिंदूर का मानव द्वारा उपयोग किए जाने पर बालों का झड़ना व सफेद होना तथा त्वचा में खुरदरापन व जलन जैसे दुष्परिणाम होते हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहाँ इस तरह के सिंदूर (कुमकुम) का गलती से आँखों में चले जाने पर दृष्टि में प्रतिकूल प्रभाव व इसे खा लेने पर शरीर में विषाक्त प्रभाव होता है। इसका पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

क्या है स्वर्ण सिंदूर

स्वर्ण सिंदूर कुमकुम प्राकृतिक सिंदूरी पौधे के बीज से विशिष्ट विधि द्वारा बनाया गया है। यह एक 100 प्रतिशत प्राकृतिक उत्पाद है। इसमें सिंदूरी बीज रंग रहता है। प्राकृतिक उत्पाद होने के कारण स्वर्ण सिंदूर (कुमकुम) पूजा के लिए आदर्श एवं मानव उपयोग के लिए पूर्णतः उपयुक्त है। इसका उपयोग सकारात्मकता के साथ-साथ पूजा, अभिषेक, होम/हवन त्योहार या अनुष्ठानों में सम्मिलित लोगों के लिये करने पर कोई भी दुष्परिणाम नहीं है। स्वर्ण सिंदूर (कुमकुम) का इस्तेमाल पर्यावरण की भी रक्षा करता है।

बिना भय के कर सकते हैं उपयोग

प्राकृतिक स्वर्ण सिंदूर (कुमकुम) का यंत्रों, मूर्तियों, प्रतिमाओं, चित्रों, मानव शरीर तथा कहीं भी बिना प्रतिकूल प्रभाव के उपयोग किया जा सकता है। होम, हवन, पूजा, अभिषेक में पुरुषों महिलाओं एवं बच्चों के माथे पर तिलक या बिंदी, विवाहिता महिलाओं के माँग भरने आदि उपयोग के लिये प्राकृतिक स्वर्ण सिंदूर सर्वोत्तम है। होली के त्योहार में स्वर्ण सिंदूर (कुमकुम) को प्राकृतिक गुलाल के रूप में तथा पानी में मिलाकर प्राकृतिक रंग के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है।

यहाँ से कर सकते हैं प्राप्त

ऋषि-मुनि वैदिक साल्युशंस

90 विद्या नगर, टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे, सांवेर रोड, उज्जैन (मप्र)
दूरभाष- 0734-2526561, 2526761 मो. 9425091161

खुश रहें... खुश रखें...

सहयोगी पर भरोसा रख निर्णय लेने की स्वतंत्रता दीजिए

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

जीवन या परिवार प्रबंध का यह महत्वपूर्ण तथ्य है कि अपने सहयोगियों, मित्रों या रिश्तेदारों पर भरोसा करते हुए जब उन्हें कोई कार्य करने की स्वतंत्रता दी जाती है, तो परिणाम निश्चित ही अच्छे मिलते हैं। जब श्रीराम ने सुग्रीव को सीताजी की खोज की जिम्मेदारी सौंपी थी तब सुग्रीव को प्रत्येक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र छोड़ा था और शब्द कहे थे- ''अब सोई जतनु कराहु मन लाई, जेहि बिधि सीता के सुधि पाइ।'' अब मन लगाकर वही उपाय करो जिससे सीता की खबर मिल सके।

सुग्रीव ने अपने स्वतंत्र निर्णय से चार खोजी दल बनाए थे। सबसे योग्य दल में नील, अंगद, जामवंत और हनुमानजी थे, उन्हें दक्षिण दिशा में भेजा था। जामवंत, हनुमानजी आदि की अगुवाई में गए दल ने लंका तो ढूंढ निकाली लेकिन सीता की खोज के लिए अकेले हनुमानजी को भेजा गया। जाने से पहले हनुमानजी ने जामवंत से इस बात की शिक्षा ली थी कि लंका में जाकर उन्हें करना क्या है? ''जामवंत मैं पूँछउँ तोही, उचित सिखावन दीजहु मोही।'' मैं आपसे पूछता हूँ, मुझे उचित सीख देना कि मुझे क्या करना चाहिए?

जामवंत ने कहा, ''हे तात, तुम जाकर इतना ही करो कि सीताजी को देखकर लौट आओ और उनको रामजी की खबर कह दो।'' शेष वानर नहीं जानते थे कि श्रीहनुमान लंका जाकर आग लगा देंगे। रावण के दरबार में बहस के बाद जब उनकी पूंछ में आग लगाई गई तब हनुमानजी ने ही संपूर्ण लंका दहन का निर्णय लिया। श्री हनुमान को निर्णय लेने की आजादी देने का परिणाम यह हुआ कि श्रीराम के पहुंचने के पहले ही सारे राक्षस उनके पराक्रम का एक बड़ा झटका देख चुके थे। उन्हें अनुमान लग चुका था कि श्रीराम की सेना का एक ही योद्धा यदि लंका जला सकता है, तो पूरी सेना क्या नहीं कर सकती?

अपने साथियों को निर्णय का अधिकार देकर कार्य लेने की श्रीराम की यह विशिष्ट शैली थी। श्रीराम ने अपनी इस शैली का कई बार हनुमानजी के माध्यम से सफल प्रयोग किया था और इस माध्यम से हमें भी सिखाया कि परिवार में जब किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करना हो, तो योग्यतानुसार सभी को निर्णय लेने का अधिकार दिया जाए।

हनी फ्रूटी स्मूदी

सामग्री : सेब, केला, पपीता, चीकू, आम, आदि-दो कप (मिले-जुले), ताजा क्रीम-आधा कप, हंग कर्ड (बंधा दही)-एक कप, शहद-दो से तीन बड़े चम्मच, पिसी इलायची-आधा छोटा चम्मच, पिस्ता कतरन-सजाने के लिए।

विधि- सबसे पहले सारे फलों को आवश्यकतानुसार छीलें व टुकड़ों में काट लें। अब इनको मिक्सी में डालकर पीस लें। अब हंग कर्ड, ताजा क्रीम, शहद और पिसी इलायची डालकर एक-दो मिनट के लिए मिक्सी चलाकर इन्हें एक स्मूद पेस्ट बनाएं। तैयार हनी फ्रूटी स्मूदी को पिस्ता कतरन से सजाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

परवल की मिठाई

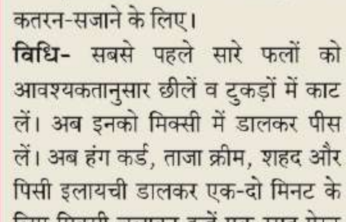

सामग्री : परवल 10 से12, चीनी आधा कप

सामग्री : भरावन के लिए-ताजा मावा पाव कप, ताजा पनीर पाव कप, ताजी मलाई 2 टेबल स्पून, चीनी 3 टेबल स्पून, इलायची पाउडर आधा टी स्पून, केसर 6-7 डंडियां।

विधि- परवल को अच्छे से छीलकर पूरा हरा हिस्सा निकालें। परवलों के बीच में एक खड़ा कट देकर उसके अंदर के बीज निकालें। चीनी में 1 कप पानी डालकर उबालें। फिर उसमें परवल डालकर नरम होने तक पकाएं। भरावन की सभी सामग्री मिलाकर 2-3 मिनट भूनकर पकाएं। परवल को चाशनी से निकालें और भरावन भरकर फ्रीज में ठंडा कर परोसें।

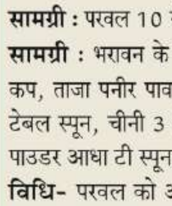

मंजू जैसलमेरिया, जोधपुर
मो. 98285 22322

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

नारी ही नारी री दुश्मन

खम्म सा हुक्म आपने खरी बात बताऊँ कि नारी रो दिमाग पुरुषों सूं तेज़ हुवे क्योंकि अगर आपा पुरे विश्व ने राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक विकास रे नजरिये सुं देखां तो नारी रो हर क्षेत्र में पुरुषों सुं महत्वपूर्ण योगदान है।

भारत में नारी रे विकास री गति और देशा सुं मंद है क्योंकि आपाणे अठे औरत ही औरत री दुश्मन है। घर में छोरी हुवे तो रोवणो पिटनो चालू हूँ जावे । दुनियां दिखावटी आंसू नहीं बहावे पर चेहरा री रंगत जरूर उड़ जावे। हुक्म मैं कई माँ ने छोरी रे जन्म पर आंसू बहावते देखियो है । छोरे री चाहत में हुक्म सात आठ लड़कियां पैदा कर लेवे भले ही घर में चार लोगा रो पेट मालिक आराम सुं भर नहीं पावे। हुक्म हो सके आपने आ बात कड़वी लागे पर सच तो या ही है औरत ही औरत री खरी दुश्मन है । अगर कोई म्हने पूछे इण देश में बेटा - बेटी में समानता कीकर हूँ सके तो म्हारो मत है कि' ज्यों बेटे ने स्वतंत्र छोड़ो वैसे ही बेटी ने भी स्वतंत्र राखणी सीखो । उने आपरी सुरक्षा रो ज्ञान दो और उनी चिंता उन्हें ही करण दो। अगर हुक्म कदम कदम पर बेटी ने आगे बढ़ण में रोक लगाओ तो आप ही बताओ घोड़ी री टांग बांध ने राखोला तो घोड़ी रेस में अव्वल आ पावेला? नहीं न .. ''

बेटे ने काजू पिस्ता और बेटी ने मूंगफली तक नहीं। बेटा बातों रा जूता मारे तो सह लेवे और बेटी शालीनता सुं आपरी बात केहवे तो भी घरवाला आपरो आपो खो देवे। हुक्म देश रो सुधार तो जण ही हुवैला जद औरत ही औरत ने आगे लावेला। आपाणे अठे तो नारी ही नारी री नम्बर एक शत्रु बणयोड़ी है ।

नारी दिवस पर हर साल नारी कल्याण पर चर्चा तो खूब हुवे पर हकीकत में अमल काम ही हो पावे ।

देश रो सुधार सुं पहला समाज रो सुधार और समाज रो सुधार सुं पेला घर रो सुधार और घर में औरता एक दूसरे री आलोचना री बजाय मिलने कार्य करे तो समाज , देश रे विकास री गति राजधानी एक्सप्रेस री गति सुं आगे बढ़ण लाग जावेली।

- जुगलकिशोर सोमानी, जयपुर

राजिया रा दूहा

राजिया रा दुहा ..... प्रसिद्ध राजस्थानी कवि स्व. किरपा रामजी खिड़िया की रचना ....

गज भरियो गजराज मदछकियो चालै मतै ;
कूकरिया बेकाज रोय भूसै क्यों राजिया ......

अर्थ : हाथी को अपनी मस्त गति से चलते देखकर कुत्ते रो रो कर , भूंक भूंक कर अपना ही तो अहित करते हैं - गजराज का क्या बिगड़ता है !

मुलाहिज़ा फरमाइये

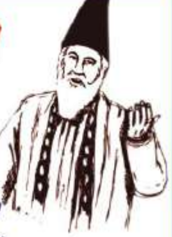

बहोत अलग सा है मेरे शब्दो का हाल
एक तेरी खामोशी और मेरे लाखों सवाल

पुकार लो नाम हमारा. कब से हम तुम्हारे है।
कोई आवाज नहीं की. चुपने से दिल हारे है।

कौन कहता है कि दिल सिर्फ सीने में होता है।
तुझको लिखूं तो मेरी उंगलियां भी धड़कती है।

अपने दिल का जख्म दिल में ही दबाये रखा,
बयां करते तो महफिल को रुला देते।

आलम कुछ यूं था भूख लगी थी जिंदगी की
हम कुछ कसमें खाकर कुछ वादे पीकर.. दीवाने हो गए।

▸▸ ज्योत्सना कोठारी, मेरठ

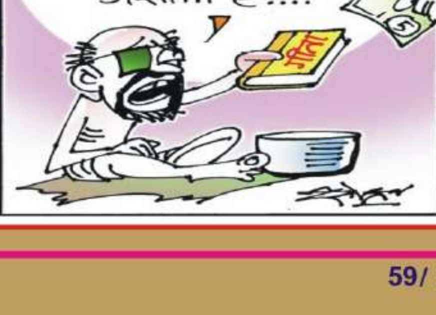

सौजन्य से...

जो उन्हें बोलना है

वे सदाबहार हैं। किसी भी कार्यक्रम में फिट हो जाते है। बल्कि फिक्स हो जाते है। एक सदाबहार वक्ता की तरह। अध्यक्ष की तरह। मुख्य अतिथि की तरह। शायद वे जन्में ही इसी खातिर। वे हर मौके पर बोलेंगे पर बोलेंगे वही जो उन्हें बोलना है। मजाल है कि तुलसी जयंती पर तुलसी पर बोल जाएं और प्रेमचंद जयंती पर प्रेमचंद को घुसने दें? विषय तो उनके लिये वासना है। अवसर तो 'टेप' का 'प्ले' भर है। घूम-फिर कर वे अपनी बात पर आ जाएंगे। जैसे ऑटो का मीटर फिर से तीन साठ पर आ जाता है।

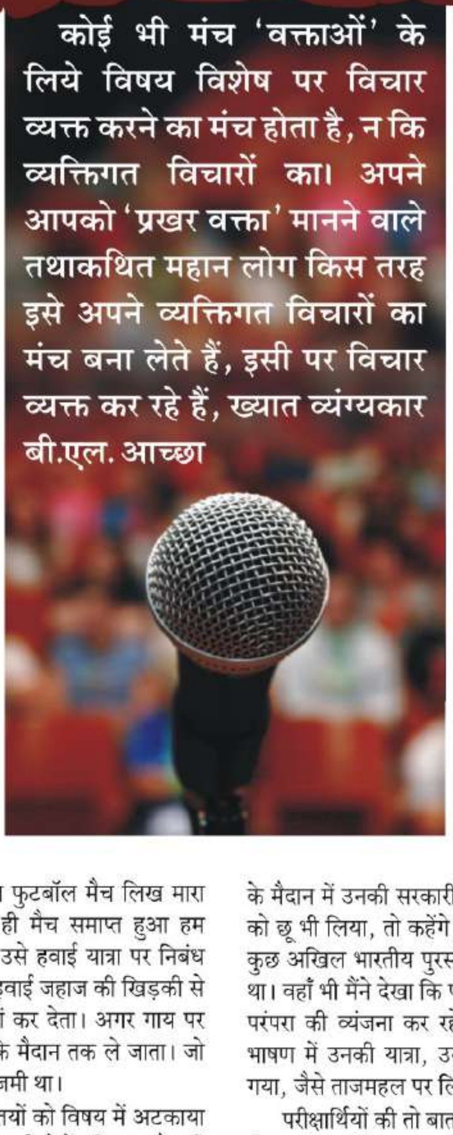

मेरे एक मित्र की सफलता का राज ही यही है। बात यह है कि अंग्रेजी उसे आती नहीं थी। परीक्षा में बाकी सब तो रटकर लिख दे, मगर अंग्रेजी निबंध का क्या करें? बोर्ड की परीक्षा में अंग्रेजी का पर्चा देखकर माथे पर सल पड़ जाते थे। फिर रटा हुआ निबंध फंसे न फंसे? मगर मेरे नायाब मित्र ने बुद्धि का तीर चला ही दिया। बस-एक निबंध रट लिया -'ए फुटबॉल मैच' और घोड़े बेचकर सो गया। अब आप चाहे जिस विषय पर निबंध पूछ लीजिए-ए फुटबॉल मैच तो आएगा ही। मतलब अगर ताजमहल पर पूछ लिया तो मेरा यह नायाब मित्र शुरू का कलात्मक पैबंद जोड़ देगा। 'एक बार ताजमहल देखने आगरा पहुँचे। स्टेशन पर देखा कि फुटबॉल मैच हो रहा था।' फिर पूरा फुटबॉल मैच लिख मारा और कलात्मक अंत करते हुए लिखा जैसे ही मैच समाप्त हुआ हम ताजमहल देखने गए और लौट आए। अगर उसे हवाई यात्रा पर निबंध लिखने को कहा जाता है। तब भी शायदा वह हवाई जहाज की खिड़की से धरती पर चल रहे फुटबॉल मैच के दृश्य बयां कर देता। अगर गाय पर लिखना होता, तो गाय को भगाकर फुटबाल के मैदान तक ले जाता। जो भी हो फुटबाल मैच का आना हर हालत में लाजमी था।

मेरा पक्का विश्वास है कि अध्यक्षनुमा हस्तियों को विषय में अटकाया नहीं जा सकता। उनकी प्रतिभाएँ तो लोहे के सुर्ख गोले की तरह फैलती हैं। नट की रस्सी पर चाहे जैसे झूल लेती है। वे विषय से विषयांतर में भटक सकती है। वे पिकनिक मनाती हुई फिर-फिर विषय पर लौट सकती हैं। मजेदार तो यह है कि इस चमत्कार को श्रोता सुनता तो जाता है, पर आखिरी समय तक उसे पता नहीं चलता कि प्रेमचंद जयंती में अध्यक्षीय उद्‌बोधन में प्रेमचंद क्यों नहीं आ पाए?

हमारे एक स्वनामधन्य वक्ता हैं। एकाध बार की तगड़ी जुगाड़ में विदेश हो आए हैं, तब से वे हवाई जहाज में ही रहते हैं। पर जब कभी उन्हें धरती पर होने का कुबोध हो जाता है, तो वे हवाई यात्रा की स्मृति लाए बगैर नहीं रह पाते। चाहे जो प्रसंग हो, विषय हो, पर किसी न किसी कोने से अपनी बीस साल पुरानी विदेश यात्रा का जिक्र जरूर कर लेंगे। कहेंगे 'हमारे यहाँ कल्चर नहीं है। मगर स्टेट्स (अमेरिका) में ऐसा नहीं होता। वहां मैंने देखा और पाया.....।' इस बेहद बासी विदेश यात्रा के छौंक के बगैर उनका स्वाद बनता ही नहीं, बल्कि लोग इतना तक अंदाज करने लग गए हैं कि ये सज्जन किस समय और कैसे अपनी विदेश यात्रा का जिक्र ले आएंगे। कई श्रोता तो इन सदाबहार अध्यक्षों के रटे रटाए वाक्य उसी टोन में वक्ता के बोलने के पहले ही सुना जाते हैं।

इधर एक अध्यक्षनुमा साहित्यकार हैं। कुछ लिखा भी है। आक्रोश के कवि हैं और सरकारी खर्च पर जमकर यात्राएं की हैं। अब वे अध्यक्षता के लायक भर रह गए हैं। महज श्रोता के रूप में बैठने पर उनके पिलपिले अहम को ठेस लगती है। क्योंकि कुछ तो वे जन्मजात थे। कुछ कर्मजात हो गए और अब अध्यक्षता-जात हो गए हैं। उन्हें चाहे जिस विषय पर बुलवा दो। किसी-न-किसी बहाने अपनी खास उपलब्धि का जिक्र कर ही लेंगे। अगर सरकारी पुरस्कार मिला हो तो, भाषण के केंद्र में उसे ले ही जाएंगे। किसी सरकारी साहित्य यात्रा में लौटे हों, तो किसी न किसी दर्रे से यह यात्रा भाषण के मैदान में झंड़ा गाड़ेगी ही।

इस बार एक कार्यक्रम में उन्हें परंपरा और साहित्य पर बोलना था, पर पूरे भाषण के मैदान में उनकी सरकारी खर्च पर केरल यात्रा घुस गई। अगरचे विषय को छू भी लिया, तो कहेंगे -'अभी मैं दक्षिण भारत हिंदी प्रचार समिति के कुछ अखिल भारतीय पुरस्कारों के वितरण के लिए आमंत्रित किया गया था। वहाँ भी मैंने देखा कि परंपराएं बहुत सजीव हैं, मुझे नहीं मालुम कि वे परंपरा की व्यंजना कर रहे थे या अपने साहित्यिक कद की? पर पूरे भाषण में उनकी यात्रा, उनका पुरस्कार वितरण कद, ऐसे समाहित हो गया, जैसे ताजमहल पर लिखे निबंध में फुटबॉल मैच।

परीक्षार्थियों की तो बात ही और है। सवाल चाहे जो पूछिए, उत्तर वही होगा, जो उन्होंने रट रखा है। ये वे रणबाँकुरे नहीं हैं, जो उत्तर न आने पर कॉपी के मैदान को खाली छोड़ आए। वे बकायदा कॉपी भरेंगे। साथ में चार सप्लीमेंट्री भी जोड़ेंगे। चोरी-छिपे, पर्चियों से पाइंट लिखते जाएंगे और बाकी यादों में हिलोरे लेते फिल्मी नग्मों से उसे पूरा कर देंगे, या मनमर्जी से। और केन्द्रीय मूल्यांकन में खट-खटाखट-खट चलती परीक्षक की लाल स्याही को पाइंट्स ही तो दिख पाते हैं?

मुझे तो लगता है कि महान प्रतिभाओं के भीतर कहीं न कहीं 'फुटबॉल मैच' होता जरूर है। चाहे भाषण का मैदान हो, परीक्षा की कॉपी हो, बातचीत का गलियारा हो, आत्मप्रशंसा के सार्वजनिक क्षण हों। फुटबॉल मैच का आना अवश्यंभावी है।

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये लाभकारी रहेगा। पिता से लाभ होगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। मन की इच्छा पूरी होगी। आय एवं प्रमोशन मिलेगा। राजकीय कार्य और न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी, यात्रा होगी। दाम्पत्य सुख में कमी रहेगी। नये मेहमान की खुशी प्राप्त होगी। मित्रों के सहयोग से रूके कार्य पूरे होंगे। सुख समृद्धि के साधनों में वृद्धि होगी। जीवन साथी के साथ वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे।

वृषभ- यह माह आपको शुभसमाचार प्राप्त होंगे। राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता प्राप्त होगी। पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा। मनोरंजन आदि पर व्यय करेंगे। विद्यार्थी को परीक्षा में सफलता मिलेगी। जीवन साथी के साथ मनमुटाव बना रहेगा। भाई परिवार से सहयोग मिलेगा। व्यापार में सुधार की स्थिति बनेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। आर्थिक स्थिति बढ़िया होगी, फिजुल खर्च से बचे।

मिथुन- यह माह आपके लिये प्रसन्नता दायक रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। जान-पहचान बढ़ेगी, मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग में रुचि बढ़ेगी। उच्चाधिकारियों के सहयोग से धन लाभ होगा। सन्तान की ओर से खुशी एवं प्रसन्नता मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन होगा। नये कार्य करने से कुछ परेशानी आएगी। विद्यार्थी वर्ग को कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। परिवार में गलत-फहमी के कारण मन-मुटाव बना रहेगा। सम्पत्ति-जमीन के कारण भी परेशानी बनी रहेगी।

कर्क- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। राजनैतिक पक्ष से सहयोग मिलेगा। संतान के कार्यों पर खर्च होगा। नौकरी में कुछ परेशानी उठना पड़ेगी। भाग-दौड़ के कारण व्यापार में अच्छी स्थिति बनेगी। कार्ज कम होगा। प्रियजन से भेंट होगी। धार्मिक उत्सव मनोरंजक कार्यों पर अधिक खर्च करेंगे, यात्रा होगी। विवाह में देरी होगी। आपकी योग्यता के अनुसार आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग में निराशा मिलेगी।

सिंह- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। सुख में कमी, परिश्रम की तुलना में लाभ कम मिलेगा परंतु प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। सामाजिक कार्य में यश मिलेगा। मकान परिवर्तन करेंगे। विशिष्टजनों के सम्पर्क का लाभ मिलेगा। नौकरी में स्थानांतरण से परेशनी उठना पड़ेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। भाइयों से मन-मुटाव होगा। जीवन साथी से दूरी रहेगी। कार्यों में रुकावट भी आयेगी। विद्यार्थी के लिये समय अनुकूल है।

कन्या- यह माह आपके लिये मिला-जुला रहेगा। धार्मिक कार्यों में बढ़चढ़कर भाग लेंगे। राजकीय पक्ष से मान-सम्मान मिलेगा। यात्रा होगी। संतान कार्य के कारण परेशानी आयेगी। मित्र सहयोग करेंगे। आय के नये स्त्रोत रहेंगे। मन के कार्य पूरे होंगे। व्यापार में मंदी बनी रहेगी। स्वास्थ्य में पेट विकार से परेशानी रहेगी। जीवन साथी का पूरा सहयोग रहेगा। रुका धन भी प्राप्त होगा। आर्थिक संकट दूर होगा।

तुला- यह माह मान, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका धन प्राप्त होगा। उन्नति के सुअवसर प्राप्त होंगे। वाहन सुख, मकान सुख की प्राप्ति, दाम्पत्य सुख मिलेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। प्रेम-प्रसंगों से प्रसन्नता मिलेगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। सम्पत्ति का बंटवारा होगा। खर्च अधिक होगा। अनायास यात्रा होगी। मानसिक तनाव भी बना रहेगा। नये उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। मांगलिक कार्य होंगे। धार्मिक यात्राएं होंगी।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये लाभदायक रहेगा। न्यायालयीन प्रकरण में परेशानी आएगी। रुके कार्य पूरे होंगे। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। स्थाई सम्पत्ति में वृद्धि एवं पैतृक सम्पत्ति का बंटवारा होगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। धार्मिक यात्रा होगी। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी महिला से अचानक मुलाकात होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा।

धनु- यह माह आपके लिये मिला-जुला मानसिक तनाव भरा रहेगा। विरोधियों से भय संतान की ओर से चिंता, नौकरी में परेशानी हो सकती है। धार्मिक यात्रा धर्म-कर्म में आस्था बढ़ेगी। ट्रांसफर होगा। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। कार्यों में विलम्ब के साथ सफलता मिलेगी। अधिकारी वर्ग से लाभ होगा। व्यय अधिक होगा। विवाद से दूर रहें। वाणिज्य, व्यवसाय में सफलता मिलेगी। जनहित के कार्य में रुचि रहेगी।

मकर- यह माह आपके लिये आर्थिक लाभ दायक रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पदोन्नति के अवसर कार्यों में सफलता महिलाओं की ओर से सहायता प्राप्त होगी। मनोबल बढ़ेगा। सुखों में वृद्धि, यात्रा से लाभ। अपनी हर महत्वाकांक्षा की ओर अग्रसर होते चलेंगे। मित्रों एवं परिवार से सहयोग एवं सम्बंध सुधरेंगे। किसी पर अधिक विश्वास करना हानिकारक रहेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम होने से कार्य प्रभावित होंगे। विवाह सम्बन्ध होगा। धार्मिक यात्रा के अवसर प्राप्त होंगे। व्यय बढ़ेगा।

कुंभ- यह माह आपके लिये अनुकूल रहेगा। लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी। घर-परिवार में मांगलिक कार्य होंगे। मेहमानों का आगमन बना रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। आय में वृद्धि कार्य क्षेत्र में प्रगति कर अपने नाम को बढायेंगे। अविवाहितों के लिये विवाह प्रस्ताव आयेंगे। लाटरी शेयर से लाभ होगा। व्यवसाय के कारण बहुत भाग-दौड़ बनी रहेगी, प्रमोशन होगा। सपरिवार धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे। अस्वास्थ्य बनी रहेगी।

मीन- यह माह निरंतर लाभ मिलेगा। तरक्की के मार्ग खुलेंगे। उत्साह और मनोबल बढ़ेगा। विरोधी परास्त होंगे। कारोबार का विस्तार एवं नई योजनाऐं बनेगी। पिता से लाभ एवं कार्यों में अनुकूलता तथा सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थी वर्ग की पढ़ाई-लिखाई में सफलता। संतान की ओर से प्रसन्नता मिलेगी। महिला वर्ग से लाभ होगा। व्यय की अधिकता से परेशानी उठना पड़ेगी। अचानक यात्रा होगी। वाणी में

श्री सत्यनारायण लढ़ा

भीलवाड़ा. समाज के वरिष्ठ सदस्य हेमराज लढ़ा के बड़े भ्राता व महेश लढ़ा के पिता श्री सत्यनारायण लढ़ा का असामयिक निधन गत 31 जनवरी को हो गया है। श्री लढ़ा सामाजिक, व्यावहारिक, मिलनसार, हँसमुख व्यक्ति थे।

श्री जीडी अटल

उज्जैन. नगर के वरिष्ठ कर सलाहकार जी.डी.अटल का गत 9 मार्च 207 को 71 वर्ष की उम्र में हृदयाघात से देहावसान हो गया है। आपने एकाउंटेसी, टैक्स प्लानिंग, विक्रयकर एवं बृजयात्रा मार्गदर्शन पर पुस्तकें एवं अनेक लेख लिखे। कर संबंधी मासिक का आपने 20-25 वर्ष तक सम्पादन किया।

श्रीमती मंजुला देवपुरा

उदयपुर. समाज सदस्य श्रीमती मंजुला देवपुरा धर्मपत्नी श्यामसुंदर देवपुरा का निधन गत 6 मार्च को हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र एवं एक पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

विदा ली फिर भी प्रेरणा पुंज

बद्रीनारायण खड़लोया

सिकंदराबाद के स्व. श्री बद्रीनारायण खड़लोया न सिर्फ कपड़ा व्यवसाय में एक शीर्ष हस्ती थे बल्कि समाजसेवा में उन्होंने जो योगदान दिये उन्हें स्थानीय माहेश्वरी समाज हमेशा याद रखेगा। आगामी 13 मई को स्व. श्री खड़लोया की प्रथम पुण्य तिथि मनाई जा रही है।

सोलापुर वालों के नाम से प्रसिद्ध सिकंदराबाद के वयोवद्ध नेता स्व. श्री बद्रीनारायण खड़लोया की कपड़ा व्यवसाय के क्षेत्र में ख्याति पूरे देश में थीं। वे सोलापुर बेडसीट एवं इचलकरंजी की धोती के तेलंगाना क्षेत्र के सिकंदराबाद में होलसेल व्यवसायी थे। व्यवसाय के साथ ही उनका सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में विशिष्ट योगदान था। वे सभी समाज बंधुओं को समाजसेवा एवं धार्मिक सेवा हेतु प्रेरित करते थे।

कई हस्तियों ने दी अंतिम विदाई

श्री खड़लोया का देहावसान 84 वर्ष की आयु में गत 13 मई 2016 को सिकन्दराबाद में हृदयाघात से हो गया था। व्यवसाय जगत के साथ ही समाज एवं समाजसेवा के क्षेत्र की कई हस्तियों ने उपस्थित रहकर उन्हें विदाई दी। इनमें माहेश्वरी सेवा संघ सिकन्दराबाद के अध्यक्ष गोपाललाल बंग, मंत्री आनंद बंग, प्रभुदयाल जाखोटिया, महेश बैंक निदेशक कृष्णचंद बंग, माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण राठी, संयोजक मनोज लोया, राधाकिशन भूतड़ा, माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य नरदेव (आर्य) भंडारी, महेश बैंक के चेयरमेन रमेश कुमार बंग, श्री माहेश्वरी टाईम्स उज्जैन के प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण काकाणी आदि शामिल थे।

व्यवसाय में शून्य से शिखर

स्व. श्री खड़लोया का जन्म 19 मार्च 1933 में आंध्रप्रदेश के ओंगोल जिले में हुआ। वे सन 1952 में सिवनी मालवा (म.प्र.) के श्री गुलाबचंद सारड़ा की सुपुत्री कमलाबाई के साथ परिणय सूत्र में बंधे। दो-तीन वर्ष की नौकरी के बाद स्व-व्यवसाय के लिये तेलंगाना क्षेत्र के हैदराबाद में 1955 में आकर सोलापुर चद्दर के छोटे से व्यवसाय की शुरुआत की। कड़ी मेहनत एवं परिवार के सहयोग से उनका व्यवसाय दिन दुगना रात चौगुनी जैसा विस्तारित हो गया। उन्होंने न सिर्फ परिश्रम करके अपने काम को ही आगे बढ़ाया बल्कि दूसरे लोगों को भी सहयोग देकर स्व-व्यवसाय के लिए प्रेरित किया।

> "पेड़ कभी डाली काटने से नहीं सूखता, पेड़ हमेशा जड़ काटने से सूखता है। वैसे ही इंसान अपने कर्म से नहीं बल्कि अपनी छोटी सोच और गलत व्यवहार से हारता है।"

जोधपुर के सफलतम विशेषांक के बाद पाठकों की मांग पर

श्री माहेश्वरी टाईम्स का आगामी अंक

स्वतंत्रता आंदोलन की कर्मभूमि नागपुर
की गौरवशाली संस्कृति व माहेश्वरी समाज को समर्पित

नागपुर विशेषांक

एवं

वीर प्रसूता भूमि, छोटी काशी के नाम से विख्यात
राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर 'बूंदी' पर केन्द्रित

बूंदी विशेषांक

अपने विशिष्ट आलेखों व तथ्य पूर्ण जानकारियों से
यह अत्यंत संग्रहणीय होंगे यह विशेषांक

निवेदन - इन बहुप्रीतिक्षत विशेषांकों के लिये शहर के इतिहास, माहेश्वरी समाज की संस्कृति, सेवा व योगदान तथा प्रेरक व्यक्तित्वों पर केंद्रित आलेख तथा विज्ञापन आमंत्रित हैं।

सम्पर्क करें
नागपुर विशेषांक प्रभारी - श्रीमती किरण मूंदड़ा - 94220-55677
बूंदी विशेषांक प्रभारी - श्री संजय लाठी - 77330-18180

90, विद्यानगर, (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), सांवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526561, 2526761, मोबाईल - 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

नमामि देवि नर्मदे

नर्मदा सेवा यात्रा

एक अनूठा अवसर माँ नर्मदा की सेवा में आपके योगदान का

नर्मदा सेवकों का ऑनलाइन पंजीयन

मध्यप्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली में जीवनदायिनी नर्मदा का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। नर्मदा में निर्मल जल का प्रवाह अविरल बना रहे, यह हम सबका पुनीत कर्तव्य है।

नर्मदा को प्रदूषण मुक्त कर इसके दोनों तटों पर सघन वृक्षारोपण द्वारा नर्मदा सेवा का विशाल अभियान 'नमामि देवि नर्मदे–नर्मदा सेवा यात्रा' चलाया गया है।

आइये, अधिक से अधिक संख्या में नर्मदा सेवक के रूप में ऑनलाइन पंजीयन कराकर आप भी अभियान से जुड़कर अपना योगदान करें।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

नर्मदा सेवक बनने के लिए आप वेबसाइट
http://www.namamidevinarmade.mp.gov.in/narmadasevak.aspx
पर अपना पंजीयन कर सकते हैं।

म.प्र. जन अभियान परिषद्
योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग

Follow Chief Minister Madhya Pradesh /CMMadhyaPradesh /CMMadhyaPradesh /ChouhanShivrajSingh

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2017

D80657

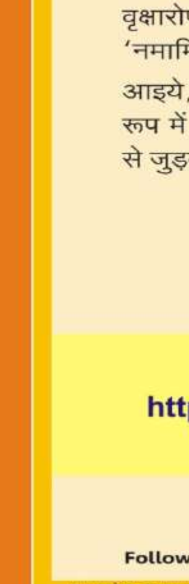

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 April, 2017

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.co